राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, शनिवार, 27 जून 2026
वर्ष 07, अंक 260, पृष्ट 12, मूल्य: 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

भीषण तपन व मानसून की बेरुखी से सूख रहा हैंडपंप व बोरिंग...02

लखनऊ अग्निकांड के बाद कानपुर में संस्थानों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई....11

राम मंदिर चढ़ावा चोरी केस में अज्ञात पर सस्पेंस, पुलिस FIR में अननोन को शामिल क्यों करती है?

● राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में पुलिस ने 8 नामजद लोगों के साथ-साथ अज्ञात लोगों पर भी मुकदमा दर्ज किया है

पुलिस और जांच एजेंसियों को अंदेशा है कि इस मामले में अभी कई और नाम के खुलासे हो सकते हैं

श्री राम जन्मभूमि मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा दान और चढ़ावे के रूप में दी गई राशि के कथित गबन के मामले में स्ढ्ढञ्ज की जांच रिपोर्ट के आधार पर अयोध्या पुलिस ने 8 नामजद लोगों के साथ अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है. एफआईआर में रमाशंकर यादव (टिन्नू यादव), अनुकल्प मिश्रा, अविनाश शुक्ला, मनीष यादव, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष, करुणेश और लवकुश मिश्रा का नाम दर्ज किया गया है. यह एफआईआर चोरी, चोरी में मदद करना, गबन, धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और सरकारी कर्मचारी या संस्थाकर्मी के द्वारा आपराधिक षडयंत्र के तहत विश्वासघात की धाराओं में दर्ज की गई है. इसके लिएभारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 61, 306, 316, 173 और 317 का इस्तेमाल किया गया है. इसमें कई धाराएं ऐसी हैं, जिसमें जांच के दौरान अगर आरोप सही पाए गए तो आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है

पुलिस कई बार गंभीर केसेज में अज्ञात लोगों के खिलाफ भी मामला दर्ज करती है. राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में भी 8 नामजद लोगों के साथ-साथ एक अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. पुलिस किसी केस में अज्ञात के खिलाफ मामला इसलिए दर्ज करती है, ताकि जांच के दौरान अन्य संभावित आरोपियों को भी कानून के दायरे में लाया जा सके हैं. इसके लिए पुलिस बीएनएसएस (पहले सीआरपीसी) की धारा 173 का इस्तेमाल करती है

मुख्य बातें

» जांच का दायरा खुला रहे, इसलिए पुलिस अपने एफआईआर में अज्ञात नाम का जिक्र करती है.

» केस में नया आरोपी सामने आने पर अलग से कोई एफआईआर दर्ज करने की आवश्यकता नहीं पड़ती.

» राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में भी 8 नामजद के साथ अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा.

» पुलिस का मानना-इस मामले में अभी और भी नाम सामने आने का अंदेशा

अज्ञात का है जिक्र, तो अलग से नहीं दर्ज करना होगा एफ.आई.आर.

कई बार आपराधिक मामलों में आगे चलकर कई अन्य व्यक्तियों की भी भूमिका पुलिस सामने आती है. ऐसे में अगर पुलिस ने अपने एफआईआर में धारा 173 के तहत अज्ञात का जिक्र किया है तो उसे उस मामले में आरोपी बनाने में आसानी होती है. यही वजह है कि पुलिस अपने एफआईआर में अज्ञात आरोपी को शामिल करती है, ताकि जांच का दायरा खुला रहे और अन्य संभावित आरोपियों को आगे चलक उसी मामले में नामजद किया जा सके. ऐसे में पुलिस को अलग से कोई एफआईआर दर्ज करने की

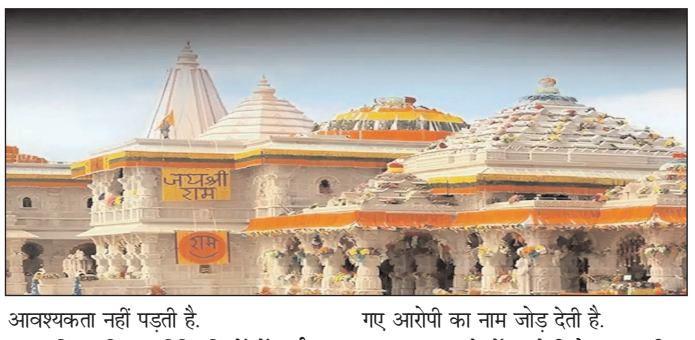

आवश्यकता नहीं पड़ती है.

किन-किन परिस्थितियों में दर्ज किया जाता है अज्ञात पर एफ.आई.आर.

अज्ञात के खिलाफ एफआईआर ज्यादार चोरी, दुर्घटना और अनजान लोगों द्वारा मारपीट, धोखाधड़ी, भीड़ द्वारा हिंसा जैसे मामलों में ही दर्ज कराया जाता है. यह तब दर्ज की जाती है, जब अपराध हुआ हो, लेकिन शिकायतकर्ता आरोपी को न जानता हो या फिर मामले में अपराधी की पहचान संदिग्ध हो और स्थापित ना हो पाई है. इसके अलावा अगर आरोपी की पहचान करने के लिए जांच की आवश्यकता तो भी ऐसे मामलों में पुलिस एफआईआर में अज्ञात का उल्लेख करती है.

अज्ञात लोगों के खिलाफ एफ.आई.आर. की अनुमति क्यों है?

कई अपराध अनजान लोगों द्वारा किए जाते हैं. चोरी, डकैती, सड़क दुर्घटनाएं, ऑनलाइन धोखाधड़ी जैसे मामलों में पीड़ित तुरंत अपराधियों की पहचान नहीं कर पाते हैं. ऐसे में पुलिस इस तरह के मामले में एफआईआर दर्ज कर सबूत इकट्ठा करने से लेकर अपराधियों तक पहुंचने का काम करती है.अपराधी की पहचान स्थापित होने पर वह अज्ञात की जगह उसी एफआईआर में पकड़े गए आरोपी का नाम जोड़ देती है.

हर मामले में आरोपी के नाम की जरूरत होती है, कई मामले रिपोर्ट नहीं हो पाते

अगर एफ.आई.आर. के लिए हर मामले में ज्ञात आरोपी की जरूरत होती तो कई अपराध रिपोर्ट ही नहीं हो पाते. चोरी, डकैती, सड़क दुर्घटनाएं, ऑनलाइन धोखाधड़ी या फिर ऐसे मामले जिसमें अपराधी का पहचान स्थापित ना हो, उसपर एफआईआर दर्ज करने से मना नहीं कर सकती है. अगर पुलिस ऐसा करने से मना मना करती है, तो शिकायतकर्ता उनके सीनियर अधिकारी या फिर मजिस्ट्रेट से उसके खिलाफ शिकायत कर सकता है.

चढ़ावा चोरी मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ एफ.आई.आर. का क्या मतलब?

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले में पुलिस द्वारा अपराधिक साजिश की बीएनएसएस की धारा 61 को भी जोड़ा है. इसका मतलब साफ है कि जांच एजेंसियां इस मामले को सिर्फ 8 नामजद आरोपियों तक सीमित नहीं मान रही हैं. पुलिस का मानना है कि जांच के दौरान साजिश के तार अन्य लोगों से भी जुड़ सकते हैं.

बंगाल में ईसीएल का बुलडोजर एक्शन, अवैध टीएमसी कार्यालय किया जमींदोज

● ईसीएल ने तृणमूल कांग्रेस के नेता विनोद नोनिया के कथित कार्यालय पर बुलडोजर चलाकर बड़ी कार्रवाई की है

कंपनी की जमीन पर बने इस 'अवैध निर्माण' को भारी पुलिस बल की मौजूदगी में ध्वस्त किया गया. इस घटना से इलाके में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है

ईसीएल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तृणमूल कांग्रेस के नेता विनोद नोनिया के कथित कार्यालय पर बुलडोजर चला दिया. इस कार्रवाई के बाद इलाके में राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं. बताया जा रहा है कि ईसीएल की जमीन पर बने कथित अवैध निर्माण को हटाने के लिए प्रशासन और ईसीएल की टीम भारी पुलिस बल की मौजूदगी में मौके पर पहुंची. इसके बाद जेसीबी मशीनों की मदद से पूरे ढांचे को ध्वस्त कर दिया गया

कार्रवाई के दौरान चपुई कोलियारी के ॥क्रसोमू तिवारी और रानीगंज थाना अंतर्गत नीमचा फाड़ी की पुलिस उपस्थिति में टीएमसी कार्यालय के अंदर मौजूद फर्नीचर, सोफा और टेबल साथ लेकर चले गये. इसके बाद बुलडोजर ने भवन को जमींदोज कर दिया. कार्रवाई देखने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौके पर जमा हो गए

टीएमसी नेता के अवैध कार्यालय पर चला बुलडोजर

स्थानीय भाजपा नेता संजय रुईदास के अनुसार यह कार्यालय लंबे समय से तृणमूल कांग्रेस के नेता विनोद नोनिया से जुड़ा हुआ था. ईसीएल अधिकारियों का कहना है कि कंपनी की जमीन पर किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे या निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

फिलहाल ईसीएल की इस कार्रवाई ने पूरे इलाके में राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हलचल मचा दी है. अब देखना होगा कि इस मामले में आगे क्या नया मोड़ से लेता है।

बुलडोजर एक्शन से हड़कंप

हालांकि यह कार्यालय पिछले काफी दिनों से विवादों में था. कुछ दिन पहले यहां विरोध प्रदर्शन और तोड़फोड़ की घटनाएं हुई थी. उस समय परिसर से कुछ दस्तावेज एवं मतदाता पहचान पत्र मिलने की खबरें आई थी, हालांकि बाद में इसकी पुष्टि नहीं हुई.

हालांकि बुलडोजर एक्शन के दौरान विनोद नोनिया कहीं नजर नहीं आए और न ही इस मामले में उनका रिएक्शन ही सामने आया है. वहीं स्थानीय स्तर पर यह चर्चा तेज हो गई है कि यदि वास्तव में यह निर्माण ईसीएल की जमीन पर थी, तो इतने सालों तक इसे हटाने का प्रयास क्यों नहीं हुआ. स्थानीय लोगों ने इसकी निष्पक्ष जांच की मांग की।

जमीन की बंदोबस्ती पर बहस तेज

इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में एक नयी बहस छिड़ गयी है. स्थानीय लोगों का सवाल है कि यदि निर्माण वास्तव में इसीएल की जमीन पर था, तो इतने वर्षों तक इसके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गयी. कई सामाजिक संगठनों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच तथा जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की समीक्षा की मांग की है. फिलहाल इसीएल की इस कार्रवाई को क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की बड़ी पहल के रूप में देखा जा रहा है, वहीं इसके राजनीतिक प्रभावों पर भी सुगबुगाहट तेज है।

संक्षिप्त ख़बरें

विधवा महिला पर समधी बना रहा कोर्ट मैरिज का दबाव, परेशान होकर आगरा पुलिस कमिश्नर से लगाई मदद की गुहार

अछनेरा (आगरा)। अछनेरा थाना के बड़ी बस्ती जाटवान निवासी एक विधवा महिला ओमवती देवी ने अपने समधी जगदीश शास्त्रीपुरम सिकंदरा पर जबरन कोर्ट मैरिज का दबाव बनाने, अभद्र व्यवहार करने और जान से मारने की धमकी दिलाने का आरोप लगाते हुए पुलिस कमिश्नर से शिकायत की है। पीड़िता का कहना है कि वर्ष 2025 में उसने अपनी दोनों बेटियों का विवाह आगरा निवासी जगदीश के पुत्रों से किया था। आरोप है कि शादी के बाद से समधी उस पर गलत नीयत रखता है। मकान बेचकर उसके साथ रहने व कोर्ट मैरिज करने का दबाव बना रहा है। विरोध करने पर बेटियों का जीवन बर्बाद करने की धमकी दी गई। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि समधी की बेटियां भी मोबाइल पर धमकी दे रही हैं। पीड़िता ने अपनी और बेटियों की सुरक्षा की मांग करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। मामले की जांच पुलिस स्तर पर लंबित है।

PNB की भदरौली शाखा में सीबीआइ का छापा, रातभर खंगाले दस्तावेज

आगरा। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की जैतपुर के भदरौली बैंक शाखा में गुरुवार शाम को सीबीआइ की टीम ने छापा मारा। गाजियाबाद से पहुंची 12 सदस्यीय टीम ने बैंक के दस्तावेजों को खंगालने के साथ ही स्टाफ से कई घंटे तक पूछताछ की। शुक्रवार सुबह तक सीबीआइ की टीम ने बैंक में जांच पूरी की। कार्रवाई 16 घंटे तक चली। बैंक के अधिकारी और कर्मचारियों को भी बाहर नहीं निकलने दिया गया। छापा क्यों मारा गया? सीबीआइ ने इसकी कोई जानकारी नहीं दी। चर्चा है कि सूर्य घर योजना के तहत सोलर लगाने के लिए मिलने वाली सब्सिडी में वित्तीय अनियमितता की जांच की गई। सीबीआइ की 12 सदस्यीय टीम गाजियाबाद से गुरुवार शाम चार बजे पीएनबी की भदरौली शाखा पहुंची। सुरक्षा की दृष्टि से थाना पुलिस को बुलाकर बैंक के बाहर तैनात किया गया।

निर्दोष ने दुष्कर्म में काटी पांच साल जेल, पीड़िता की मां ने कोर्ट में बताया सच

● पीड़िता की मां ने बयान देकर कहा कि अपराध करने वाला यह नहीं कोई और है

● सबूतों और गवाहों के आधार पर विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट पवन कुमार राय ने युवक को बरी कर दिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। दुष्कर्म के आरोप में एक युवक को पांच साल तक जेल में बंद रहना पड़ा, जबकि यह अपराध उसने नहीं किया था, पीड़िता की मां ने बयान देकर कहा कि अपराध करने वाला यह नहीं कोई और है, सबूतों और गवाहों के आधार पर विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट पवन कुमार राय ने युवक को बरी कर दिया, साथ ही लापरवाही पर विवेचक और पर्यवेक्षण अधिकारियों पर कार्रवाई के लिए पुलिस आयुक्त और जिलाधिकारी को पत्र भेजा हैं कमिश्नरेट अंतर्गत थाना बिधनू क्षेत्र अंतर्गत स्वर्ण जयंती विहार की रहने वाली 13 वर्षीय किशोरी को 25 मई 2021 को विक्की नामक युवक ने पकड़ कर झाड़ियों में ले गया था और पीटकर रूपए छीन लिए, पीड़िता ने घर पहुंचकर पिता को बताया तों उन्होंने बिधनू थाने में विक्की के खिलाफ दुष्कर्म का आरोप लगाकर पाक्सो एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज करा दी। विवेचना बिधनू थाने के तत्कालीन सब इंस्पेक्टर विनोद कुमार सिंह ने की,,इस दौरान अपराध करने वाला विक्की फरार हो गया,,तो विवेचक ने गुड वर्क दिखाने के चक्कर में कैंट में रहने वाले अमीन लायल को विक्की बना कर जेल भेज दिया। पीड़िता से तस्दीक भी नहीं कराया,, अभियोजन की ओर से पीड़िता व उसके पिता समेत सात गवाह कोर्ट में पेश किए गए जबकि बचाव पक्ष की ओर से आरोपी के पिता और मां ने बयान दर्ज कराए। पीड़िता और उसके माता-पिता ने कोर्ट में कहा कि अपराध करने वाला विक्की उसके पड़ोस में रहता था। शादीशुदा था।

घटना के बाद वह भाग गया था,, कुछ दिन बाद उसके बीवी बच्चे भी घर छोड़ कर चले गए थे। अमीन ने कोई अपराध नहीं किया हैं, पुलिस ने अमीन को गलत जेल भेजा। सबूतों और गवाहों के आधार पर कोर्ट ने अमीन लायल,उप नाम विक्की को दोषमुक्त करार दिया। पीड़ित मां ने

बताया कि बेटी के साथ मारपीट हुई थी,रूपय छीने गए थे, लेकिन दुष्कर्म नहीं हुआ था। अपराध करने वाला विक्की उसके पड़ोस में रहता था,35/40 साल के लगभग था, उसके बच्चे भी थे कठघरे में खड़े अमीन को देख कर कहा कि यह विक्की नही है,और इसने मेरी बेटी के साथ कोई अपराध नही किया है,, वहीं अमीन के पिता ने बयान में कहा कि घटना वाले दिन बेटा वनारस गया था। टिकट भी विवेचक को दिया था लेकिन उन्होंने फाड़ कर फेंक दिया। जिरह में विवेचक ने भी माना कि गिरफ्तारी के समय आरोपी की शिनाख्त पीड़िता व वादी से नही कराई थी। मेडिकल रिपोर्ट में किसी तरह की आंतरिक व बाहरी चोट नहीं पाई गई थी। और नह दुष्कर्म की पुष्टि हुई थी इन सभी से दुष्कर्म की घटना संदेहास्पद बन गई थी।

रास्ता रोक महिला से गाली-गलौज

ललितपुर। थाना नाराहट क्षेत्र में एक महिला और उसके पुत्र का रास्ता रोककर गाली-गलौज करने तथा जान से मारने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। घटना पुरानी मुकदमेबाजी की रंजिश को लेकर हुई बताई जा रही है। पीड़िता ने आरोपियों के डर और दबाव के कारण तत्काल शिकायत नहीं की। घटना के 23 दिन बाद थाने पहुंचकर दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने गांव के चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नाराहट के ग्राम बनियाना निवासी कौशल्यारानी पत्नी फूलचन्द्र ने बताया कि 2 जून 2026 को शाम करीब 5 बजे वह नाराहट स्थित बैंक से काम निपटाकर अपने पुत्र रौशन के साथ टीकमगढ़ जा रही थीं। रास्ते में मकरीपुर गांव से पहले स्थित भूसा की टाल के पास गांव के ही कुछ लोगों ने उनका रास्ता रोक लिया। आरोप है कि नातीराजा एवं क्षेत्रपाल राजा पुत्रगण गजेंद्र राजा तथा रानाराजा एवं नरेंद्र राजा पुत्रगण कल्लू राजा ने पुरानी मुकदमेबाजी को लेकर विवाद शुरू कर दिया। आरोपियों ने मां-बेटे के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज की और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देकर मौके से चले गए।

मुख्यमंत्री ने देवरिया को दी 456 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात

● सोनूघाट-बरहज फोरलेन का शिलान्यास, बरहज को जलमार्ग से जोड़ने की घोषणा

देवरिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बरांव में आयोजित जनसभा के दौरान बरहज और रुद्रपुर विधानसभा क्षेत्रों के लिए ?456.38 करोड़ की 106 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें ?64.94 करोड़ की 25 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा ?391.44 करोड़ की 81 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवरिया महर्षि देवराहा बाबा और बाबा राघवदास की पावन कर्मभूमि है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सड़क, पुल और आधारभूत ढांचे का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। इसी क्रम में सोनूघाट से बरहज तक लगभग ?172 करोड़ की लागत से बनने वाली फोरलेन सड़क का शिलान्यास किया गया। साथ ही बरहज को जलमार्ग से जोड़ने की भी घोषणा की, जिससे स्थानीय व्यापार को नया विस्तार मिलेगा।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है और कानून-व्यवस्था से किसी प्रकार का समझौता नहीं होगा। उन्होंने युवाओं को रोजगार, किसानों को आधुनिक सुविधाएं और गरीबों को आवास, आयुष्मान कार्ड, बिजली तथा पेयजल उपलब्ध कराने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अपनाने की भी अपील की।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के 10 लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र और प्रमाण-पत्र वितरित किए। जनसभा से पहले उन्होंने विभिन्न विभागों की विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा अन्नप्राशन कार्यक्रम में भी भाग लिया। सभा को कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, प्रभारी मंत्री दयाशंकर सिंह, केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान तथा ग्राम्य विकास राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने भी संबोधित किया। उन्होंने सरकार की विकास योजनाओं, ग्रामीण आधारभूत संरचना, आवास, सड़क, बिजली और किसान हितैषी कार्यक्रमों को प्रदेश की प्रमुख उपलब्धियां बताया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में आमजन की उपस्थिति रही।

जनपद बाराबंकी में सिरौली गूंग व अन्य ग्राम समूहों की बाढ़ से हुआ बचाव

लखनऊः उत्तर प्रदेश के जनपद बाराबंकी में बहने वाली घाघरा नदी वर्षों से तीव्र कटान, बाढ़ तथा अनियमित जल प्रवाह के कारण आसपास के ग्रामों के लिए गंभीर समस्या बनी हुई थी। विशेष रूप से ग्राम सिरौली गूंग एवं अन्य ग्राम समूह प्रतिवर्ष बाढ़ एवं कटान से प्रभावित होते रहे। किसानों की कृषि भूमि कट रही थी तथा ग्रामीणों में भय और असुरक्षा का वातावरण बना रहता था। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने वर्ष 2024 में इस गंभीर समस्या के स्थायी समाधान हेतु चौनेलाइजेशन द्वारा रिवर टेऊनिंग कार्य की परियोजना तैयार कराई और बाढ़ से कटान की सुरक्षा के लिए परियोजना बनवाकर कार्य शुरू कराया। परियोजना का मुख्य उद्देश्य नदी के दबाव को नियंत्रित कर गांवों, कृषि भूमि एवं तटबंधों को सुरक्षित करना था। जून 2025 में यह परियोजना सफलतापूर्वक पूर्ण की गई और आज यह क्षेत्रीय सुरक्षा एवं तकनीकी दक्षता का उत्कृष्ट निर्माण कार्य बन चुकी है।

पूर्व में घाघरा नदी की मुख्य धारा लगातार गांवों की ओर बढ़ रही थी। लगभग 12,000 की आबादी एवं 1600 घर बाढ़ और कटान से प्रभावित हो रहे थे। कृषि भूमि का लगातार कटाव हो रहा था तथा कई परिवारों के सामने विस्थापन का संकट उत्पन्न हो गया था। इस समस्या के दृष्टिगत प्रदेश सरकार ने ड्रोन सर्वेक्षण एवं तकनीकी अध्ययन के माध्यम से अत्यधिक कटान की पुष्टि की गई। इसके उपरांत प्रशासन एवं तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा संयुक्त रूप से विस्तृत कार्य योजना तैयार कर बाढ़ बचाव का कार्य किया। इस परियोजना का उद्देश्य नदी के दबाव को प्रभावित ग्रामों से हटाकर नियंत्रित चौनल की ओर मोड़ना था। इसके अंतर्गत लगभग 3.8 किलोमीटर लंबाई एवं 45 मीटर चौड़ाई में चौनल निर्माण का कार्य किया गया। ड्रेजिंग कार्य हेतु अत्याधुनिक ड्रेजर मशीन, हाइड्रोलिक एक्सकेवेटर तथा मड पम्प का उपयोग किया गया। नदी की मुख्य धारा को सुरक्षित दिशा में मोड़ने के लिए जियोट्यूब एवं बल्ली पाइलिंग का उपयोग किया गया। ड्रेजिंग कार्य पूर्ण होने के बाद जियोट्यूब आधारित संरचनाओं द्वारा तटबंधों को मजबूत किया गया, जिससे नदी के दबाव को नियंत्रित करने एवं कृषि भूमि को कटान से सुरक्षित रखने में सहायता मिली।

परियोजना को नेशनल फ्रेमवर्क फॉर रिवर सेडिमेंट मैनेजमेंट-2022 एवं नियमों के अनुरूप पूर्ण किया गया है। घाघरा जैसी विशाल एवं तीव्र प्रवाह वाली नदी में कार्य करना अत्यंत चुनौतीपूर्ण था। बदलते जलस्तर, मौसम संबंधी कठिनाइयों एवं तीव्र धारा के बावजूद परियोजना टीम ने निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण किया। परियोजना के दौरान अत्याधुनिक ड्रेजर मशीनों द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप चौनल की गहराई एवं चौड़ाई सुनिश्चित की गई। इस परियोजना के पूर्ण होने से 12000 की आबादी और 1600 से अधिक घर लाभान्वित हुए हैं। इसके साथ ही 4500 हेक्टेयर की खेतिहर भूमि सुरक्षित हुई है। इस परियोजना से जन-धन की हानि में कमी आई है तथा कृषि भूमि भी सुरक्षित हुई है।

जून 2025 में यह परियोजना सफलतापूर्वक पूर्ण कर दी गई। मानसून के दौरान नदी की मुख्य धारा नियंत्रित चौनल में प्रवाहित हुई तथा कटान की गति में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई। ग्रामीणों ने पहली बार राहत एवं सुरक्षा का अनुभव किया। वर्षों से बाढ़ एवं कटान से प्रभावित क्षेत्र अब अधिक सुरक्षित दिखाई देने लगे हैं। इसके निर्माण से कटान की समस्या में

उल्लेखनीय कमी आई, तटबंधों की मजबूती में वृद्धि हुई, कृषि भूमि एवं गांवों की सुरक्षा, नदी के प्रवाह मार्ग में सुधार आया, जल निकासी क्षमता में वृद्धि हुई और ग्रामीणों में सुरक्षा की भावना विकसित हुई है। जनपद बाराबंकी में सिरौली गूंग एवं अन्य ग्राम समूहों की सुरक्षा हेतु संचालित चौनेलाइजेशन द्वारा रिवर ट्रेनिंग कार्य की परियोजना केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि ग्रामीणों के जीवन, कृषि भूमि एवं भविष्य को सुरक्षित करने वाली ऐतिहासिक पहल सिद्ध हुई है। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित यह परियोजना भविष्य में बाढ़ एवं कटान प्रबंधन की दिशा में प्रेरणादायक मॉडल के रूप में कार्य करेगी।

अभिषेक सिंह

महारानी दुर्गावती बलिदान दिवस पर चंदेल समाज का भव्य आयोजन

ललितपुर। वीरांगना महारानी दुर्गावती चंदेल बलिदान दिवस पर श्रीअमझरा सरकार की पावन भूमि स्थित चंदेल आश्रम में चंदेल समाज द्वारा भव्य एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता चंदेल समाज जिलाध्यक्ष शिवकुमार चंदेल ने की। आयोजन में जिले भर से समाज के वरिष्ठजन, युवा कार्यकर्ता एवं समाजसेवी बड़ी संख्या में शामिल हुए। शुरुआत महारानी दुर्गावती के चित्र पर माल्यार्पण एवं उनके शौर्य, त्याग और बलिदान को नमन करते हुए की गई। इस दौरान वक्ताओं ने महारानी दुर्गावती के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज को संगठित, शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सर्वसम्मति से रामपाल सिंह (शिक्षक) को चंदेल समाज का युवा जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया। उनके मनोनयन पर उपस्थित समाजजनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए फूल-मालाओं से स्वागत किया और उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त खबरें

तालबेहट में निकला ताजिया जुलूस, युवाओं ने दिखाए अखाड़े के करतब

तालबेहट। हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में रविवार को नगर में मुस्लिम समुदाय द्वारा ताजियों और बुर्राक का जुलूस श्रद्धा एवं अकीदत के साथ निकाला गया। कदीमपुरा, बड़ा बाजार और गंज मोहल्ले से निकले ताजिए निर्धारित मार्गों से होते हुए बड़ा बाजार स्थित बालाजी मंदिर चौराहे पर पहुंचे, जहां विभिन्न अखाड़ों के युवाओं ने पारंपरिक हैरतअंगेज करतबों का प्रदर्शन किया। इसके बाद सभी ताजिए रामलीला मैदान में एकत्रित हुए, जहां 'या हुसैन, या हुसैन' की सदाओं के बीच युवाओं ने अखाड़ेबाजी के करतब दिखाए। पूरे आयोजन के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने मौजूद रहकर जुलूस का स्वागत किया। पंचायती ताजिया गंज मोहल्ला की व्यवस्था में शाहिद खान, हाफिज अली, मुबारक अली, गोलू शाह, मुन्ना शाह एवं बाकिर हुसैन सक्रिय रहे। वहीं कदीमी ताजिया के आयोजन में रफीक खान, बिटोली खां राईन, सिद्दीक खान, फिरोज अली और लकी खान सहित अन्य लोगों का सहयोग रहा। जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम का आयोजन शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

बालाबेहट पुलिस ने खोया मोबाइल बरामद कर स्वामी को लौटाया

सीईआईआर पोर्टल और तकनीकी विश्लेषण की मदद से 11,500 रुपये कीमत का मोबाइल बरामद

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक के निर्देशन में जनपद की बालाबेहट थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए खोया हुआ मोबाइल फोन बरामद कर उसके वास्तविक स्वामी को सुपुर्द कर दिया। मोबाइल वापस मिलने पर पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक एवं बालाबेहट पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए उनके कार्य की सराहना की। पुलिस के अनुसार, थाना बालाबेहट पर गुम हुए मोबाइल फोन के संबंध में प्राप्त प्रार्थना पत्र पर नियमानुसार गुमशुदगी दर्ज की गई थी। इसके बाद अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह तथा क्षेत्राधिकारी पाली अजय कुमार के पर्यवेक्षण में थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान पीड़ित द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों के आधार पर मोबाइल का विवरण भारत सरकार के सीईआईआर पोर्टल पर अपलोड किया गया। विभिन्न तकनीकी माध्यमों से प्राप्त जानकारी एवं विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने लगभग 11,500 रुपये कीमत का खोया हुआ मोबाइल फोन बरामद कर नियमानुसार उसके स्वामी को सौंप दिया। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष महेंद्र कुमार पाल के नेतृत्व में बालाबेहट थाना पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मोबाइल वापस मिलने पर पीड़ित के चेहरे पर खुशी लौट आई और उसने पुलिस की त्वरित एवं प्रभावी कार्यशैली की प्रशंसा की। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि मोबाइल फोन खोने या चोरी होने की स्थिति में तत्काल यूपी कॉप एप अथवा सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराएं और निकटतम पुलिस थाने से संपर्क करें, जिससे समय रहते मोबाइल की बरामदगी की जा सके।

हमीरपुर में मारपीट से आहत युवक ने वीडियो बनाकर की आत्महत्या, 13 नामजद

हमीरपुर। गांव के पड़ोसियों के द्वारा गाली गलौज करने व मारपीट से आहत होकर एक युवक ने वीडियो बनाकर सारी घटना को बयां किया और फिर जहरीला पदार्थ खा लिया। जिसे गंभीर हालत में जालौन के कदौरा सीएचसी ले जाया गया। जहां पर उसकी मौत हो गई। युवक का वीडियो इंटरनेट मीडिया में प्रचलित होने के बाद कुरारा पुलिस ने 13 लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना कुरारा के ककरऊ गांव निवासी 30 वर्षीय दीपू पुत्र सुरेंद्र सिंह ने इंटरनेट मीडिया में प्रचलित किए गए वीडियो में बताया कि वह अपने घर आ रहा था, तभी रास्ते में ज्ञानसिंह, बबलू सिंह, मालिक, शिवेंद्र सिंह, अभिलाष ठाकुर, भुद्दा, राजा, बउवा, विजय, विनोद आदि ने रोका और उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की। जिससे वह आहत हो गया।

भीषण तपन व मानसून की बेरुखी से सूख रहा हैंडपंप व बोरिंग

● इंसानों और मवेशियों की प्यास बुझाना पहली प्राथमिकता, प्रशासन ने रोपाई के लिए बोरिंग पर रोक लगाने का दिया निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। नौतनवां क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में इस समय मानसून की बेरुखी और भीषण गर्मी के कारण पेयजल का अभूतपूर्व संकट खड़ा हो गया है। लंबे समय से बारिश न होने के कारण क्षेत्र में सूखे जैसे हालात पैदा हो गए हैं, जिससे भूगर्भ जल स्तर रिकॉर्ड स्तर पर नीचे चला गया है। इस भीषण जल संकट ने क्षेत्र के ग्राम पंचायत सेवतरी, पड़ौली, झिंगटी, कोहरगड्डी, मर्यादपुर, परसामलिक, सेखुआनी, पेड़ारी, निपनिया, रेहरा और भगवानपुर, रतनपुर, परसासुमाली, कोहड़वल, जमुहानी, सुर्यपूरा, बरनहवा, महदेईया, निपनिया, बैकुंठपुर उर्फ बोदरवार समेत कई गांवों को अपनी चपेट में ले लिया है। जहां सुबह होते ही पीने के पानी के लिए समस्या उत्पन्न होने लगता है। इस प्राकृतिक संकट को और गहरा करने में चालू सीजन की धान रोपाई ने बड़ी भूमिका निभाई है, क्योंकि आसमान से बरसती आग के बीच किसान अपनी फसलों को बचाने व रोपाई के लिए पूरी तरह से बोरिंग पर निर्भर हो गए हैं और धान के खेतों को भरने के लिए दिन-रात अंधाधुंध पानी खींच रहे हैं। भूजल के इस भारी दोहन के कारण पानी का संतुलन पूरी तरह बिगड़ता जा रहा है, जिसके चलते दिन में गांवों के अधिकांश हैंडपंप पूरी तरह जवाब दे जा रहे हैं।

स्थानीय निवासी जीतबहादुर यादव, संतराज प्रसाद, राजकुमार अग्रहरी, स्वतंत्र विश्वकर्मा, राजू अग्रहरी, संदीप पाण्डेय, सैयद अली, संजय अग्रहरी, अफसर मलिक, अशफाक, जयकिशुन यादव, महबूब अली, गतिराम, रामबचन यादव, संजय यादव, जयप्रकाश सिंह, रामबेलास यादव, शमशाद खान, राकेश जायसवाल, प्रकाश वरुण, श्यादेव, शम्भू, कांग्रेस यादव, ओमप्रकाश चौधरी, धर्मेन्द्र चौधरी, विजय कुमार, मोहम्मद मोईन, दिनेश, यशवन्त चौधरी, विरेन्द्र राजभर, उमेश यादव, हरिश्चन्द्र, बेचन यादव आदि लोगों ने बताया कि जब देर रात खेतों में बोरिंग का संचालन बंद होता है तब जाकर इन हैंडपंपों से पर्याप्त पानी निकल पाता है, जिसके कारण ग्रामीणों को पीने का पानी जुटाने के लिए खासा परेशान होना पड़ रहा है। पेयजल के इस गहराते संकट और ग्रामीणों की बढ़ती दिक्कतों को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने अब मोर्चा संभाल लिया है और इंसानों व पशुओं के लिए पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने को पहली प्राथमिकता देते हुए गांवों में सख्त निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन ने साफ कहा है कि जब तक क्षेत्र में अच्छी बारिश नहीं हो जाती तब तक किसान सिर्फ अपने धान की नर्सरी को बचाने के लिए बोरिंग का प्रयोग कर सकते हैं बाकी रोपाई के लिए बोरिंग के प्रयोग पर पूरी तरह रोक रहेगी।

हमीरपुर में पुजारी की हत्या कर आंख फोड़ने वाला एक आरोपी गिरफ्तार, दूसरे की तलाश जारी

हमीरपुर। पुजारी की गला दबाकर हत्या कर उसकी आंख फोड़ने वाले दो सगे भाइयों में से एक हत्यारोपित को ललपुरा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपित ने बताया कि उसका पुजारी से पुराना विवाद चल रहा था, जिसके कारण उसने अपने भाई के साथ मिलकर पुजारी की गला दबाकर हत्या कर दी और शव छोड़कर मौके से फरार हो गए। घटना का राजफाश करने के लिए पुलिस की तीन टीमें लगी हुई थीं। थाना ललपुरा के अछपुरा गांव में बेतवा नदी किनारे स्थित प्रसिद्ध गुनूबाबा मंदिर में बतौर पुजारी के रूप में रहने वाले 75 वर्षीय लल्लूराम उर्फ आत्मानंद महाराज का शव रविवार की सुबह कुटिया के बाहर लहूलुहान हालत में पड़ा मिला था। पुजारी का शव देख ग्रामीणों में हलचल मच गई थी। पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। जिसमें पुजारी की गला दबाकर हत्या करने की पुष्टि हुई थी और उसकी दाहिनीं आंख में भी चोट पहुंचाई गई थी। पुजारी के बेटे काली प्रसाद ललपुरा थाने में तहरीर देकर मोराकांदर गांव निवासी महेश निषाद व रामविलास पुत्रगण अच्छेलाल निषाद के खिलाफ पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस घटना में नामजद आरोपित महेश निषाद को थाना ललपुरा के स्वासा मोड़ के पास गिरफ्तार करते हुए आरोपित से घटना के संबंध में पूछताछ की।

अकीदत, अमन और भाईचारे के माहौल में मनाया गया मोहर्रम

● या हुसैन की सदाओं से गूंजा शहर, प्रशासन रहा पूरी तरह मुस्तैद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। मोहर्रम के अवसर पर क्षेत्र में अकीदत, शांति और आपसी भाईचारे के साथ धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभिन्न इमामबाड़ों में मजलिसों का आयोजन हुआ, जहां हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की कुर्बानियों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मातम और नौहाख्वानी के बीच अकीदतमंदों ने इंसानियत, सत्य और न्याय के लिए दिए गए बलिदान को याद किया। इस दौरान ताजिए और अलम के जुलूस पारंपरिक मार्गों से निकाले गए। जुलूस में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। असोहा ब्लाक के ग्राम सहरावां में जगह-जगह सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों द्वारा शरबत, पानी, कोलड्रिंक एवं अन्य सेवाओं की व्यवस्था की गई। पूरे आयोजन के दौरान सांप्रदायिक सौहार्द और भाईचारे का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी लगातार भ्रमण करते रहे और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा। अधिकारियों ने नागरिकों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। मोहर्रम के अवसर पर लोगों ने हजरत इमाम हुसैन की शिक्षाओं- सच्चाई, न्याय, त्याग और मानवता- को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। पूरे क्षेत्र में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए आयोजन की लोगों ने सराहना की। जुलूस में मुख्य रूप से अरमान पत्रकार, नसीर खान, रहमत खान, फहीम खान, ताज मोहम्मद, एकलाम अली, बाबू हसन, चांद बाबू, राजू, हसीन, इम्तियाज, खैराती, फूल खान, खलील, शहीद सोनी डीजे, शकील आदि तमाम हिंदू मुस्लिम मौजूद रहे।

मई-जून की भीषण गर्मी में समाजसेवी पी के तिवारी ने चलाया जनजागरूकता अभियान

● प्रबुद्ध जनों के सहयोग से 500 अंगवस्त्र किए वितरित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुलबाजार, अमेठी। भीषण गर्मी और तेज धूप से लोगों को राहत दिलाने तथा जागरूक करने के उद्देश्य से सामाजिक कार्यों में अग्रणी संस्था कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान रजि. के प्रबंधक एवं समाजसेवी पी.के. तिवारी द्वारा मई और जून माह में विशेष जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों, बाजारों तथा खेतों में कार्य कर रहे श्रमिकों और किसानों के बीच पहुंचकर उन्हें गर्मी से बचाव के उपाय बताए गए।समाजसेवी पी.के. तिवारी ने लोगों को अधिक से अधिक पानी पीने, दोपहर की तेज धूप से बचने, सिर को ढककर बाहर निकलने तथा स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में थोड़ी सी सावधानी लोगों को गंभीर बीमारियों से बचा सकती है।अभियान के दौरान संस्था की ओर से जरूरतमंद श्रमिकों, किसानों एवं राहगीरों के लिए जलपान की व्यवस्था भी कराई गई। इसके साथ ही लोगों के सहयोग से लगभग 500 अंगवस्त्र भेंट कर गर्मी से बचाव का संदेश दिया गया। अंगवस्त्र प्राप्त करने वाले लोगों ने समाजसेवी पी.के. तिवारी के इस मानवीय प्रयास की सराहना करते हुए उन्हें दुआएं दीं। क्षेत्र के लोगों ने कहा कि वर्तमान समय में जहां लोग अपने निजी कार्यों में व्यस्त रहते हैं, वहीं पी.के. तिवारी लगातार समाजहित में कार्य कर मानव सेवा की मिसाल पेश कर रहे हैं। संस्था द्वारा समय-समय पर चलाए जाने वाले सामाजिक और जनकल्याणकारी कार्यों से जरूरतमंद लोगों को काफी राहत मिलती है।इस अवसर पर समाजसेवी पी.के. तिवारी ने कहा कि संस्था द्वारा किए जा रहे प्रत्येक सामाजिक कार्य में समाज के सभी वर्गों का सहयोग मिलता रहता है, जिससे संस्था को और अधिक कार्य करने की प्रेरणा और बल मिलता है। उन्होंने भविष्य में भी जनहित के कार्य निरंतर जारी रखने की बात कही।

राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज की 152वीं जयंती पर सामाजिक न्याय एवं पीडीए विषयक परिचर्चा

● संविधान की मजबूती के लिए पीडीए के साथ सामाजिक न्याय आवश्यक- हाजी फ़ज़ल महमूद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर द्वारा आज शुक्रवार को राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज की 152वीं जयंती के अवसर पर महानगर कार्यालय, कानपुर में 'सामाजिक न्याय एवं पीडीए' विषय पर परिचर्चा सम्मेलन का आयोजन महानगर अध्यक्ष हाजी फ़ज़ल महमूद की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का संचालन महानगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू ने किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए हाजी फ़ज़ल महमूद ने कहा कि राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज का जन्म 26 जून 1874 को कोल्हापुर में हुआ था। उन्होंने सामाजिक न्याय, समानता तथा शोषित, वंचित, पिछड़े एवं दलित समाज के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कार्य किए। उन्होंने तत्कालीन शासकों से आह्वान किया था कि समाज के पिछड़े एवं दलित वर्गों को शिक्षा और सरकारी नौकरियों में उचित अवसर दिए जाएं, अन्यथा अन्याय के विरुद्ध जनआंदोलन परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने कहा कि आज भी संविधान की मजबूती और सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए पीडीए की एकजुटता आवश्यक है। समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अधिकार एवं सम्मान दिलाकर ही सामाजिक समरसता और बराबरी का संदेश स्थापित किया जा सकता है।

हाजी फ़ज़ल महमूद ने कहा कि राजर्षि शाहूजी महाराज बाल विवाह के प्रबल विरोधी थे तथा उन्होंने निःशुल्क शिक्षा, निःशुल्क चिकित्सा और सामाजिक समानता को शासन की प्राथमिकता बनाया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भारतीय जनता पार्टी महापुरुषों के आदर्शों से भटक गई है, जिसके कारण गरीब, पिछड़े, दलित एवं वंचित वर्ग के साथ अन्याय हो रहा है। समाजवादी पार्टी राजर्षि शाहूजी महाराज के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने और सामाजिक न्याय की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने भी राजर्षि शाहूजी महाराज के जीवन, संघर्ष एवं सामाजिक न्याय के प्रति उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद, प्रदेश सचिव के के शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू, महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर, नंदलाल जयसवाल, सत्यनारायण गहरवार, महेन्द्र सिह, समीर सोनकर, परमवीर गंभीर, पुष्पेंद्र कटियार, गुड्डू यादव, जस्वेंद्र निषाद प्रमुख रहे।

पुरानी रंजिश में युवक से मारपीट

खडोवरा गांव में जातिसूचक शब्द कहने और धमकी देने का आरोप

ललितपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम खडोवरा में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक के साथ मारपीट और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने का मामला सामने आया है। शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। ग्राम खडोवरा निवासी बुटिया पुत्र स्व.परसू ने बताया कि 17 मई 2026 की रात करीब 8.30 बजे उनका पुत्र साकूलाल गांव में किसी कार्य से गया हुआ था। इसी दौरान पुरानी रंजिश को लेकर गांव के कुछ लोगों ने उसे रास्ते में रोक लिया। आरोप है कि रामेश्वर यादव पुत्र शिवराज, सिंगराम पुत्र श्रीपत, सुखराम अहिरवार पुत्र रामपाल तथा शिवलाल अहिरवार पुत्र जनकिया ने पहले पुरानी बातों को लेकर विवाद शुरू किया। आरोप है कि इस दौरान आरोपियों ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज की। विरोध करने पर चारों ने मिलकर साकूलाल के साथ मारपीट कर दी, जिससे उसे शरीर में गंभीर चोटें आईं। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी गई। घटना के अगले दिन 18 मई 2026 को थाने में लिखित शिकायत दी गई थी। कोतवाली पुलिस ने चारों आरोपियों के विरुद्ध बीएनएस की धारा 352, 115(2), 117(2), 351(3) एवं एससीएसटी एक्ट की धारा 3(1)(द), 3(1)(ध) एवं 3(2)(व्ही.ए.) के तहत मुकदमा पंजीकृत किया है।

सिलापथार महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

धेमाजी असम। धेमाजी जिला के सिलापथार महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) समूह और परिवहन प्रबंधन समिति, असम समाजशास्त्र सोसायटी और सिलापथार पुलिस स्टेशन के सहयोग में आज सिलापथार महाविद्यालय परिसर में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।तरुण चंद्र टाइड ने स्वागत भाषण दिया और विशिष्ट अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया. कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र विभाग के प्रोफेसर और एनएसएस समूह के कार्यक्रम अधिकारी डॉ अब्दुल मुताली और राजनीति विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ मधुस्मिता देवी ने किया। अपने भाषण में, सुधाकर सिंह ने जिम्मेदारी से ड्राइविंग, यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया। उन्होंने सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर बात की जिम्मेदार सड़क उपयोगकर्ता बनने और अपने-अपने समुदायों में सड़क सुरक्षा जागरूकता फैलाने का आग्रह किया। सिलापथार

पुलिस स्टेशन प्रभारी रमाकांत बोरा, कॉलेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नबीन चंद्र कार्डोंग शिक्षक, एनएसएस स्वयंसेवक, छात्र और परिवहन प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित थे। रोड सेफ्टी अवेयरनेस कैंपेन के तहत, गाड़ी चलाने वालों को 20 हेलमेट फ्री में बांटे गए ताकि वे उन्हें रेगुलर इस्तेमाल करने के लिए बढ़ावा दें। डॉ. अब्दुल मोतालिब ने तारीफ़ की और इवेंट के आखिर में, सभी लोगों ने रोड ट्रैफिक नियमों का पालन करने, रोड सेफ्टी अवेयरनेस बढ़ाने और सभी के लिए एक सुरक्षित रोड सिस्टम बनाने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया गया।

27 जून को आजमगढ़ आएंगे सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव, कई कार्यक्रमों में होंगे शामिल

पूर्व मंत्री चंद्रदेव राम यादव के यहां शादी में शामिल होंगे।

आजमगढ़। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव शनिवार को दिन में लगभग एक बजे कार से जनपद में आ रहे हैं। वह सुबह 10 बजे लखनऊ से आजमगढ़ के लिए रवाना होंगे।कार से चलकर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर के सेहदा से होते हुए सिधारी (शंकर जी की मूर्ति)पहुंचेंगे। वह पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं सपा के वरिष्ठ नेता चंद्रदेव राम यादव 'करैली' के यहां शादी समारोह में शामिल होंगे। वर-वधु को आशीर्वाद देंगे। प्रेस-प्रतिनिधियों से भी रू-ब-रू होंगे। पूर्व मंत्री चंद्रदेव राम यादव 'करैली' ने बताया कि सपा मुखिया सेहदा से भंवरनाथ, नरौली, सिधारी होते हुए उनके आवास आएंगे। आशीर्वाद समारोह के बाद पत्रकारों से बातचीत भी करेंगे।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में दशम दीक्षांत समारोह के कार्यक्रमों का रिहर्सल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर में आगामी 29 जून को आयोजित होने वाले दशम दीक्षांत समारोह की तैयारियों के क्रम में शुक्रवार को कुलपति प्रो. कविता शाह के निर्देशन एवं जन भवन से आई टीम की उपस्थिति में दीक्षांत समारोह के समस्त कार्यक्रमों का व्यापक पूर्वाभ्यास (रिहर्सल) आयोजित किया गया। जन भवन से प्राप्त निर्देशों के अनुसार दीक्षांत समारोह को पूर्णतः व्यवस्थित, गरिमामय एवं समयबद्ध ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से विद्वत पदयात्रा, शैक्षणिक शोभायात्रा, पुरस्कार एवं उपाधि वितरण सहित समारोह के विभिन्न कार्यक्रमों का विस्तृत रिहर्सल किया गया। इस दौरान कार्यक्रम की प्रत्येक गतिविधि की बारीकी से समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों एवं समितियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पूर्व अभ्यास के संबंध में कुलपति प्रो. कविता शाह ने बताया कि दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय का अत्यंत महत्वपूर्ण एवं गौरवपूर्ण आयोजन होता है। ऐसे कार्यक्रमों का प्रत्येक क्षण पूर्व निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार संचालित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यक्रम की सफलता के लिए पूर्वाभ्यास अत्यंत महत्वपूर्ण होता है और निरंतर अभ्यास से ही कार्यक्रम व्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो पाते हैं। कुलपति ने बताया कि जन भवन से भी कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए एक टीम आज विश्वविद्यालय पहुँची है। उसी टीम की उपस्थिति में दीक्षांत समारोह के सभी कार्यक्रमों का पूर्वाभ्यास एवं तैयारियों का परीक्षण किया जा रहा है, ताकि समारोह के आयोजन में किसी प्रकार की कठिनाई न आए और संपूर्ण कार्यक्रम निर्धारित समयानुसार संपन्न हो सके।

कुलपति ने यह भी बताया कि इस बार दीक्षांत समारोह के आयोजन में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया है। पूर्व वर्षों में स्वर्ण पदक एवं पीएच.डी. उपाधिधारकों के अतिरिक्त अन्य सभी विद्यार्थियों को मंच से कुलसचिव द्वारा प्रस्तुत किया जाता था, किन्तु इस वर्ष अपने-अपने संकाय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संबंधित संकायाध्यक्ष मंच से प्रस्तुत करेंगे। इससे विद्यार्थियों और संकायों की सहभागिता एवं गरिमा में और वृद्धि होगी। इस अवसर पर जनसंपर्क अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, कुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार, तीनों संकायों के संकायाध्यक्ष, परीक्षा नियंत्रक डॉ. दीनानाथ यादव, सभी विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पुष्पक एक्सप्रेस में महिला यात्री का बैग चोरी, मामला दर्ज

ललितपुर। चलती ट्रेनों में यात्रियों के सामान की चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। इसी क्रम में गोमती नगर से कल्याण जा रही 12533 पुष्पक एक्सप्रेस में सफर कर रही एक महिला यात्री का बैग चोरी हो गया। घटना ललितपुर रेलवे स्टेशन पहुंचने से पहले की बताई गई है। पीड़िता की तहरीर पर जीआरपी थाना ललितपुर में अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मुंबई (महाराष्ट्र) निवासी सैल मिश्रा पत्नी पंकज मिश्रा 29 मई 2026 को अपने बच्चों के साथ गोमती नगर से कल्याण के लिए पुष्पक एक्सप्रेस से यात्रा कर रही थीं। उनका आरक्षण कोच बी-2 की सीट संख्या 7 और 8 पर था। यात्रा के दौरान उन्होंने अपना बैंगनी रंग का बैग सीट के नीचे रख दिया था। रात में सभी यात्री सो गए। 30 मई की सुबह करीब 7 बजे, जब ट्रेन ललितपुर रेलवे स्टेशन पहुंचने वाली थी, उनकी आंख खुली तो सीट के नीचे रखा बैग गायब मिला। आसपास तलाश करने और सहयात्रियों से पूछताछ करने के बावजूद बैग का कोई पता नहीं चल सका। आशंका है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने यात्रियों के सोने का फायदा उठाकर बैग चोरी कर लिया। चोरी हुए बैग में 500 रुपये नकद, लगभग 3 हजार रुपये मूल्य के ड्राई फ्रूट्स (मेवे) तथा खाने-पीने का अन्य सामान रखा हुआ था। उन्होंने पुलिस को बताया कि बरामद होने पर वह अपने बैग और उसमें रखे सामान की पहचान कर सकती हैं। जीआरपी थाना ने बीएनएस की धारा 305(सी) में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है।

आजमगढ़ में 9.51 करोड़ से 146 किमी, लंबे दो रजवाहा की होगी पुनर्स्थापना, निचले हिस्सों में नहीं पहुंच रहा पानी

● आजमगढ़ में दो प्रमुख रजवाहों की पुनर्स्थापना शुरू होगी।

● 9.51 करोड़ रुपये से 146 किमी रजवाहों का जीर्णोद्धार होगा।

● 50 हजार से अधिक किसानों को सिंचाई का लाभ मिलेगा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आजमगढ़। जिले की दो प्रमुख रजवाह तरवा और आजमगढ़ की पुनर्स्थापना का काम इसी सप्ताह सिंचाई विभाग शुरू कराएगा। करीब 146 किमी लंबे दोनों रजवाहा में सिल्ट सफाई, बर्म कटिंग और जर्जर हो चुकीं पुलियों के मरम्मत कराई जाएगी। इस कार्य पर नौ करोड़, 51 लाख रुपये खर्च होंगे। इससे जिले के 50 हज़ार से अधिक किसानों को लाभ पहुंचेगा। किसानों को सिंचाई के लिए भरपूर पानी खेतों तक मिलेगा। लगभग 38 किमी तरवा रजवाहा के पुनर्स्थापना के कार्य पर दो करोड़, 17 लाख रुपये और 108 किमी आजमगढ़ रजवाहा पर सात करोड़, 34 लाख रुपये खर्च होंगे। इस बीच नहर पर पड़ने वाली सभी जर्जर पुलियों की मरम्मत कराई जाएगी। लंबे समय से रजवाहों में गाद जमा होने के कारण पानी का प्रवाह प्रभावित हो रहा था। जिससे निचले हिस्सों तक पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पहुंच पा रहा था और किसानों को सिंचाई में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

अब पुनर्स्थापना कार्य के तहत रजवाहों की क्षमता बढ़ाई जाएगी, जिससे पानी का प्रवाह बेहतर होगा और सिंचाई व्यवस्था में सुधार आएगा। दोनों रजवाहों में कार्य कराए जाने के लिए शासन से बजट मंजूर हो गया है। कार्य के दौरान रजवाहों की नहरों की चौड़ाई और जलधारण क्षमता को बेहतर बनाया जाएगा। रजवाहों पर स्थित सभी जर्जर पुलियों की मरम्मत भी कराई जाएगी, जिससे किसानों और ग्रामीणों का आवागमन सुरक्षित और सुगम बना रहे।

संक्षिप्त खबरें

बैसवारा एजुकेशन ट्रस्ट की महत्वपूर्ण बैठक 29 जून को

लालगंज रायबरेली। बैसवारा एजूकेशन ट्रस्ट लालगंज की बैठक 29 जून को बैसवारा इंटर कॉलेज के गोविंद हाल में आयोजित की गई है ।इस संबंध में बैसवारा एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं व्यवस्थापक देवेंद्र बहादुर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि यह बैठक पूर्वाहन 11:00 बजे से शुरू होगी जिसमें पिछली कार्यवाही की पुष्टि पर विचार, ट्रस्ट द्वारा संचालित बैसवारा महाविद्यालय के प्रबंध कार्यकारिणी के गठन पर विचार और एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित तीनों संस्थानों का आय एवं व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जाएगा और अध्यक्ष की अनुमति से अन्य बिंदुओं पर विचार विमर्श किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस बार ट्रस्ट की बैठक में मुख्य मुद्दा बैसवारा डिग्री कॉलेज की प्रबंध कार्यकारिणी के गठन को लेकर माना जा रहा है। जिसमें बैसवारा एजुकेशन ट्रस्ट के आजीवन सदस्यों /ट्रस्टी की उपस्थिति अनिवार्य है। सिंह ने सभी लोगों को बैठक में प्रति भाग करने की अपील की है।

नवविवाहिता की संदिग्ध मौत मामले में पति समेत चार गिरफ्तार, दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही टिकेगा
www.swatantraprabhat.com
ब्रेकिंग न्यूज़

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के सुहाईबाग मोहल्ले में नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पति समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मृतका शिवानी का शव बृहस्पतिवार को उसके कमरे में फांसी के फंदे से लटका मिला था। घटना के बाद मृतका के पिता ओमप्रकाश पुत्र पुत्तूलाल निवासी बरदाही मोहल्ला ने कोतवाली में तहरीर देकर बेटी के पति वरुण आर्या, सास मधुलता, ससुर विनोद कुमार और ननद चिक्की उर्फ कृष्णा पर दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चारों आरोपियों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया। शुक्रवार को पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। मामले की जांच जारी है।

रिश्तेदार महिला पर जेवर हड़पने का आरोप कोतवाली में हुआ समझौता

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के दो परिवारों ने अपनी रिश्तेदार महिला पर जेवर हड़पने का आरोप लगाया। पीड़ित परिवारों ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर जेवर वापस दिलाने की मांग की। पूरे भीखी मजरे उत्तरा गौरी गांव के बुद्धिलाल यादव तथा बहाई गांव के सुभान बेग का पुरवा निवासी राजकुमार यादव के परिवार की महिलाएं शुक्रवार को कोतवाली पहुंचीं। उन्होंने पुलिस को बताया कि करीब 10 दिन पहले उनकी रिश्तेदार महिला घर आई थी। आरोप है कि वह सोने का हार, मंगलसूत्र और बाला अपने साथ ले गई। बाद में मांगने पर जेवर वापस नहीं किए। महिलाओं ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी उन्हें खरीदारी के बहाने कस्बे ले गई और एक सुनार के यहां जेवर बेच दिए। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया कि महिला जेवर मांगकर ले गई थी। बाद में जेवर वापस मांगने पर विवाद हो गया, जिसके बाद महिलाओं ने चोरी का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि कोतवाली में दोनों पक्षों के बीच आपसी समझौता हो गया। इसलिए कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई।

मादक पदार्थों का दुरुपयोग एवं अवैध व्यापार विरोधी अन्तर्राष्ट्रीय दिवस पर राज्य स्तरीय मद्य निषेध कार्यक्रम आयोजित

● आबकारी मंत्री ने किया राज्य स्तरीय मद्य निषेध कार्यक्रम का शुभारंभ, युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर जताई गहरी चिंता

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवाओं की बड़ी जिम्मेदारी, युवा नशे से रहे दूर

नशे की आदत पूरी दुनिया के लिए बना चौलेंज और समाज के लिए है अभिशाप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ: मद्य निषेध विभाग, उ0प्र0 द्वारा चौधरी चरण सिंह सभागार सहकारिता भवन, लखनऊ में शुक्रवार को श्मादक पदार्थों का दुरुपयोग एवं अवैध व्यापार विरोधी अन्तर्राष्ट्रीय दिवसश् के अवसर पर 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की नेशनल एक्शन प्लान फार ड्रग डिमांड रिडक्शनयोजनांतर्गत नशा मुक्त भारत अभियान के तहत मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जन जागरुकता हेतु मद्य निषेध प्रदर्शनी, संगोष्ठी सहित विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि के रुप में प्रमुख सचिव समाज कल्याण अनुराग यादव उपस्थित रहे। सर्वप्रथम आबकारी मंत्री एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा मद्य निषेध प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन किया गया। तत्पश्चात मंत्री जी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को नशा से दूर रहने तथा आमजनमानस को इसके लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आबकारी मंत्री ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने 15 अगस्त, 2020 को नशा मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की थी, जिसका उद्देश्य लोगों को खासतौर से युवाओं को नशे से दूर रखना था। माननीय प्रधानमंत्री जी का संकल्प है कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। इसमें युवाओं की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला राष्ट्र है। हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है कि युवाओं को नशे की आदत से बचाए और उनकी असीम ऊर्जा का उपयोग राष्ट्र के विकास में लगाए। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार की एजेंसिया लगातार प्रयास कर रही है। युवाओं में नशा के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए स्वयं सेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों व सिविल सोसाइटी को मद्य निषेध विभाग द्वारा संचालित नशा मुक्ति अभियान में सक्रिय सहयोग कर लोगो को जागरूक करने का कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने भी प्रदेशवासियों को नशा से दूर रहने की अपील की है। आज प्रदेश 11.5 प्रतिशत की दर से विकास कर रहा और देश की जीडीपी में 9.1 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने कहा कि नशे की लत पूरी दुनिया के लिए आज एक चौलेंज बन चुका है, नशे की आदत समाज के लिए अभिशाप बन गया है। उन्होंने प्रदेश के युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिन्ता व्यक्त की और आम जनमानस के साथ युवाओं को इससे दूर रहने की अपील की। प्रमुख सचिव अनुराग यादव ने नशीले पदार्थों की बढ़ती प्रवृति पर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि आज नशा मुक्त भारत अभियान, विकसित भारत की पहचान की मुहिम को गति प्रदान करने की आवश्यकता है। केवल शासकीय प्रयासों से ही यह सम्भव नहीं होगा। इस कार्य में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण है। बलरामपुर चिकित्सालय के मानसिक रोग विशेषज्ञ डा0 पीके श्रीवास्तव ने विभिन्न मादक पदार्थों के दुरूपयोग के मनोसामाजिक कारणों पर व्यापक प्रकाश डालते हुए उससे बचने के तरीकों से अवगत कराया।

कार्यक्रम का संचालन शशांक वर्मा, द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मद्य निषेध विभाग द्वारा 19 जून को आयोजित प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को मंत्री जी व अन्य अतिथियों द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में राज्य मद्य निषेध अधिकारी श्री आर0 एल0 राजवंशी द्वारा विभाग की उपलब्धियों के साथ मद्य निषेध कार्यक्रमों तथा नशामुक्त भारत अभियान के संदर्भ में अवगत कराया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय मद्य निषेध अधिकारी लखनऊ रमेश कुमार, जिला मद्य निषेध अधिकारी श्रीमती नीतू वर्मा,विमल कुमार, बृजमोहन,श्रीकांत सिंह व संकटा प्रसाद उपस्थित रहे।

सम्पर्क सूत्र-सी0एल0सिंह

प्रयागराज में ऊर्जा एवं विकास कार्यों की समीक्षा, मंत्री ए. के. शर्मा ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

● जनता को निर्बाध बिजली और समयबद्ध विकास कार्यों में कोई समझौता नहीं

माघ मेले से पहले सभी प्रमुख परियोजनाएं हों पूर्ण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने आज प्रयागराज भ्रमण के दौरान सर्किट हाउस सभागार में ऊर्जा विभाग, नगर विकास विभाग एवं विकास प्राधिकरण के कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जनहित से जुड़े सभी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता पर समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। ऊर्जा विभाग की समीक्षा के दौरान श्री शर्मा ने प्रदेशवासियों को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि बिजली से संबंधित किसी भी समस्या अथवा शिकायत का तत्काल निस्तारण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। जनप्रतिनिधियों की मांग पर स्वीकृत अथवा निर्माणाधीन विद्युत परियोजनाओं को युद्धस्तर पर पूरा किया जाए। उन्होंने कार्यों में शिथिलता बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी। नगर विकास एवं विकास प्राधिकरण की समीक्षा में मंत्री शर्मा ने निर्देश दिए कि सभी निर्माणाधीन परियोजनाओं में तेजी लाकर उन्हें आगामी माघ मेले से पूर्व हर हाल में पूर्ण कराया जाए। उन्होंने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के कार्यों में भी गति लाने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि महाकुंभ के पूर्व शहर के जिन प्रमुख चौराहों का सौंदर्यीकरण किया गया है, उनका पुनः निरीक्षण कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित किए जाएं। वर्षाकाल को देखते हुए सभी नालों की समयबद्ध सफाई कर जलभराव की समस्या से नागरिकों को राहत दिलाई जाए। उन्होंने हनुमान मंदिर कॉरिडोर के शेष कार्यों को भी प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही मेला क्षेत्र के किनारे स्थापित स्ट्रीट लाइटों के संबंध में निर्देशित किया कि जहां उनकी आवश्यकता अभी भी बनी हुई है, वहां उन्हें हटाया न जाए, ताकि क्षेत्र में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था बनी रहे।बैठक में मंत्री ए.के. शर्मा ने दोहराया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनसुविधाओं और विकास कार्यों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा प्रत्येक परियोजना गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूरी की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

सम्पर्क सूत्र-प्रवीण मालवीय

प्रदेश में 35 स्वचालित परीक्षण स्टेशनों के माध्यम से 2.80 लाख व्यवसायिक वाहनों का फिटनेस प्रमाणन जारी - दयाशंकर सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि प्रदेश में संचालित 35 क्रियाशील स्वचालित परीक्षण स्टेशनों के माध्यम से 19 जून, 2026 तक कुल 2,80,779 व्यवसायिक वाहनों के फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि स्वचालित परीक्षण स्टेशन (एटीएस) का मुख्य उद्देश्य वाहन फिटनेस जांच प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप को न्यूनतम करते हुए मशीनों एवं सेंसर आधारित परीक्षण प्रणाली के माध्यम से पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना है। इससे वाहन मालिकों को आधुनिक तकनीक की सहायता से तेज़, सटीक एवं समयबद्ध फिटनेस प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। परिवहन राज्य मंत्री ने कहा कि एटीएस व्यवस्था सड़क सुरक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। केवल तकनीकी रूप से फिट वाहनों को ही सड़क पर संचालन की अनुमति दिए जाने से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आने के साथ-साथ प्रदूषण नियंत्रण में भी सहायता मिल रही है। उन्होंने बताया कि सभी वाहनों का परीक्षण केन्द्रीय मोटरयान नियमावली, 1989 में निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप किया जाता है, जिससे प्रत्येक वाहन की जांच समान मानकों पर सुनिश्चित होती है। सिंह ने कहा कि एटीएस प्रणाली में डिजिटल रिकॉर्डिंग, सीसीटीवी निगरानी एवं ऑटोमेटेड रिपोर्टिंग जैसी आधुनिक व्यवस्थाओं के कारण लापरवाही, पक्षपात एवं भ्रष्टाचार की संभावनाओं पर प्रभावी रोक लगी है तथा पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह बनी है। उन्होंने आगे बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा जारी राज्य नीति के अंतर्गत स्वीकृत 79 प्रारम्भिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र (पीआरसी) के सापेक्ष वर्तमान में प्रदेश के 27 जनपदों में 35 स्वचालित परीक्षण स्टेशन एएफएमएस पोर्टल पर लाइव किए जा चुके हैं। इन केंद्रों के माध्यम से परिवहन वाहनों की फिटनेस जांच पूरी तरह मशीन आधारित प्रणाली से की जा रही है।

सम्पर्क सूत्र-आशीष सिंह

आंगनबाड़ी और प्राथमिक विद्यालयों का होगा बेहतर समन्वय, को-लोकेशन और मैपिंग अभियान को मिली नई गति

● बुनियादी शिक्षा को मिलेगा नया आधार, बच्चों का स्कूल संक्रमण होगा सहज - बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह

30 जून तक मिशन मोड में पूरी होगी मैपिंग, यू-डायस व हॉट कुक्ड मील पोर्टल पर होगा डेटा अपलोड

मानकों के अनुरूप होगी मैपिंग, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व जिला कार्यक्रम अधिकारी करेंगे संयुक्त सत्यापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा को नई मजबूती देने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का प्राथमिक विद्यालयों के साथ को-लोकेशन और वैज्ञानिक मैपिंग अभियान मिशन मोड में शुरू कर दिया गया है। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में बुनियादी शिक्षा को नया आधार देने के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों और प्राथमिक विद्यालयों का समन्वय अत्यंत आवश्यक है। को-लोकेशन और मैपिंग से बच्चों को विद्यालयी शिक्षा के लिए व्यवस्थित रूप से तैयार किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं का एकीकृत लाभ सुनिश्चित होने से बुनियादी शिक्षा की गुणवत्ता और बच्चों के सीखने के परिणामों को नई मजबूती मिलेगी। बालवाटिका, निपुण भारत मिशन और बुनियादी शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगी। सरकार का लक्ष्य है कि आंगनबाड़ी से कक्षा-1 में प्रवेश करने वाले प्रत्येक बच्चे का संक्रमण सहज और व्यवस्थित हो। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के संयुक्त दिशा-निर्देशों के अन्तर्गत चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य विद्यालय पूर्व तैयारी (स्कूल रेडीनेस) को सुदृढ़ बनाना, शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं का प्रभावी एकीकरण सुनिश्चित करना तथा आंगनबाड़ी से विद्यालय तक बच्चों के सहज संक्रमण को मजबूत करना है। इस संबंध में महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी तथा निदेशक, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार हर्षिता माथुर ने संयुक्त निर्देश जारी किए हैं। अभियान के प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए सभी जिलों में मैपिंग, यू-डायस अपडेट और पोर्टल पर डेटा अपलोड की प्रक्रिया का संयुक्त सत्यापन जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा कराया जाएगा। 30 जून तक सभी आंगनबाड़ी केंद्रों और कक्षा-1 संचालित परिषदीय विद्यालयों की मैपिंग मिशन मोड में पूरी की जाएगी। संबंधित विद्यालयों का यू-डायस कोड अंकित करते हुए यू-डायस तथा हॉट कुक्ड मील पोर्टल पर आवश्यक विवरण भी अद्यतन किए जाएंगे, जिससे दोनों विभागों के आंकड़ों में एकरूपता और योजनाओं के क्रियान्वयन में समन्वय सुनिश्चित हो सके। विद्यालय परिसर में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों को को-लोकेटेड आंगनबाड़ी सेंटर के रूप में दर्ज किया जाएगा। जो केंद्र विद्यालय परिसर से बाहर हैं, उन्हें दूरी के आधार पर संबंधित प्राथमिक विद्यालय से जोड़ा जाएगा। 200 मीटर के भीतर स्थित केंद्रों की मैपिंग उसी विद्यालय से होगी, ताकि वहां तैयार होने वाला हॉट कुक्ड मील बच्चों तक समय पर पहुंच सके। जहां विद्यालय परिसर में पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं है, वहां निकटतम विद्यालय से मैपिंग की जाएगी। शहरी क्षेत्रों में 500 मीटर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 01 किलोमीटर की सीमा के भीतर स्थित विद्यालयों को प्राथमिकता दी जाएगी। सभी जिलों में मैपिंग, यू-डायस अपडेट और पोर्टल पर डेटा अपलोड की प्रक्रिया का संयुक्त सत्यापन जिला कार्यक्रम अधिकारी तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी करेंगे। इससे आंकड़ों की शुद्धता, पारदर्शिता और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा।

सम्पर्क सूत्र-धर्मवीर खरे

वंदे मातरम माँ भारती के प्रति अटूट प्रेम, त्याग और राष्ट्रभक्ति का अमर मंत्र है- मौर्य

● सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के क्षेत्र में राजर्षि शाहू जी महाराज का योगदान सदैव प्रेरणादायी रहेगा - केशव प्रसाद मौर्य

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय एवं राजर्षि छत्रपति शाहू जी महाराज की जयंती पर अर्पित किये श्रद्धासुमन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास, सात कालिदास मार्ग पर राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के अमर रचयिता, युग मनीषी श्रद्धेय बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय जी तथा सामाजिक न्याय एवं समानता के अग्रदूत राजर्षि छत्रपति शाहू जी महाराज की जयंती के अवसर पर उनके स्मृति-चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन नमन किया। उप मुख्यमंत्री मौर्य ने कहा कि राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' माँ भारती के प्रति अटूट प्रेम, बलिदान, आत्मसम्मान और राष्ट्रभक्ति का ऐसा अमर मंत्र है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान असंख्य क्रांतिकारियों और देशवासियों में नई ऊर्जा का संचार किया। श्रद्धेय बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय जी ने अपने साहित्य और कालजयी कृति 'आनंदमठ' के माध्यम से जन-जन में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय जी का राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' आज भी प्रत्येक भारतीय के हृदय में देशभक्ति और मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावना को और अधिक प्रबल करता है। उनका साहित्य एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। मौर्य ने सामाजिक न्याय के पुरोधा राजर्षि छत्रपति शाहू जी महाराज को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सम्मान, शिक्षा और समान अवसर दिलाने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। शिक्षा, सामाजिक सुधार और वंचित वर्गों के उत्थान के क्षेत्र में उनका योगदान अतुलनीय है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राजर्षि छत्रपति शाहू जी महाराज ने सामाजिक समानता और न्याय के विचारों को केवल व्यक्त ही नहीं किया, बल्कि उन्हें व्यवहार में लागू कर समाज में परिवर्तन की मजबूत नींव रखी। उनके विचार आज भी समतामूलक समाज के निर्माण के लिए प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय जी और राजर्षि छत्रपति शाहू जी महाराज जैसे महान विभूतियों का जीवन राष्ट्रसेवा, सामाजिक समरसता, शिक्षा और जनकल्याण के लिए सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा।

सम्पर्क सूत्र-बी0एल0यादव

योगी सरकार का बड़ा फैसला: टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से 149 आईओटी और स्टाफ ट्रेनिंग सेंटर में चलेंगे आधुनिक कोर्सेज

● 1065 पदों पर आउटसोर्सिंग से होगी भर्ती, जेम पोर्टल से होगा चयन - मंत्री कपिल देव अग्रवाल

ईवी मैकेनिक, रोबोटिक्स, 3 डी प्रिंटिंग, आईओटी समेत 9 आधुनिक कोर्सेज में मिलेगी ट्रेनिंग

उत्तर प्रदेश बनेगा देश का स्किल हब: कपिल देव अग्रवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ: उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने प्रदेश के युवाओं को वैश्विक स्तर पर रोजगार के नए अवसर प्रदान करने और उन्हें उन्नत तकनीकी से लैस करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'कौशल विकास से आत्मनिर्भरता' के विजन को धरातल पर उतारते हुए राज्य सरकार ने टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के सहयोग से प्रदेश के 149 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और 01 प्रादेशिक स्टाफ प्रशिक्षण एवं शोध केन्द्र, अलीगंज-लखनऊ में अत्याधुनिक कोर्सेज के संचालन को हरी झंडी दे दी है। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश की तकनीकी शिक्षा को अपग्रेड किया जा रहा है। इसी क्रम में राज्यपाल की ओर से टाटा द्वारा विकसित किए गए आधुनिक व्यवसायों के सुचारू संचालन के लिए कुल 1,065 पदों की मैनपावर को आउटसोर्सिंग के माध्यम से रखने की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इसके तहत प्रदेश भर में 171 कार्यदेशक और 894 प्रशिक्षकों की सेवाएं ली जाएंगी। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि योगी सरकार युवाओं को रोजगार देने और व्यवस्था को पारदर्शी बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इन सभी 1,065 सेवाओं को 'आउटसोर्सिंग ऑफ सर्विस' के आधार पर 'जेम पोर्टल' के माध्यम से विहित प्रक्रिया द्वारा क्रय किया जाएगा। सेवा प्रदाता एजेंसी का चयन पूरी तरह से स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रीति से कार्मिक विभाग, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम विभाग तथा श्रम विभाग के शासनादेशों के प्रावधानों और सुसंगत नियमों के आलोक में किया जाएगा। इन पदों हेतु शैक्षिक योग्यता आदि का निर्धारण प्रशिक्षण निदेशालय द्वारा तय कर शासन से अनुमोदित कराया जाएगा। यह आदेश वित्त विभाग की सहमति के बाद जारी कर दिया गया है। टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से प्रदेश के युवाओं को अब पारंपरिक कोर्सेज से इतर चौथी औद्योगिक क्रांति (इंडस्ट्री 4.0) के मांग वाले क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाएगा। इन संस्थानों में इलेक्ट्रिक व्हीकल मैकेनिक, इंडस्ट्रियल रोबोटिक्स एंड डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग तकनीशियन, एडवांस्ड सीएनसी मशीनिंग तकनीशियन, मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस कंट्रोल एंड ऑटोमेशन, इंडस्ट्रियल इंटरनेट ऑफ थिंग्स तकनीशियन, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग तकनीशियन/3डी प्रिंटिंग, सीएएम प्रोग्रामर, बेसिक डिजाइनर एंड वर्चुअल वेरिफायर-मैकेनिकल तथा आर्टिसन यूजिंग एडवांस्ड टूल जैसे 9 अत्याधुनिक कोर्सेज संचालित किए जा रहे हैं। टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से संचालित होने वाले ये कोर्सेज प्रदेश के युवाओं को वैश्विक कंपनियों की जरूरत के मुताबिक तैयार करेंगे। आईटीआई से पास होने वाले छात्रों को न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी बेहतरीन पैकेज पर रोजगार मिल सकेगा। योगी सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को देश का सबसे बड़ा 'स्किल हब' बनाना है और यह कदम उसी दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

सम्पर्क सूत्र-धर्मवीर खरे

डबल इंजन सरकार की योजनाओं से बदली पारा कला की तस्वीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली: विकास कार्यों की चर्चा जब भी महराजगंज विकास खंड की ग्राम पंचायतों में होती है तो ग्राम सभा पारा कला का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। करीब पांच हजार की आबादी और आठ मजरों वाली इस ग्राम पंचायत ने बीते पांच वर्षों में विकास की नई इबारत लिखी है। ग्राम प्रधान गीता के नेतृत्व में गांव में सड़क, नाली, पेयजल, शिक्षा, स्वच्छता और जनकल्याण से जुड़े अनेक कार्य कराए गए हैं, जिनकी सराहना ग्रामीण खुलकर कर रहे हैं। आपको बता दें कि, ग्राम पंचायत पारा कला में पारा कला, पूरे सर्वजीत, दखिनहा, पूरे मन्नू, पूरे धौकल, कूटी, पूरे बजरंगी और पूरे अर्जुनहा सहित कुल आठ गांव शामिल हैं। यहां लगभग 1950 मतदाता निवास करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि, वर्तमान कार्यकाल में गांव के विकास को नई गति मिली है और अनेक वर्षों से लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया गया। प्रधान प्रतिनिधि हरिशंकर ने बातचीत के दौरान बताया कि, उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना को आधार बनाकर कार्य किया है। उन्होंने कहा कि, ग्राम पंचायत में विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के पात्र लोगों तक पहुंचाया गया है। उन्होंने बताया कि, बीते पांच वर्षों में ग्राम पंचायत में लगभग 500 मीटर इंटरलॉकिंग सड़क, 500 मीटर खड़ंजा, 400 मीटर पक्की नालियों का निर्माण कराया गया। इसके साथ ही प्राथमिक विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का कायाकल्प, पंचायत भवन की मरम्मत, अंत्येष्टि स्थल (शवदाह गृह) का निर्माण तथा कूड़ाघर का निर्माण भी कराया गया। प्रधान प्रतिनिधि ने बताया कि, जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम पंचायत में पेयजल आपूर्ति के लिए पानी की टंकी का निर्माण कराया गया, जिससे ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। उन्होंने कहा कि, ग्राम पंचायत में निर्मित एमडीएम शेड (मिड-डे मील शेड) आज भी विकास का प्रतीक माना जाता है। इस भव्य परियोजना का उद्घाटन मंडलायुक्त रोशन जैकब एवं तत्कालीन जिलाधिकारी हर्षिता माथुर द्वारा किया गया था, जिसकी चर्चा आज भी ग्रामीण गर्व के साथ करते हैं। उन्होंने बताया कि, ग्राम पंचायत के लगभग 100 पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया गया। वहीं करीब 200 वृद्ध, विधवा एवं दिव्यांग लाभार्थियों को पेंशन योजनाओं से जोड़ा गया। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत लगभग 3000 मीटर कच्चे मार्गों एवं अन्य विकास कार्यों को पूरा कराया गया। इसके अतिरिक्त 400 व्यक्तिगत शौचालय तथा एक सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराकर स्वच्छता अभियान को मजबूती प्रदान की गई। हरिशंकर ने कहा, 'उनका उद्देश्य राजनीति नहीं, बल्कि गांव का समग्र विकास रहा है। सरकार की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचे, इसी सोच के साथ पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता से कार्य किया गया है। आगे भी ग्राम पंचायत के सर्वांगीण विकास और जनता की सेवा के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे। 'ग्रामीणों का कहना है कि, विकास कार्यों के चलते पारा कला ग्राम पंचायत आज क्षेत्र की अन्य पंचायतों के लिए प्रेरणा बनकर उभरी है। बेहतर सड़कें, सुदृढ़ जल निकासी व्यवस्था, शिक्षा संस्थानों का कायाकल्प, स्वच्छता अभियान और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन ने गांव की तस्वीर बदल दी है। यही कारण है कि, पारा कला आज महराजगंज विकास खंड की अग्

महराजगंज में सरकारी सुविधाओं से संवरी ग्रामीण महिलाओं की तकदीर

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) आज प्रदेश के गांवों में व्यापक सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का सबसे मजबूत माध्यम बन चुका है। मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने महिलाओं के आर्थिक उत्थान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्वयं सहायता समूहों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा है। इसका सीधा और सकारात्मक प्रभाव प्रदेश के विभिन्न जनपदों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। विशेष रूप से पूर्वांचल के सीमावर्ती जनपद महराजगंज ने इस दिशा में शासन की मंशानुरूप उल्लेखनीय सफलता अर्जित कर महिला सशक्तिकरण की एक नई और प्रेरक मिसाल देश-प्रदेश के सामने प्रस्तुत की है। महराजगंज में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने बैंक क्रेडिट लिंकेज और वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। एनआरएलएम के अंतर्गत जिले में 5684 स्वयं सहायता समूहों को बैंकों से जोड़कर सुगमता से ऋण उपलब्ध कराया गया है, जो कि निर्धारित लक्ष्य का 130.12 प्रतिशत है।

यह अभूतपूर्व उपलब्धि इस बात का जीवंत प्रमाण है कि प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाएं जमीनी स्तर पर अत्यंत प्रभावी ढंग से लागू हो रही हैं तथा ग्रामीण महिलाएं आर्थिक प्रगति की नई इबारत लिख रही हैं। सरकार की इन दूरदर्शी योजनाओं से आज उत्तर प्रदेश के गांवों की तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है।

प्रदेश सरकार ने स्वयं सहायता समूहों को केवल वित्तीय बचत और पारंपरिक दायरों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें स्वरोजगार, कौशल विकास, आधुनिक बैंकिंग सुविधा, सुदृढ़ विपणन और तकनीकी सहायता से जोड़कर समग्र विकास का एक अनूठा मॉडल तैयार किया है। महराजगंज जनपद में इसके क्रांतिकारी परिणाम देखने को मिल रहे हैं। समूहों को समयबद्ध तरीके से बैंक ऋण और रिवॉल्विंग फंड मिलने से महिलाओं ने अनेक नवीन व स्वरोजगार आधारित सूक्ष्म उद्योग प्रारंभ किए हैं। आज ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं केवल पारंपरिक कार्यों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे आधुनिक सिलाई-कढ़ाई, अगरबत्ती निर्माण, अचार-मुरब्बा उत्पादन, पापड़-बड़ी निर्माण, डेयरी उद्योग, उन्नत बकरी पालन, मुर्गी पालन, वैज्ञानिक पद्धति से सब्जी उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा निर्माण, हस्तशिल्प, सौंदर्य उत्पाद निर्माण और ऑर्गेनिक खेती जैसे विविधीकृत एवं तकनीकी क्षेत्रों में पूरी सक्रियता से काम कर रही हैं।

इससे न केवल उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है, बल्कि गांवों की स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी एक नई गति मिली है। इस पूरे तंत्र की सबसे बड़ी सफलता यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के नेतृत्व में छोटे-छोटे उत्पादन केंद्र स्थापित हो रहे हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं और रोजगार के लिए होने वाले पलायन में भारी कमी आई है। पूर्व में ग्रामीण महिलाएं आर्थिक संसाधनों की भारी कमी, बैंकिंग प्रणाली की जानकारी के अभाव और सामाजिक संकोच के कारण आगे नहीं बढ़ पाती थीं। परंतु आज प्रदेश सरकार की लोक-कल्याणकारी योजनाओं और जिला प्रशासन के सक्रिय सहयोग से वही महिलाएं संगठित होकर समूह बना रही हैं, बैंकों से संस्थागत ऋण ले रही हैं, बड़े पैमाने पर व्यवसाय चला रही हैं और समाज की अन्य महिलाओं को भी स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

सरकार द्वारा संचालित 'लखपति दीदी' अभियान ने ग्रामीण महिलाओं के आत्मविश्वास को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। महराजगंज जनपद में अब तक 50,179 महिलाएं विभिन्न रोजगारपरक गतिविधियों से जुड़कर 'लखपति दीदी' बनने का गौरव प्राप्त कर चुकी हैं, जिनकी वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक हो चुकी है। यह आंकड़ा ग्रामीण समाज में महिलाओं की बढ़ती आर्थिक भागीदारी और उनकी मजबूत होती स्थिति का प्रत्यक्ष संकेत है। जनपद के मिठौरा विकासखंड में सर्वाधिक 6644 महिलाएं लखपति दीदी बनी हैं, जबकि फरेंदा विकासखंड में 6375 महिलाएं इस गौरवशाली श्रेणी में पहुंच चुकी हैं। ये प्रगतिशील आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि यदि शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन सही दिशा में हो और प्रशासन का निरंतर सहयोग मिले, तो ग्रामीण महिलाएं हर क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित कर सकती हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार ने महिला समूहों को आधुनिक कृषि और पशुपालन से जोड़ने पर भी विशेष बल दिया है। इसी क्रम में महराजगंज में 548 कृषि सखियों और पशु सखियों का एक विशेष कार्यबल तैयार किया गया है। ये प्रशिक्षित महिलाएं गांव-गांव जाकर समूहों से जुड़ी अन्य दीदियों को उन्नत खेती, जैविक कृषि, दुग्ध उत्पादन, पशु स्वास्थ्य प्रबंधन और आय बढ़ाने के आधुनिक वैज्ञानिक उपाय सिखा रही हैं।

इस अभिनव पहल से महिलाओं को वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने, कृषि लागत घटाने और कुल उत्पादन बढ़ाने में अभूतपूर्व मदद मिल रही है, जिससे कृषि क्षेत्र में महिलाओं की सक्रियता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार मजबूत हुआ है। इसके साथ ही, महिला समूहों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की निर्बाध बिक्री सुनिश्चित करना भी प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी उद्देश्य से शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जनपद में 'शी मार्ट' और 'प्रेरणा कैंटीन' जैसे विशिष्ट प्लेटफॉर्म विकसित किए गए हैं जो समूहों के उत्पादों को एक स्थायी बाजार उपलब्ध करा रहे हैं। इन मंचों के माध्यम से समूहों द्वारा निर्मित खाद्य पदार्थ, उत्कृष्ट हस्तशिल्प और घरेलू उपयोग की वस्तुएं स्थानीय स्तर पर अपनी एक नई पहचान बना रही हैं। तकनीक के इस दौर में महिला उद्यमिता को नई उड़ान देने के लिए ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म का भी सहारा लिया जा रहा है, जिससे कई समूह ऑनलाइन ऑर्डर लेकर सीधे देश भर के ग्राहकों तक अपने उत्पाद पहुंचा रहे हैं। डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण के जरिए महिलाएं मोबाइल ऐप और ऑनलाइन मार्केटिंग के गुर सीख रही हैं, जिससे बिचौलियों पर निर्भरता पूरी तरह समाप्त हो गई है।

स्वयं सहायता समूह मॉडल की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक सफलता यह है कि ग्रामीण महिलाएं अब स्थानीय साहूकारों के चंगुल और उनके शोषण से पूरी तरह मुक्त हो चुकी हैं। पहले छोटी-मोटी पारिवारिक जरूरतों के लिए भी उन्हें ऊंचे ब्याज पर साहूकारों से कर्ज लेना पड़ता था, जिससे ग्रामीण परिवार कर्ज के दलदल में फंस जाते थे। अब समूहों के माध्यम से महिलाएं नियमित बचत कर रही हैं, स्वयं बैंक खातों का संचालन कर रही हैं और जरूरत पड़ने पर बेहद सस्ती दरों पर संस्थागत ऋण प्राप्त कर रही हैं। इस बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ाव ने महिलाओं में अद्भुत वित्तीय अनुशासन, निर्णय क्षमता और सामाजिक प्रतिष्ठा को जन्म दिया है। ऋण वापसी का उनका शत-प्रतिशत बेहतर रिकॉर्ड यह दर्शाता है कि ग्रामीण महिलाएं अपनी आर्थिक जिम्मेदारियों को कितनी गंभीरता से निभा रही हैं।

महराजगंज की इस अनुकरणीय सफलता में शासन की नीतियों और जिला प्रशासन के कुशल समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रशासन ने समूहों को बैंक लिंकेज, प्रशिक्षण, विपणन सुविधा और नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से धरातल पर सशक्त किया है। प्रशासन और विभिन्न वित्तीय संस्थाओं के आपसी तालमेल से समूहों को समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराई गई, जिससे महराजगंज ने लक्ष्य से अधिक क्रेडिट लिंकिंग कर प्रदेश में शीर्ष स्थान बनाया। शासकीय व प्रशासनिक आयोजनों में भी समूहों के उत्पादों को वरीयता दी जा रही है, जिससे उनके स्वाभिमान को नया बल मिला है। राज्य सरकार की 'मिशन शक्ति' पहल ने ग्रामीण महिलाओं में सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की भावना को और अधिक प्रगाढ़ किया है। आर्थिक रूप से सक्षम होने के साथ-साथ अब ये महिलाएं सामाजिक निर्णयों, पंचायत बैठकों और विकास कार्यों की निगरानी में भी अग्रणी भूमिका निभा रही हैं, जिससे लैंगिक समानता की दिशा में एक बेहद सकारात्मक संदेश गया है।

बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण के स्तर में भी व्यापक सुधार देखा जा रहा है। कई समूहों ने तो अपने विशिष्ट ब्रांड नाम से उत्पाद बाजार में उतारे हैं, जो अपनी उत्कृष्ट पैकेजिंग और गुणवत्ता के कारण ग्राहकों को खूब आकर्षित कर रहे हैं।

सरकार का संकल्प है कि आने वाले समय में प्रदेश की हर ग्राम पंचायत में कम से कम एक सशक्त और आत्मनिर्भर महिला उद्यमी नेटवर्क पूरी तरह सक्रिय हो। प्रशिक्षण, वित्तीय सहयोग और विपणन की व्यवस्था को लगातार और सुदृढ़ किया जा रहा है। महराजगंज की यह स्वर्णिम सफलता इस बात का उद्घोष है कि जब देश की आधी आबादी को समान अवसर, आधुनिक सुविधाएं और सम्मान मिलता है, तो वे परिवार, समाज और अर्थव्यवस्था तीनों की दशा और दिशा बदल देती हैं। स्वयं सहायता समूहों का यह बढ़ता कारवां 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' की संकल्पना को धरातल पर साकार करते हुए आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की एक बेहद मजबूत नींव रख रहा है।

जनपद महराजगंज

राम मंदिर चढ़ावा चोरी- आस्था पर लगा दाग और सवालों के घेरे में सिस्टम

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी ने सिर्फ पैसे की हेराफेरी का मामला नहीं है, ये करोड़ों लोगों की आस्था पर सीधा हमला है। 25 जून 2026 को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने 8 लोगों के खिलाफ पहली FIR दर्ज कराई है। सभी आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। बहुत बड़ी विडंबना है कि जो मंदिर करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र है इन चोरों ने उसे भी नहीं छोड़ा। राम मंदिर आंदोलन के बाद से अब तक पूरे देश के हिंदुओं की आस्था इस मंदिर से जुड़ी हुई है। लेकिन FIR के बाद भी सवाल खत्म नहीं हुए। बल्कि नए सवाल खड़े हो गए हैं। क्या हुआ था?

सीसीटीवी में साफ दिखा कि मंदिर के दानपात्रों से निकली नकदी की गिनती करने वाले कर्मचारी ही चोरी कर रहे थे। आरोपियों में रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव, लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा, अविनाश शुक्ला, मनीष यादव, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष चंद्र श्रीवास्तव और करुणेश पांडे शामिल हैं। इनमें से छह कैशियर हैं। सुभाष श्रीवास्तव काउंटिंग इंचार्ज था। टिन्नू यादव का काम कैश की गिनती सुपरवाइज़ करके बैंक तक ले जाना था। यानी जिन पर भरोसा था, वही बेईमान निकले। एसआईटी की जांच में खुलासा हुआ कि 14,500 रुपए महीने की नौकरी करने वाले कर्मचारियों ने 5 साल में करोड़ों की संपत्ति बना ली। एक ने डेढ़ करोड़ की जमीन खरीदी, दूसरे ने 40 लाख का प्लॉट लिया। शुरुआती अनुमान 200 करोड़ के घोटाले का है। एफआईआर दर्ज हुई, पर देर से क्यों? ट्रस्ट ने चोरी की जांच के लिए 13 जून को एसआईटी बनवाई। 25 जून को एफआईआर हुई। यानी 12 दिन लग गए। मीडिया की रिपोर्ट बताती है कि इससे पहले भी दो कर्मचारियों को गुपचुप तरीके से पकड़ा गया था। बिना एफआईआर के ही रिकवरी की जा रही थी। पुलिस ट्रस्ट के साथ मिलकर पूछताछ कर रही थी।

सवाल ये है: जब चोरी का शक था तो तुरंत पुलिस को क्यों नहीं बताया गया? क्या ट्रस्ट पहले अपने स्तर पर मामला दबाना चाहता था? बड़े नाम गायब क्यों हैं? एफआईआर में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का नाम नहीं है। लेकिन उनका ड्राइवर टिन्नू यादव आरोपी है। विपक्ष का आरोप है कि छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई करके बड़े लोगों को बचाया जा रहा है। बीएनएस की धारा 306, 316(5), 317(4), 317(5) और 61 के तहत केस दर्ज हुआ है। इनमें उम्रकैद तक की सजा है। अगर टिन्नू यादव चोरी कर रहा था तो क्या चंपत राय को पता नहीं चला? या उन्होंने आंखें बंद कर लीं? एसआईटी की दूसरी रिपोर्ट आने तक ये सवाल बना रहेगा। सिस्टम में खामी कहां थी? मंदिर के चढ़ावे की गिनती तीन स्तर पर होती हैः 24 प्राइवेट कर्मचारी नोट गिनते हैं। 12 ट्रस्ट कर्मचारी निगरानी करते हैं। 14 SBI और TCS के ऑडिटर होते हैं। इतनी लेयर के बावजूद चोरी हो गई। जांच में सामने आया कि एक पदाधिकारी ने कैमरे लगाने का विरोध किया था। यानी सिस्टम में पारदर्शिता की कमी थी। CCTV थे, पर निगरानी नहीं थी। ऑडिट था, पर भरोसा अंधा था। आगे क्या होना चाहिए? पहला, एसआईटी की जांच सिर्फ 8 आरोपियों तक सीमित न रहे। पूरी चेन की जांच हो। किसके इशारे पर चोरी हुई, पैसा कहां गया, ये साफ होना चाहिए। CM योगी ने कहा है कि 'दूध का दूध, पानी का पानी' होगा। जनता यही उम्मीद कर रही है।

दूसरा, ट्रस्ट को अपनी वित्तीय व्यवस्था सार्वजनिक करनी होगी। हर महीने कितना चढ़ावा आया, कहां खर्च हुआ, इसका डिजिटल डिस्प्ले मंदिर परिसर में लगे। तिरुपति बालाजी मंदिर की तरह रियल टाइम अपडेट सिस्टम बने। तीसरा, कैश हैंडलिंग खत्म हो। क्यूआर कोड, ऑनलाइन पेमेंट को बढ़ावा दिया जाए। जितना कैश कम होगा, चोरी की गुंजाइश उतनी कम होगी। चौथा, ट्रस्ट में सरकारी प्रतिनिधि बढ़ाए जाएं। अभी सिर्फ एक आईएएस अधिकारी है। CAG से सालाना ऑडिट अनिवार्य हो। राम मंदिर सिर्फ ईंट-पत्थर की इमारत नहीं है।

ये 500 साल के संघर्ष के बाद मिली आस्था की जीत है। 22 जनवरी 2024 को प्राण प्रतिष्ठा के दिन जो भाव देश ने देखा, वो अनमोल है। अगर चंद लोग उस आस्था को कैश कराने लगेंगे तो मंदिर का मतलब खत्म हो जाएगा। FIR पहली कार्रवाई है, आखिरी नहीं। असली इम्तहान अब शुरू हुआ है - क्या ट्रस्ट दोषियों को सजा दिला पाएगा, चाहे वो कितना भी बड़ा हो? क्या व्यवस्था बदलेगी ताकि फिर कोई टिन्नू यादव, लवकुश मिश्रा आस्था का सौदा न कर सके? जनता देख रही है। राम देख रहे हैं। लोग तरह तरह के सवाल उठा रहे हैं और लोगों के सवाल तब ही शांत होंगे जब इस पूरे मामले पय ठीक ढंग से पर्दा उठेगा। फिलहाल उम्मीद है कि जांच सही दिशा में हो रही है।

सनातन संस्कार और संस्कृति को आहत करती राम मंदिर में दान संबंधी कथित अनियमितताएँ

भारत की सनातन संस्कृति केवल पूजा-पद्धति तक सीमित नहीं है, बल्कि सत्य, ईमानदारी, त्याग, सेवा, उत्तरदायित्व और लोककल्याण जैसे उच्च मानवीय मूल्यों पर आधारित जीवन-दर्शन है। इसी कारण सनातन परंपरा के मंदिर और आश्रम सदैव केवल आस्था के केंद्र नहीं रहे, बल्कि समाज में नैतिकता, शिक्षा, सेवा और सांस्कृतिक चेतना के प्रेरणास्रोत भी रहे हैं। ऐसे में यदि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र अयोध्या के श्रीराम मंदिर से जुड़े दान अथवा वित्तीय प्रबंधन में अनियमितताओं के आरोप सामने आते हैं, तो यह केवल प्रशासनिक या कानूनी विषय नहीं रह जाता, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं और सनातन संस्कृति की प्रतिष्ठा से भी जुड़ जाता है। वस्तुतः किसी भी धार्मिक संस्था पर वित्तीय अनियमितता का आरोप उसके अनुयायियों को स्वाभाविक रूप से व्यथित करता है।

अयोध्या का श्रीराम मंदिर सदियों के संघर्ष, असंख्य बलिदानों और करोड़ों श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का प्रतीक है। यह केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक अस्मिता, मर्यादा, न्याय और आत्मसम्मान का भी प्रतीक माना जाता है। इसलिए जब मंदिर में प्राप्त दान, चढ़ावे अथवा अन्य संसाधनों के प्रबंधन में गड़बड़ी, भ्रष्टाचार या गबन जैसी आशंकाएँ व्यक्त होती हैं, तो समाज में चिंता उत्पन्न होना स्वाभाविक है। सनातन परंपरा में दान को अत्यंत पवित्र माना गया है। शास्त्रों के अनुसार श्रद्धापूर्वक दिया गया दान धर्म, पुण्य और लोककल्याण का साधन बनता है। जब कोई श्रद्धालु मंदिर में दान करता है, तो वह किसी व्यक्ति को नहीं, बल्कि ईश्वर को समर्पित करता है। उसकी स्वाभाविक अपेक्षा होती है कि उस धन का उपयोग मंदिर के संरक्षण, व्यवस्था, धार्मिक गतिविधियों, सेवा कार्यों और समाज हित में पूर्ण ईमानदारी एवं पारदर्शिता के साथ किया जाएगा। इसलिए यदि उसके दुरुपयोग की आशंका भी उत्पन्न होती है, तो वह केवल आर्थिक अनियमितता नहीं, बल्कि श्रद्धा पर भी आघात होती है।

ऐसी घटनाओं का एक गंभीर दुष्परिणाम यह भी होता है कि समाज का एक वर्ग धार्मिक संस्थाओं की पारदर्शिता पर प्रश्न उठाने लगता है। दूसरी ओर, सनातन परंपरा के विरोधी तत्व कुछ व्यक्तियों की संभावित गलतियों को आधार बनाकर पूरे हिंदू समाज, उसकी धार्मिक संस्थाओं और सांस्कृतिक परंपरा को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास करते हैं। यह दृष्टिकोण न केवल अनुचित है, बल्कि सामाजिक विश्वास को भी कमजोर करता है।

यह समझना आवश्यक है कि किसी संस्था में यदि कुछ व्यक्ति भ्रष्ट आचरण करते हैं, तो उसका दोष पूरे धर्म, संस्कृति या करोड़ों श्रद्धालुओं पर नहीं थोपा जा सकता। जिस प्रकार किसी अस्पताल में भ्रष्टाचार होने से चिकित्सा विज्ञान दोषी नहीं हो जाता, उसी प्रकार किसी मंदिर में कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगने से सनातन धर्म या उसकी संस्कृति दोषी नहीं हो जाती। उत्तरदायित्व केवल उन व्यक्तियों का होता है जिन्होंने अनियमितता की है। अतः निष्पक्ष जांच के आधार पर दोषियों की शीघ्र पहचान कर उन्हें कठोर दंड दिया जाना चाहिए। धार्मिक संस्थाओं में जनता का विश्वास तभी बना रहेगा जब कानून के समक्ष किसी व्यक्ति का पद, प्रतिष्ठा, प्रभाव, जाति या राजनीतिक संबंध कोई संरक्षण न बन सके। वास्तव में सनातन संस्कृति स्वयं भ्रष्टाचार, छल और बेईमानी का विरोध करती है। भगवान श्रीराम का संपूर्ण जीवन सत्य, मर्यादा, न्याय और उत्तरदायित्व का आदर्श है। यदि कोई व्यक्ति श्रीराम के नाम पर प्राप्त दान का दुरुपयोग करता है, तो वह केवल कानून का ही नहीं, बल्कि श्रीराम के आदर्शों का भी उल्लंघन करता है। इसलिए निष्पक्ष जांच, पूर्ण पारदर्शिता और दोषियों पर कठोर कार्रवाई ही वास्तविक धार्मिक एवं नैतिक कर्तव्य है।

आज आवश्यकता इस बात की भी है कि सभी धार्मिक संस्थाएँ आधुनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली अपनाएँ। डिजिटल लेखा-जोखा, नियमित स्वतंत्र ऑडिट, सीसीटीवी निगरानी, ऑनलाइन दान प्रणाली, सार्वजनिक आय-व्यय विवरण तथा उत्तरदायी प्रशासनिक व्यवस्था जैसी व्यवस्थाएँ न केवल पारदर्शिता बढ़ाएँगी, बल्कि श्रद्धालुओं के विश्वास को भी और अधिक सुदृढ़ करेंगी। धर्म की रक्षा केवल पूजा-अर्चना से नहीं, बल्कि ईमानदार और जवाबदेह व्यवस्थाओं से भी होती है। अंततः मंदिरों की पवित्रता केवल उनके भव्य भवनों या स्थापत्य में नहीं, बल्कि उनके संचालन की नैतिकता और पारदर्शिता में निहित होती है। यदि कहीं किसी प्रकार की वित्तीय अनियमितता के आरोप सामने आते हैं, तो उनकी निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच होनी चाहिए और दोष सिद्ध होने पर कठोर दंड दिया जाना चाहिए। साथ ही यह भी उतना ही आवश्यक है कि कुछ व्यक्तियों के कथित कृत्यों के आधार पर संपूर्ण सनातन संस्कृति, भगवान श्रीराम की मर्यादा अथवा करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को कटघरे में न खड़ा किया जाए। सत्य, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और न्याय–यही वे आधार हैं जिन पर मंदिरों की गरिमा और सनातन संस्कृति की प्रतिष्ठा सदैव अक्षुण्ण रह सकती है।

प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश

पत्नी-बच्चों संग तिरुपति पहुंचे नानी, भगवान वेंकटेश्वर का लिया आशीर्वाद

साउथ सुपरस्टार नानी अपनी आने वाली फिल्म 'द पैराडाइज' की रिलीज से पहले परिवार संग तिरुपति मंदिर दर्शन करने पहुंचे, जहां उनकी सादगी की जमकर तारीफ हो रही है। फिल्म की रिलीज डेट 26 मार्च 2026 से बदलकर अब 21 अगस्त 2026 कर दी गई है।

साउथ के नेचुरल स्टार नानी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'द पैराडाइज' को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। कुछ दिनों पहले फिल्म से उनका दमदार लुक सामने आया था, जिसे फैन्स ने खूब पसंद किया। अब नानी का एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपने परिवार के साथ भगवान के दर्शन करते नजर आ रहे हैं।

परिवार के साथ श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दरबार में दिखे नानी

नानी अपनी फिल्म की रिलीज से पहले तिरुपति के मशहूर श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर पहुंचे। न्यूज़ एजेंसी आईएएनएस द्वारा शेयर किए गए वीडियो में नानी बिल्कुल सिंपल और ट्रेडिशनल कपड़ों में बेहद शांत अंदाज में मंदिर परिसर में चलते हुए दिखाई दिए। उन्होंने अपने परिवार के साथ भगवान के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। सोशल मीडिया पर यह वीडियो आते ही फैन्स उन पर खूब प्यार बरसा रहे हैं और उनकी सादगी की तारीफ कर रहे हैं।

बदल गई 'द पैराडाइज' की रिलीज डेट

नानी की इस तिरुपति यात्रा को उनकी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'द पैराडाइज' से जोड़कर देखा जा रहा है। फिल्म को लेकर फैन्स के बीच पहले से ही काफी क्रेज है। हालांकि, मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव किया है। यह फिल्म पहले 26 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में आने वाली थी, लेकिन अब यह फिल्म 21 अगस्त 2026 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।

फिल्म की तगड़ी स्टार कास्ट

'द पैराडाइज' एक बड़े स्केल की फिल्म होने वाली है, जिसमें नानी के साथ-साथ इंडस्ट्री के कई शानदार एक्टर्स स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। फिल्म की स्टार कास्ट में सोनाली कुलकर्णी, राघव जुयाल, कायादु लोहार, मोहन बाबू और ईश्वरी राव जैसे नाम शामिल हैं।

दैनिक राशिफल

मेष कल का दिन उत्साह और ऊर्जा से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं। परिवार के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें।

वृषभ धन संबंधी मामलों में लाभ के संकेत हैं। पुराने निवेश से फायदा मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मिथुन कल आपकी वाणी और बुद्धिमत्ता आपको सफलता दिलाएगी। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा है। किसी मित्र से महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

कर्क भावनात्मक रूप से संतुलित रहने की आवश्यकता है। पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखें। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

सिंह भाग्य का साथ मिलेगा। रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। व्यापार में लाभ होगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे।

कन्या कार्यस्थल पर मेहनत का पूरा फल मिलेगा। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

तुला कल का दिन शुभ रहेगा। प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी। नौकरी और व्यवसाय में प्रगति के अवसर मिलेंगे। यात्रा का योग बन सकता है।

वृश्चिक धैर्य और संयम से काम लें। किसी पुराने विवाद का समाधान निकल सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार का सहयोग मिलेगा।

धनु नए संपर्क लाभदायक सिद्ध होंगे। व्यापार में विस्तार की योजनाएं सफल हो सकती हैं। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के संकेत हैं।

मकर करियर में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों से प्रशंसा मिलेगी। निवेश के लिए समय अनुकूल है।

कुंभ भाग्यवृद्धि का दिन है। धार्मिक या सामाजिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। विदेश से जुड़े कार्यों में सफलता मिलने के योग हैं।

मीन सावधानीपूर्वक निर्णय लें। अनावश्यक विवादों से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आर्थिक मामलों में जल्दबाजी न करें।

आपातकाल का काला सच लोकतंत्र पर सबसे बड़ा प्रहार और कांग्रेस की ऐतिहासिक जिम्मेदारी

भारत का लोकतांत्रिक इतिहास अनेक गौरवशाली उपलब्धियों से भरा हुआ है, लेकिन इसी इतिहास में एक ऐसा अध्याय भी दर्ज है जिसे देश आज भी पीड़ा और चिंता के साथ याद करता है। 25 जून 1975 को लागू किया गया आपातकाल भारतीय लोकतंत्र पर ऐसा प्रहार था जिसने संविधान की मूल भावना, नागरिकों के मौलिक अधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को गहरे संकट में डाल दिया। यह वह समय था जब सत्ता को सर्वोपरि मानते हुए लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया गया, विपक्ष की आवाज दबाई गई, प्रेस पर सेंसरशिप लागू कर दी गई और हजारों राजनीतिक नेताओं, पत्रकारों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेलों में डाल दिया गया। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे भारत के इतिहास के सबसे अंधकारमय अध्यायों में से एक बताया और उन सभी लोगों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष किया।

आपातकाल केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं था बल्कि यह लोकतंत्र की आत्मा पर सीधा हमला था। संविधान नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, व्यक्तिगत आजादी और न्याय पाने का अधिकार देता है, लेकिन उस दौर में इन अधिकारों को लगभग समाप्त कर दिया गया। सरकार के विरोध में बोलना अपराध जैसा बन गया था। अखबारों को प्रकाशित होने से पहले सरकारी सेंसर की अनुमति लेनी पड़ती थी। समाचारों को रोका जाता था और सरकार के खिलाफ लिखने वाले पत्रकारों को प्रताड़ित किया जाता था। लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहे जाने वाले मीडिया की स्वतंत्रता लगभग समाप्त हो गई थी। आपातकाल के दौरान न्यायपालिका पर भी दबाव बनाने के प्रयास हुए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्यायपालिका को स्वतंत्र माना जाता है, लेकिन उस समय कई ऐसे घटनाक्रम सामने आए जिनसे यह संदेश गया कि सरकार न्यायपालिका पर अपना प्रभाव स्थापित करना चाहती है। लोकतंत्र में सत्ता के तीनों स्तंभों के बीच संतुलन आवश्यक होता है, लेकिन आपातकाल के दौरान यह संतुलन गंभीर रूप से प्रभावित हुआ। यही कारण है कि आज भी संवैधानिक विशेषज्ञ उस दौर को भारतीय लोकतंत्र की सबसे कठिन परीक्षा मानते हैं।

आपातकाल का सबसे विवादास्पद और अमानवीय पक्ष जबरन नसबंदी अभियान था। परिवार नियोजन के नाम पर लाखों लोगों को उनकी इच्छा के विरुद्ध नसबंदी के लिए मजबूर किया गया। गरीबों, मजदूरों और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों पर सबसे अधिक दबाव डाला गया। सरकारी कर्मचारियों को लक्ष्य दिए गए और कई स्थानों पर लोगों को पकड़कर शिविरों में ले जाया गया। अनेक परिवार इस अभियान से प्रभावित हुए और कई लोगों की जान तक चली गई। यह केवल एक प्रशासनिक अभियान नहीं था बल्कि नागरिक अधिकारों के उल्लंघन का ऐसा उदाहरण था जिसने पूरे देश को झकझोर दिया। आज भी आपातकाल की चर्चा होती है तो जबरन नसबंदी का विषय सबसे पहले सामने आता है। इसी प्रकार हजारों विपक्षी नेताओं और लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं को बिना मुकदमे के जेलों में बंद कर दिया गया। अनेक ऐसे लोग थे जिनका अपराध केवल इतना था कि वे सरकार की नीतियों का विरोध कर रहे थे। लोकतंत्र में असहमति को स्थान मिलता है, लेकिन आपातकाल में असहमति को अपराध बना दिया गया। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र के लिए अत्यंत चिंताजनक मानी जाती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संदेश में कहा कि आपातकाल ने उन अनगिनत नागरिकों के साहस को भी सामने लाया जिन्होंने चुप रहने के बजाय लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष किया। वास्तव में भारत के लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत यही रही कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद अनेक लोगों ने लोकतांत्रिक मूल्यों से समझौता नहीं किया। जेलों में बंद रहने वाले नेताओं, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का संघर्ष भारतीय लोकतंत्र की अमूल्य विरासत बन गया।

सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि जिस कांग्रेस के शासनकाल में यह सब हुआ, क्या वह इस इतिहास को स्वीकार करने का साहस दिखाती है। कांग्रेस आज भी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व और उनके योगदान का उल्लेख करती है, लेकिन क्या वह आपातकाल के उस काले अध्याय को भी उतनी ही स्पष्टता से स्वीकार करती है जिसने लोकतंत्र को गहरी चोट पहुंचाई थी। इतिहास केवल उपलब्धियों से नहीं बनता, बल्कि गलतियों को स्वीक

संक्षिप्त खबरें

अकीदत और सौहार्द के साथ मनाया गया मोहर्रम का पर्व

रतनपुर/महराजगंज। नौतनवा ब्लाक के ग्रामीण क्षेत्रों में शुक्रवार को मोहर्रम का पर्व पारंपरिक अकीदत, शांति और आपसी सौहार्द के साथ बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों से गमगीन माहौल में भव्य ताजिया जुलूस निकाले गए। इस दौरान ढोल-नगाड़ों की गूंज से पूरा इलाका गुंजायमान हो उठा और अकीदतमंदों ने कर्बला के शहीदों की याद में या हुसैन के गगनभेदी नारे लगाए। सुरक्षा के लिहाज से स्थानीय पुलिस चप्पे-चप्पे पर मुस्तैद रही। पुलिस की देखरेख में गांवों से निकले ताजिया जुलूस शांतिपूर्वक क्षेत्र के नौडिहवा, पड़ौली, निपनिया, पेड़ारी, पिपरवास, बकुलादह, जारा, महरी, नारायनपुर, हनुमानगढिया, भगवानपुर और शिवपूरी आदि स्थित कर्बला मैदानों में पहुंचे, जहां नम आंखों से ताजियों को दफनाया गया। इसके बाद कर्बला परिसरों में लगे पारंपरिक मेलों में हिंदू-मुस्लिम दोनों समुदायों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए जमकर आनंद लिया। इस दौरान क्षेत्र की गंगा-जमुनी तहजीब और कौमी एकता की एक अनूठी मिसाल पेश की।

राहगीरों को नींबू पानी और शर्बत पिलाकर पेश की सामाजिक सौहार्द की मिसाल

रतनपुर/महराजगंज। नौतनवां ब्लाक क्षेत्र के ग्राम पंचायत चकदह टोला आजाद नगर चौराहे पर मुस्लिम समुदाय के समाजसेवियों द्वारा मोहर्रम पर्व के अवसर पर एक सराहनीय पहल की गई। शुक्रवार को भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप को देखते हुए स्थानीय मुस्लिम समाज के लोगों ने राहगीरों के लिए ठंडे नींबू पानी और शर्बत के स्टॉल लगाए। इस दौरान वहां से गुजरने वाले हर राहगीर को शर्बत पिलाकर उनकी प्यास बुझाई। इस तपती धूप में राहत पाकर राहगीरों के चेहरे खिल उठे। चिलचिलाती धूप में प्यासे लोगों को पानी और शर्बत पिलाकर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने न सिर्फ आपसी भाईचारे को मजबूत किया बल्कि समाज में सांप्रदायिक एकता और सामाजिक सौहार्द की एक अनूठी मिसाल भी पेश की है। इस दौरान अख्तर हुसैन, कादिर अली, मोहम्मद शरफराज, अब्दुल कयूम, पीर मोहम्मद, रियाज सहित अन्य मौजूद रहे।

आजमगढ़ समेत पूर्वांचल के कई जिलों में मौसम विभाग का अलर्ट, तेज आंधी-बारिश और आकाशीय बिजली की चेतावनी

आजमगढ़। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ द्वारा जारी चेतावनी के अनुसार पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में मौसम अचानक करवट ले सकता है। यह चेतावनी 25 जून 2026 को दोपहर 3:42 बजे जारी की गई है, जो इसके कुछ घंटों तक प्रभावी रहेगी। मौसम विभाग के अनुसार जौनपुर, गाजीपुर, प्रतापगढ़, अमेठी, आजमगढ़, सुल्तानपुर और सोनभद्र जिलों के कुछ हिस्सों में मेघगर्जन, आकाशीय बिजली, 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं तथा झोंकों के साथ 70 किलोमीटर प्रति घंटा तक की आंधी चलने की संभावना है।

ठेला संचालक ने उपनिरीक्षक पर लगाया मारपीट का आरोप के, उपनिरीक्षक ने कहा नाली में गिरने से लगी चोट.....

● आरोप-प्रत्यारोप का मामला पहुंचा प्रशासन तक, दोनों पक्षों ने दी तहरीर....

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार गोरखपुर: गोलाउपनगर के पक्का घाट क्षेत्र में सड़क किनारे ठेला लगाने को लेकर ठेला संचालक और पुलिस के बीच हुए विवाद ने नया मोड़ ले लिया है। एक ओर जहां ठेला संचालक पिंटू जैसवाल ने हल्का एस आई पर मारपीट और धमकी देने का आरोप लगाते हुए क्षेत्राधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है, वहीं दूसरी ओर उपनिरीक्षक ने भी ठेला संचालक के खिलाफ उपजिलाधिकारी को रिपोर्ट भेजकर शांति व्यवस्था बनाए रखने की मांग किया है।

प्राप्त विवरण के अनुसार पिंटू जैसवाल पुत्र स्वर्गीय शिवहरी प्रसाद निवासी वार्ड संख्या 17 पक्का घाट ने आरोप लगाया है कि गुरुवार सुबह करीब 7:30 बजे वह अपनी भूमि पर चाट-फुल्की का ठेला लगाए हुए थे। इसी दौरान उपनिरीक्षक राकेश कुमार सिंह एवं दो अन्य पुलिसकर्मी पहुंचे और ठेला हटाने को कहा। पिंटू का आरोप है कि ठेला हटाने की बात कहने के बावजूद उनके साथ लाठी से मारपीट की गई, जिससे उनके सिर में चोट लग गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बाद में मामले को दबाने का प्रयास किया गया तथा उनकी शिकायत पर थाने में सुनवाई नहीं हुई। वहीं उपनिरीक्षक द्वारा उपजिलाधिकारी को भेजी गई रिपोर्ट में कहा गया है कि वह पुलिस बल के साथ पक्का घाट स्थित एकादशी मेले की ड्यूटी पर थे। इस दौरान सूचना मिली कि सड़क पर एक चाट का ठेला लगाए जाने से आवागमन बाधित हो रहा है और विवाद की स्थिति बन रही है। रिपोर्ट के अनुसार पुलिसकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर यातायात सुचारु कराने और सड़क से अतिक्रमण हटाने का प्रयास किया, लेकिन ठेला संचालक ने कथित रूप से पुलिस कार्रवाई का विरोध किया तथा अन्य लोगों से विवाद करने लगा। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि ठेला हटाने के दौरान व्यक्ति स्वयं नाली के पास गिर गया, जिससे उसके सिर में चोट लग गई। पुलिस का कहना है कि किसी अप्रिय घटना की आशंका और शांति व्यवस्था बनाए रखने

के उद्देश्य से पिंटू जैसवाल को बीएनएसएस की धारा 126, 135 एवं 170 के तहत निरुद्ध कर चालान किया गया। साथ ही बताया गया कि चोट लगने पर उसका प्राथमिक उपचार भी कराया गया।

बताते चले कि गोला उपनगर में ठेला लगाने वालों की पूरी तरह मनमानी चलती है। चौराहों, सड़को की पटरियों पर खुले आम ठेला लगा कर सामान बेचते है। जिससे सड़क मार्ग बाधित हो जाता है। कभी कभी तो सड़क मार्ग से गुजरने वाले से भी तकरार हो जाता है।पुलिस प्रशासन अगर सड़क को खाली कराने का प्रयास करते है तो उनसे भी उलझते नजर आते है। इन ठेला वालों से आम पब्लिक के साथ स्थानीय प्रशासन भी पूरी तरह परेशान नजर आ रहा है।

राजर्षि शाहूजी महाराज के सामाजिक न्याय के विचार आज भी प्रासंगिक: व्यास

देवरिया। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर शुक्रवार को राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती पर संगोष्ठी आयोजित की गई। अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने की, जबकि संचालन जिला सचिव पंकज वर्मा ने किया। व्यास यादव ने कहा कि शाहूजी महाराज सामाजिक न्याय, समानता और आरक्षण व्यवस्था के प्रणेता थे। उन्होंने अपने शासनकाल में शिक्षा, पिछड़े, दलित और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए। जातिगत भेदभाव, छुआछूत और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ उनका संघर्ष आज भी प्रेरणादायी है। कार्यक्रम में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शाहूजी महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर हृदयनारायण जायसवाल, रणवीर यादव, एन.पी. यादव, पंकज वर्मा, मनोज यादव, रामनाथ चौहान, पिंटू पासवान, डॉ. रामअवध यादव समेत बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विधानसभा के माथे के बदनुमा दाग बस स्टेशन के जीर्णोद्धार पर नहीं बोले सीएम

● सपा व कांग्रेस पर हमले तक सिमटा भाषण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रूद्रपुर, देवरिया। रूद्रपुर व बरहज विधानसभा के मिलन स्थल पर बरांव में चुनावी रिहर्सल और 456 करोड़ की विकास योजनाओं के शिलान्यास व लोकार्पण कार्यक्रम को जनता के बीच रखने आए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने भाषण में ज्यादा देर तक सपा व कांग्रेस को कोसने का कार्य किया। बरांव में आयोजित इस कार्यक्रम से रुद्रपुर की जनता को बस स्टेशन के जीर्णोद्धार की काफी उम्मीद थी किंतु रुद्रपुर विधानसभा के माथे पर लगे बदनुमा दाग रूपी जर्जर बस स्टेशन के कायाकल्प पर मुख्यमंत्री ने एक शब्द नहीं बोला। हालांकि क्षेत्रीय विधायक जयप्रकाश निषाद ने अपने संबोधन में जरूर बस स्टेशन का नाम लिया। उन्होंने कहा कि यदि बस स्टेशन पर कोर्ट से स्टे नहीं होता तो अब तक निर्माण हो रहा होता।सच्चाई क्या है यह दीगर विषय है।

मुख्यमंत्री का आगमन पूर्व चुनावी हलचल जैसा लगा। भाजपा चाहती है की 2027 के चुनाव से पहले पूर्वांचल की सभी विधानसभा सीटों में अपनी धमक जाहिर कर दें।मुख्यमंत्री ने अपने लगभग 35 मिनट के संबोधन में आधा समय सरकार का गुणगान किया और लगभग आधा समय सपा व कांग्रेस की जमकर आलोचना की। सबसे अधिक समय सपा के विरोध पर दिया गया। मोहर्रम के त्यौहार को लेकर एक समुदाय को निशान भी बनाया गया जिस पर लोगों की तालियां बजीं। विधानसभा के विकास से संबंधित ज्ञापन देने जा रहे समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं को भभौली चौराहे के पास ही जबरन रोक दिया गया। जिससे साबित हुआ कि भाजपा सरकार विपक्ष को फेस नहीं करना चाहती।

बरांव में नपं अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से मिलकर सौंपा विकास का मांगपत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रूद्रपुर, देवरिया। नगर पंचायत रुद्रपुर की अध्यक्ष सुधा निगम व उनके प्रतिनिधि वरिष्ठ भाजपा नेता क्षेत्रीय उपाध्यक्ष गोरखपुर छट्ठेलाल निगम ने नगर पंचायत के विकास हेतु विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बरांव में मुलाकात की। उन्होंने योगी जी को गणेश प्रतिमा और नगर की प्रतीकात्मक चाभी भेंट की। मुख्यमंत्री बरांव चौराहे पर 456 करोड़ की विकास योजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण कार्यक्रम में आये थे। उन्होंने बथुआ रिवर फ्रंट के सुंदरीकरण हेतुजल शुद्धिकरण प्लांट लगाने, गोर्रा नदी के भुसउल पर लगे फाटक को खोलने, नगर पंचायत की सीमा के अंतर्गत आने वाले प्रमुख मार्गो के चौड़ीकरण एवं डिवाइडर लगाने, दुग्धेश्वर नाथ मंदिर के सुंदरीकरण तथा कॉरिडोर बनाने व नगर पंचायत के आसपास स्थित राजस्व गांव को शामिल कर सीमा विस्तार करने व नगर पालिका का दर्जा दिलाने की पुरजोर मांग रखी।

मांग पत्र में बताया गया कि भुसावल के पास फाटक लगाकर गोरा नदी के जल को रोक दिया गया है। जिससे बथुआ व मझने नदी में जल प्रवाह कम है यदि उसे खोल दिया जाए तो दोनों नदियों में जल प्रवाह होगा और नदियां भी स्वच्छ बनी रहेगी। अध्यक्ष ने बताया कि नगर का नल का पानी बथुआ नदी में गिरता है जिससे नदी प्रदूषित हो जाती है और छठ के अवसर पर महिलाओं को दिक्कत होती है। वहां जल शुद्धिकरण प्लांट लगाने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त नदी में डैम बनाकर बोटिंग की व्यवस्था भी हो सकती है जो पर्यटन के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण होगा।

आजमगढ़ में अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का एक सदस्य गिरफ्तार, चोरी की फार्च्यूनर कार बरामद

आजमगढ़। तहबरपुर थाना पुलिस ने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर चेकिंग के दौरान अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की फार्च्यूनर कार बरामद किया है। पकड़ा गया आरोपित दिल्ली से लग्जरी वाहनों को चोरी करके फर्जी नंबर प्लेट लगाकर मणिपुर तक पहुंचाने का काम करता था। उसके खिलाफ दिल्ली के विभिन्न थानों में भी वाहन चोरी के दो मुकदमे दर्ज हैं। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) चिराग जैन ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार की सुबह तहबरपुर पुलिस मुहर्रम के मद्देनजर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सरदहा अंडरपास के पास एक्सप्रेस-वे के किलोमीटर 226.3 पर रेस्ट लेन में एक संदिग्ध फार्च्यूनर खड़ी मिली। पुलिस के पहुंचते ही चालक भागने लगा, लेकिन पुलिस टीम ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान तोइजम नटराज सिंह (37 वर्ष) निवासी इंफाल ईस्ट, मणिपुर बताया। जांच में पता चला कि वाहन पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी, और वह दिल्ली से चोरी की गई थी।

किसान के बेटे ने बढ़ाया गोंडा का गौरव, अग्निवीर जीडी में चयनित होकर देश सेवा के लिए नागपुर रवाना

● माता-पिता ने तिलक लगाकर दी विदाई, 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारों से गूंज उठा गांव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो गोण्डा। विकासखंड रुपईडीह अंतर्गत ग्राम पंचायत भवानीपुर उपाध्याय के मजरा छिछुली निवासी किसान परिवार के होनहार पुत्र शशांक शुक्ला का भारतीय सेना की अग्निवीर (जीडी) भर्ती में चयन होने से पूरे क्षेत्र में हर्ष और गौरव का माहौल है। शशांक 1 जुलाई 2026 से नागपुर प्रशिक्षण केंद्र में सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। देश सेवा के लिए रवाना होने से पूर्व गांव में उनका भव्य सम्मान किया गया। माता-पिता ने तिलक लगाकर, आरती उतारकर और आशीर्वाद देकर उन्हें विदा किया। इस दौरान पूरा गांव देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया।

शशांक शुक्ला ने कहा कि बचपन से ही उनका एकमात्र सपना भारतीय सेना में भर्ती होकर मातृभूमि की सेवा करना था। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा करना उनके लिए गर्व, सम्मान और सौभाग्य की बात है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों तथा ग्रामीणों के स्नेह और आशीर्वाद को दिया।

शशांक के पिता जग प्रसाद शुक्ला एक मेहनती किसान हैं, जिन्होंने खेती-किसानी करते हुए अपने पुत्र को बेहतर शिक्षा दिलाई और हर कदम पर उसका मनोबल बढ़ाया। उनकी माता मेनका शुक्ला गृहिणी हैं और परिवार का कुशलतापूर्वक संचालन करती हैं। माता-पिता के संस्कार, अनुशासन और त्याग ने ही शशांक के व्यक्तित्व को मजबूत बनाया।

शशांक ने अपनी हाईस्कूल की शिक्षा बाबू बच्चा सिंह स्मारक इंटर कॉलेज, देवरिया कला भटपुरवा से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने श्री गाँधी आदर्श विद्यालय इंटर कॉलेज, खरगूपुर से इंटरमीडिएट प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ?1.80 लाख की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की गई। आगे उन्होंने नवीन चंद स्मारक महाविद्यालय, इटियाथोक से स्नातक की शिक्षा पूरी की।

शशांक का परिवार लंबे समय से राष्ट्र सेवा की भावना से जुड़ा रहा है। उनके बड़े पिताजी बजरंगी शुक्ला उत्तर प्रदेश होमगार्ड में सेवारत हैं। वहीं उनके चाचा बाबूराम शुक्ला भी उत्तर प्रदेश होमगार्ड में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके छोटे भाई हिमांशु शुक्ला भी राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में प्रवेश के लिए तैयारी कर रहे हैं। देश सेवा के लिए रवाना होने से पहले गांव में भावनात्मक माहौल देखने को मिला। सैकड़ों ग्रामीणों ने शशांक को फूल-मालाएं पहनाकर सम्मानित किया तथा 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' और 'जय हिंद' के नारों के बीच उनका उत्साहवर्धन किया। ग्रामीणों ने विश्वास जताया कि शशांक अपने अनुशासन, समर्पण और परिश्रम से गांव, जनपद और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

इस अवसर पर अमरनाथ तिवारी, प्रबल प्रताप, शशिभूषण, बृजभूषण तिवारी, हिमांशु, शुभांशु, संचित राम तिवारी, दीपक, दीपांशु, प्रयाग दत्त शुक्ला, मुक्तिनाथ शुक्ला, शिवम शुक्ला सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने शशांक को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल सैन्य जीवन की कामना की। ग्रामीणों ने कहा कि किसान परिवार से निकलकर सेना में चयनित होना यह संदेश देता है कि कठिन परिश्रम, दृढ़ इच्छाशक्ति और माता-पिता के संस्कार किसी भी युवा को सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं। शशांक शुक्ला की यह उपलब्धि पूरे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और उनमें भी देश सेवा का जज्बा मजबूत करेगी।

मिशन शक्ति अभियान के तहत गोरखपुर पुलिस ने महिलाओं-बालिकाओं को किया जागरूक

● कानूनी अधिकारों, सरकारी योजनाओं और हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी, सुरक्षा का दिलाया भरोसा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को लेकर चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति फेज-5.0' (फेज-2) के विशेष अभियान के तहत शुक्रवार को जनपद गोरखपुर के सभी थाना क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस अधीक्षक अपराध एवं मिशन शक्ति के नोडल अधिकारी के पर्यवेक्षण में मिशन शक्ति टीम, पीआरवी तथा थाना पुलिस ने स्कूलों, कॉलेजों, सार्वजनिक स्थलों और ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

अभियान के दौरान घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण अधिनियम, पॉक्सो एक्ट, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, बाल श्रम कानून तथा महिलाओं की गरिमा के विरुद्ध होने वाले अपराधों से संबंधित कानूनी प्रावधानों के बारे में विस्तार से जागरूक किया गया।

इसके साथ ही महिलाओं और बच्चों की सहायता के लिए संचालित विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं–1090 (वीमेन पावर लाइन), 112 (आपातकालीन पुलिस सेवा), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 181 (वन स्टॉप सेंटर), 1930 (साइबर हेल्पलाइन), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 102 व 108 (स्वास्थ्य एवं एंबुलेंस सेवा) सहित स्थानीय महिला हेल्प डेस्क, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और अन्य सहायता मंचों की जानकारी भी दी गई। पुलिसकर्मियों ने पंपलेट वितरित कर महिलाओं और बालिकाओं से किसी भी प्रकार की समस्या या उत्पीड़न की स्थिति में बिना संकोच पुलिस से संपर्क करने की अपील की। गोरखपुर पुलिस ने अभियान के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं में सुरक्षा, आत्मविश्वास और कानून के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया।

पूर्वांचल को मिली सौगात CM योगी आदित्यनाथ ने किया एस्ट्रोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन

● पूर्वांचल को मिली अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की सौगात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। पूर्वांचल की स्वास्थ्य व्यवस्था को नई मजबूती देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गोरखपुर में एस्ट्रोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का भव्य उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं आमजन तक पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है तथा निजी क्षेत्र की भागीदारी से स्वास्थ्य सेवाओं का और अधिक विस्तार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों, विशेषज्ञ चिकित्सकों और सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं से सुसज्जित यह अस्पताल न केवल गोरखपुर, बल्कि पूरे पूर्वांचल के मरीजों के लिए वरदान साबित होगा। इससे गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए मरीजों को महानगरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा और समय पर बेहतर उपचार

उपलब्ध हो सकेगा।

अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि यहां विभिन्न सुपर स्पेशियलिटी विभागों के साथ आधुनिक डायग्नोस्टिक सुविधाएं, आपातकालीन सेवाएं और उन्नत चिकित्सा तकनीक उपलब्ध कराई गई हैं। अस्पताल के शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर मिलने का रास्ता खुल गया है। उद्घाटन समारोह में जनप्रतिनिधियों, चिकित्सकों, प्रशासनिक अधिकारियों और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। मुख्यमंत्री ने अस्पताल प्रबंधन को शुभकामनाएं देते हुए इसे पूर्वांचल की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

आजमगढ़ में मिट्टी खनन में मिली सोने की हसुली का आपस में बंटवारा, विवाद होने पर सामने आई कारस्तानी

बरदह (आजमगढ़)। स्थानीय थाना क्षेत्र के कोदहरा गांव के सिवान में मिट्टी खनन के दौरान कथित रूप से सोने की हसुली मिलने का मामला सामने आया है। हसुली मिलने के बाद उसे आपस में बांटने और अन्य लोगों को हिस्सा न मिलने पर विवाद बढ़ गया, जिसके बाद मामला थाने पहुंच गया। इस बाबत सूचना मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक सुनार समेत पांच लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा हसुली बरामद किए जाने की भी चर्चा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। जानकारी के अनुसार, करीब पांच दिन पहले कोदहरा गांव के सिवान में मिट्टी खनन का कार्य चल रहा था। इसी दौरान जमीन से गले में पहनी जाने वाली एक सोने की काफी वजनी हसुली मिली। मौके पर मौजूद लोगों ने पहले इसकी जांच कराई, जिसमें उसके सोने का होने की बात सामने आई। इसके बाद ट्रैक्टर चलाना सीख रहे अमित बिंद पुत्र आत्मा बिंद निवासी बरौना पट्टी और ट्रैक्टर चालक लालचंद गौतम निवासी कोदहरा ने कथित रूप से हसुली को अपने कब्जे में लेकर आपस में बांटने का फैसला कर लिया।

नौतनवा तहसील में बड़ा फर्जीवाड़ा, तहसील अधिकारियों की भूमिका संदेहास्पद, पंजीकृत बैनामे पर अपंजीकृत बैनामा पड़ा भारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नौतनवा, महाराजगंज। तहसील नौतनवा में राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। 13 वर्ष पुराने पंजीकृत बैनामे को दरकिनार कर अपंजीकृत इकरारनामे के आधार पर खतौनी में नाम चढ़ाने के मामले में द्रतहसील के अधिकारियों की भूमिका संदेहास्पदद्ध मानी जा रही है। बार एसोसिएशन नौतनवा के उपाध्यक्ष एवं अधिवक्ता सुधीर कुमार शुक्ला ने उपजिलाधिकारी न्यायालय के एकपक्षीय आदेश दिनांक 15/10/2025 को अवैध बताते हुए उसे निरस्त करने की मांग की है।

क्या है पूरा मामला मामला वाद संख्या 16411/2025 द्ररामजनम बनाम तहसीलदारद्ध से जुड़ा है। ग्राम चण्डीधान, परगना बिनायकपुर की गाटा संख्या 33मि व 254मि, कुल 2.32 हेक्टेयर भूमि का है। अधिवक्ता सुधीर शुक्ला के अनुसार, उक्त भूमि मूल रूप से स्व0 रामलाल की संक्रमणीय भूमिधरी थी। रामलाल की मृत्यु के बाद उनकी विधवा पत्नी प्यारी देवी के नाम खतौनी दर्ज हुई। प्यारी देवी ने यह भूमि शिवलाल को पंजीकृत विक्रय विलेख द्वारा बेच दी। बाद में शिवलाल ने वर्ष 2012 में पंजीकृत बैनामे से यह भूमि सुधीर शुक्ला को बेच दी। तहसीलदार के विधिवत आदेश से वर्ष 2012 से ही खतौनी 1425-1430 फ0 के खाता संख्या 00099 में सुधीर शुक्ला का नाम संक्रमणीय भूमिधर के रूप में दर्ज है। शुक्ला का दावा है कि वे 13 वर्षों से मौके पर काबिज हैं व खेती कर रहे हैं।

तहसील व चकबंदी विभाग की संदिग्ध भूमिका

शुक्ला का आरोप है कि चकबंदी अधिकारी, नौतनवा ने रामजनम के पक्ष में एक द्वकथित अपंजीकृत बैनामे/सादे इकरारनामेद्ध के आधार पर मूल खातेदार रामलाल के स्थान पर रामजनम का नाम दर्ज कर दिया, जबकि कानूनन ऐसे दस्तावेज से स्वामित्व नहीं मिलता। इसके बाद तहसीलदार की आख्या दिनांक 29.05.2025 पर ही वर्तमान वाद योजित हुआ। विशेष बात यह है कि तहसील प्रशासन ने एक तरफ 13 साल पुराने पंजीकृत बैनामे और तहसीलदार के नामांतरण आदेश को नजरअंदाज कर दिया, वहीं दूसरी तरफ एक अपंजीकृत इकरारनामे के आधार पर चकबंदी अधिकारी की कार्रवाई पर आंख मूंदकर आख्या लगा दी। बिना मूल पक्षकार को नोटिस दिए एकपक्षीय आदेश पारित होना तहसील स्तर के अधिकारियों की भूमिका को संदेह के घेरे में लाता है।

बिना सुनवाई पारित हुआ एकपक्षीय आदेश

सुधीर शुक्ला के अनुसार, उन्हें इस वाद की कोई नोटिस नहीं मिली। दिनांक को खतौनी निकलवाने पर पता चला कि स्ष्ठरू कोर्ट ने 15/10/2025 को एकपक्षीय आदेश पारित कर खाता संख्या 00099 से रामलाल का नाम निरस्त कर रामजनम का नाम दर्ज करने का आदेश दे दिया। इसे प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत_ _Audi Alteram Partem_ का खुला उल्लंघन बताया जा रहा है।

कानून के विपरीत कार्रवाई

भारतीय पंजीकरण अधिनियम 1908 की धारा 17द्ध व द्धसंपत्ति अंतरण अधिनियम 1882 की धारा 54द्ध साफ कहती है कि 100 रुपये से अधिक की संपत्ति का अंतरण बिना पंजीकृत विलेख के नहीं हो सकता। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने सुरज लैम्प एंड

इंडस्ट्रीज बनाम स्टेट ऑफ हरियाणा 2012द्ध में भी स्पष्ट किया है कि GPA, सादा बैनामा या वसीयत से टाइटल ट्रांसफर नहीं होता। ऐसे में तहसील व चकबंदी अधिकारियों द्वारा अपंजीकृत दस्तावेज को तरजीह देना कई सवाल खड़े करता है।

कोर्ट से की गई मांग

अधिवक्ता ने कोर्ट से प्रार्थी सुधीर शुक्ला को वाद में पक्षकार बनाने, एकपक्षीय आदेश दिनांक 15/10/2025 को निरस्त करने, खतौनी में प्रार्थी का नाम यथावत कायम रखने, वाद के निस्तारण तक आदेश के अमल पर रोक लगाने व तहसीलदार से बैनामा श्रृंखला द्धप्यारी देवी ? शिवलाल ? सुधीर शुक्लाद्ध व 13 वर्ष के कब्जे की जांच कराकर नई आख्या मंगाने की मांग की गई है।

स्कूल और छात्रावास के निकट कैसे संचालित होता है गैस गोदाम? बड़ा सवाल

● क्या प्रशासन लखनऊ की तरह नौतनवा में बच्चों के साथ बड़ा घटना की प्रतीक्षा कर रहा है?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नौतनवा, महाराजगंज। बाईपास पर संचालित मॉडर्न एकेडमी स्कूल और राजीव गांधी फार्मेसी कॉलेज के छात्रावास के बच्चों की जान सीधे खतरे में है। वजह है छात्रावास की दीवार से सटा पूर्व मंत्री और आपराधिक मामले में फरार घोषित अमरमणि त्रिपाठी का गैस गोदाम। पूर्व जिला पंचायत सदस्य नरसिंह पाण्डेय ने उप जिलाधिकारी नौतनवा को शिकायती पत्र सौंपकर इस गैस गोदाम को तुरंत बंद कराने की मांग की है। पाण्डेय ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो लखनऊ कोचिंग अग्निकांड जैसी बड़ी घटना दोहराई जा सकती है, जहाँ 15 छात्रों की मौत हुई थी।

छात्रावास से सटा बारूद का ढेर

शिकायत के मुताबिक, बाईपास पर मॉडर्न एकेडमी और राजीव गांधी फार्मेसी कॉलेज एक ही कैंपस में चलते हैं। सड़क पार कॉलेज का तीन मंजिला छात्रावास है। इसी छात्रावास की बगल में अमरमणि त्रिपाठी का गैस गोदाम धड़ल्ले से चल रहा है। सैकड़ों सिलेंडर का स्टॉक और दिनभर गाड़ियों की आवाजाही के बीच छात्र दहशत में हैं।

नियमों की उड़ी धज्जियां

पेट्रोलियम नियमों के तहत स्कूल, कॉलेज, अस्पताल या घनी आबादी से तय दूरी पर ही गैस गोदाम की अनुमति दी जाती है। सवाल यह है कि छात्रावास की दीवार से सटे गोदाम को लाइसेंस कैसे मिला? 'एक चिंगारी पूरे हॉस्टल को लील सकती है। क्या प्रशासन 15-20 बच्चों की लाशें गिनने का इंतजार कर रहा है?' पाण्डेय ने आक्रामक लहजे में पूछा।एसडीएम से तीन मांगें गैस

गोदाम की वैधता और सुरक्षा मानकों की तुरंत जांच हो। जांच पूरी होने तक गोदाम का संचालन फौरन बंद किया जाए। स्कूल-कॉलेज के पास भविष्य में ऐसे खतरनाक गोदामों को लाइसेंस न दिया जाए।

अभिभावकों में आक्रोश, प्रशासन पर सवाल

मामला सामने आने के बाद अभिभावकों में भारी गुस्सा है। लोगों का आरोप है कि रसूख के दम पर बच्चों की जिंदगी दांव पर लगाई जा रही है। अब सबकी निगाहें एसडीएम नौतनवा पर टिकी हैं कि वे नियमों के मुताबिक कार्रवाई करते हैं या रसूख के आगे झुकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

एसबीआई के नए शाखा प्रबंधक बने सुमित कौशल

बरेली/रिठौरा। भारतीय स्टेट बैंक शाखा रिठौरा में सुमित कौशल को नया शाखा प्रबंधक नियुक्त किया गया है। उन्होंने कार्यभार संभालते हुए कामकाज शुरू कर दिया है। इससे पहले यहां तैनात रहे शाखा प्रबंधक अश्वनी कुमार वर्मा का स्थानांतरण कानपुर के लिए हो गया है। कार्यभार संभालने के बाद नए शाखा प्रबंधक सुमित कौशल ने बताया कि उनकी पहली प्राथमिकता शाखा में आने वाले हर ग्राहक को बेहतर, सुगम और त्वरित बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही सरकार की जनहितैषी बैंकिंग योजनाओं और दिशा-निर्देशों का पूरी निष्ठा से पालन सुनिश्चित कराया जाएगा।

विद्युत उपखंड रिठौरा में जेई नीरज कुमार ने संभाला चार्ज

दूसरी ओर, रिठौरा विद्युत उपखंड में भी फेरबदल हुआ है। यहां तैनात रहे जूनियर इंजीनियर (जेई) अजय का स्थानांतरण अलीगंज कर दिया गया है। उनके स्थान पर नए जेई नीरज कुमार ने रिठौरा का चार्ज संभाल लिया है। चार्ज संभालने के बाद जेई नीरज कुमार ने अपनी प्राथमिकताएं बताते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को रोस्टर के अनुरूप बेहतर और निर्बाध बिजली सप्लाई देना उनकी मुख्य प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि क्षेत्र में बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ सघन अभियान चलाया जाएगा और सरकार की राजस्व नीतियों का कड़ाई से पालन कराया जाएगा।

प्रभारी अग्निशमन के मार्गदर्शन में अग्नि सुरक्षा ड्रिल का आयोजन

लखीमपुर खीरी: मुख्य अग्निशमन अधिकारी अक्षय रंजन शर्मा के मार्गदर्शन में प्रभारी अग्निशमन केंद्र लखीमपुर प्रदीप कुमार द्वारा पुलिस लाइन खीरी के बहुमंजिला भवन की पांचवीं मंजिल पर अग्नि सुरक्षा ड्रिल का आयोजन किया गया। ड्रिल के दौरान आग में फंसे एक व्यक्ति को स्ट्रेचर के माध्यम से सुरक्षित नीचे उतारकर एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया। इस दौरान मौजूद पुलिसकर्मियों एवं कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति में बचाव कार्य, सुरक्षित निकासी और आपातकालीन उपायों की जानकारी देकर जागरूक किया गया। पुलिस लाइन खीरी में आयोजित अग्नि सुरक्षा ड्रिल में रेस्क्यू ऑपरेशन का सफल प्रदर्शन, आपदा प्रबंधन को लेकर कर्मियों को किया गया जागरूक।

कस्तूरीपुर चौराहे पर पेयजल व्यवस्था नहीं, राहगीर और दुकानदार परेशान

कस्तूरीपुर। भीषण गर्मी के बीच कस्तूरीपुर बाजार चौराहे पर पेयजल की कोई व्यवस्था न होने से राहगीरों और स्थानीय दुकानदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि चौराहे पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन रहता है, लेकिन पीने के पानी के लिए कोई प्याऊ या हैंडपंप उपलब्ध नहीं है। कस्तूरीपुर चौराहा जौनपुर और भदोही जनपद के दर्जनों गांवों को जोडने वाला प्रमुख मार्ग है। उत्तर दिशा से आलमगंज, गोपीपुर, चौगुना, कड़ोर, मनीगंज सहित कई गांवों तथा दक्षिण दिशा से ज्ञानपुर, पाली, कशियापुर और आसपास के क्षेत्रों के लोग इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं। इसके अलावा बाजार में दर्जनों दुकानें होने के बावजूद पेयजल की सुविधा न होने से लोगों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि हाईवे निर्माण से पहले चौराहे पर एक हैंडपंप लगा था, जिसे निर्माण कार्य के दौरान उखाड़ दिया गया था। उस समय दोबारा हैंडपंप लगाने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन आज तक यह वादा पूरा नहीं हुआ। इससे राहगीरों के साथ-साथ दुकानदारों को भी दूर से पानी लाकर अपनी जरूरतें पूरी करनी पड़ रही हैं। बृजलाल यादव, अभयराज यादव, अजय यादव, अशोक मोदनवाल, रामनरेश यादव, ओमप्रकाश यादव, संतोष मोदनवाल, गणेश मोदनवाल, कन्हैया यादव और दिनेश गौतम सहित अन्य ग्रामीणों ने जिलाधिकारी का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित करते हुए कस्तूरीपुर चौराहे पर स्थायी पेयजल व्यवस्था एवं प्याऊ स्थापित कराने की मांग की है।

जब लक्ष्मी जी मेहरबान तो क्या करें चौकी प्रभारी कुकुरा

● संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज होने के दो प्रभारी बाद भी नामजद आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर रहे चौकी प्रभारी कुकुरा आरोप

गर्भवती महिला से मारपीट और गर्भपात का आरोप एफ आई आर दर्ज गिरफ्तारी नही

पुलिस क्षेत्राधिकारी गोला से शपथ पत्र के साथ शिकायत कर कुकुरा चौकी इनचार्ज पर लगाए गंभीर आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बांकेगंज/लखीमपुर- खीरी मैलानी थाना क्षेत्र की कुकरा चौकी से जुड़े गर्भवती महिला के साथ कथित मारपीट और गर्भस्थ शिशु की मौत के मामले में कार्रवाई को लेकर पीड़ित पक्ष ने पुलिस प्रशासन के समक्ष गंभीर सवाल खड़े किए हैं।बताते चलें कि 25 जून को पीड़िता के पिता जय नारायण क्षेत्राधिकारी कार्यालय गोला पहुंचे और सीओ महक शर्मा को शपथपत्र सौंपकर मामले में प्रभावी कार्रवाई की मांग की। शिकायतकर्ता का आरोप है कि गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद करीब दो माह बाद भी किसी भी नामजद आरोपी की गिरफ्तारी नहीं की गई है। चौकी इनचार्ज जानबूझकर मामले की लीपापोती करने की फ़िराक़ में लगे दिखाई पड़ रहे हैं।पीडिता द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, थाना मैलानी में 29 अप्रैल 2026 को मुकदमा दर्ज किया गया था। मुकदमे में अमरजीत, लक्ष्मी और मंजीत को नामजद किया गया है। एफआईआर के अनुसार, घटना 26 अप्रैल 2026 की है, जिसमें गर्भवती महिला के साथ मारपीट किए जाने का आरोप लगाया गया था।पीड़िता के पिता जय नारायण, निवासी ग्राम चहलवा मंगलपुरवा, थाना सुजौली, जनपद बहराइच ने अपने शपथपत्र में आरोप लगाया है कि उनकी पुत्री प्रतिभा भारती घटना के समय लगभग पांच माह की गर्भवती थी। आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा की गई मारपीट के बाद उसकी हालत गंभीर हो गई और उपचार के दौरान गर्भस्थ शिशु की मौत हो गई। उन्होंने दावा किया कि मामले से संबंधित मेडिकल रिपोर्ट, अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट, टीकाकरण कार्ड सहित अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज उपलब्ध हैं और उन्हें पुलिस को उपलब्ध कराया जा चुका है।पीड़ित पक्ष का कहना है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद उन्हें उम्मीद थी कि पुलिस आरोपियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करेगी, लेकिन करीब दो माह बीत जाने के बाद भी कोई गिरफ्तारी नहीं हो सकी। इसी वजह से परिवार को उच्चाधिकारियों तक पहुंचकर अपनी बात रखनी पड़ी।

चौकी पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी उठे सवाल

पीड़ित पक्ष ने अपने शपथपत्र में यह भी आरोप लगाया है कि मामले की पैरवी के दौरान उन्हें लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ा। परिवार का कहना है कि कई बार शिकायत और उपलब्ध साक्ष्यों की जानकारी देने के बावजूद चौकी प्रभारी कुकुरा अवलीश पवार द्वारा कोई कार्रवाई नहीं कीगई। इसी कारण पीड़ित पक्ष ने कुकरा चौकी प्रभारी अवलीश पंवार की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि मामले में चौकी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से विवेचना और गिरफ्तारी की प्रक्रिया अपेक्षित गति नहीं पकड़ सकी।पीड़िता का कहना है कि जब मुकदमा दर्ज है, मेडिकल दस्तावेज उपलब्ध हैं और जांच भी चल रही है, तो फिर कार्रवाई की रफ्तार इतनी धीमी क्यों है। चर्चा यह भी है कि आखिर ऐसी कौन सी परिस्थितियां हैं, जिनके चलते अब तक नामजद आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस कदम सामने नहीं आया। कहीं विपक्षी की तरफ मिले भारी भरकम नजराने के चलते मामले को लंबा किए जाने का खेल खेला जा रहा है।

सीओ महक शर्मा ने लिया तत्काल संज्ञान

शिकायत मिलते ही सीओ महक शर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल थाना मैलानी पुलिस से रिपोर्ट तलब कर ली। सूत्रों के अनुसार, सीओ ने पूरे प्रकरण की अद्यतन स्थिति, विवेचना की प्रगति और अब तक की गई कार्रवाई का विवरण मांगा है। साथ ही निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। **वर्जन -** थाना प्रभारी मैलानी बृजेश मौर्य ने बताया, 'क्षेत्राधिकारी महोदया का फोन आया था। मामले की रिपोर्ट मांगी गई है। जांच की स्थिति की समीक्षा की जा रही है। जांच पूरी होने और तथ्यों के परीक्षण के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। '

चौकी प्रभारी बोले- रिपोर्ट विभाग को भेजी जा चुकी

वहीं, कुकरा चौकी प्रभारी अवलीश पंवार ने बताया, 'मामले की जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट तैयार कर चिकित्सा विभाग को भेज दी गई है। रिपोर्ट में तथ्य प्राप्त होने और उच्चाधिकारियों के निर्देश के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। 'हालांकि सीओ कार्यालय तक मामला पहुंचने के बाद पुलिस महकमे में हलचल जरूर बढ़ी है। पीड़ित परिवार को उम्मीद है कि उच्चाधिकारी के हस्तक्षेप के बाद मामले में लंबित कार्रवाई आगे बढ़ेगी। यदि इस गंभीर मामले का पुलिस अधीक्षक कराए स्वयं जाँच तो भारी लापरवाही और बड़े भ्रस्टाचार का. मामला खुलकर आएगा सामने और काफी समय से कुकुरा चौकी पर जमे अवलीश पवार के कारनामों का होगा पर्दाफाश। सूत्र से मिली जानकारी के अनुसार यह इनका पहला मामला नहीं है इससे पहले करीब 6 माह पूर्व पीडिता उषा देवी का मुकदमा दर्ज किया गया था।जिसमें भी गिरफ्तारी की धारा होने के बाद भी आज तक गिरफ्तारी नहीं की गई और न ही अभी तक चार्ज शीट ही दाखिल किए जाने के आरोप पीडिता उषा देवी द्वारा लगाये गये हैं।

गोविंद डेयरी दुकान पर जबरन कब्जे और तोड़फोड़ का प्रयास

● एसपी, सीओ व प्रभारी निरीक्षक कोतवाली से शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी:-कोतवाली सदर क्षेत्र के मेला मैदान रोड स्थित 'गोविंद डेयरी एवं स्वीट्स' दुकान और गोदाम पर जबरन घुसकर मारपीट, तोड़फोड़ और कब्जे की कोशिश का मामला सामने आया है। पीड़ित दुकानदार गोविंद प्रसाद ने पुलिस अधीक्षक ,क्षेत्राधिकारी (सीओ) प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सदर को शिकायती पत्र देकर न्याय और सुरक्षा की गुहार लगाई है।24 जून 2026 की शाम लगभग 7:45 बजे, विपक्षी दल (श्रीमती अनारकली, अपने कुछ लोगो के साथ) पर आरोप है कि वे जबरिया दुकान और गोदाम में घुस आए। पीड़ित का आरोप है कि विपक्षियों ने दुकान में तोड़फोड़, कैश लूटने और जान से मारने की नीयत से हमला करने की कोशिश की। साथ ही, गोदाम की दीवार तोड़कर कब्जा करने की धमकी दी, जबकि उक्त परिसर के पिछले भाग पर कोर्ट का 'स्टे' (स्थगन आदेश) है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति का जायजा लिया और दुकान व गोदाम की वीडियोग्राफी भी की।पीड़ित गोविंद प्रसाद ने पुलिस अधीक्षक खीरी, सीओ सिटी व प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सदर से मामले में प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) दर्ज कर जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।पीड़ित पक्ष गोविंद प्रसाद ने यह भी बताया कि अनाथालय व उसकी तथाकथित प्रबंधिका किसी भूमि व भवन की स्वामी नहीं है तथा अनाथालय के नाम पर जबरदस्ती कब्जा करना चाहती है ! इस संबंध में कथित प्रबंधिका को स्वामित्व के कागजात दिखाने व शिकायत कर्ता ने मानहानि की नोटिस भी भेजी है !पीड़ित पक्ष गोविन्द प्रसाद का कहना है कि अनुज कुमार शुक्ला कब्जा करने की कोशिश में है जबकि उनके या अनाथालय के नाम का कोई बैनामा या दानपत्र या स्वामी होने का कोई सबूत या नक़ल अपनी फेसबुक की पोस्टों में पोस्ट नहीं करके सत्यता छुपा रहे है !यदि कोई बैनामा या दानपत्र उनके पास हो तो उसे सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट के साथ सार्वजनिक करे !

.रिठौरा के टेंपो चालक का बेटा बना 'अग्निवीर', कड़े प्रशिक्षण को हुआ रवाना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/रिठौरा। अभाव और सीमित संसाधन कभी भी प्रतिभा के आगे रोड़ा नहीं बन सकते, बशर्ते रगों में कुछ कर गुजरने का जुनून और देश सेवा का जज्बा दौड़ रहा हो। ऐसा ही कुछ साबित कर दिखाया है कस्बे के मोहल्ला मोहनपुर के एक अत्यंत साधारण परिवार के होनहार युवक ने। अपनी कड़ी मेहनत और लगन के दम पर एक टेंपो चालक के बेटे अमन कुमार कोली का चयन भारतीय सेना में 'अग्निवीर' पद पर हुआ है। देश सेवा के बुलंद इरादों के साथ यह युवा सैनिक शुक्रवार सुबह छह माह के कड़े प्रशिक्षण (ट्रेनिंग) के लिए रवाना हो गया। मोहल्ला मोहनपुर निवासी अशोक कुमार कस्बे में ही टेंपो चलाकर अपने परिवार की आजीविका चलाते हैं। उनके बेटे अमन ने घर की आर्थिक तंगी को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया, बल्कि उसे ही अपनी ताकत बनाकर दिन-रात मैदान पर पसीना बहाया। अमन की इस अभूतपूर्व सफलता ने यह साबित कर दिया कि कम पूंजी और सीमित आय वाले परिवारों के बच्चे भी अपनी मेहनत के बल पर सरकारी नौकरी पाने का अपना बड़ा सपना साकार कर सकते हैं।

शुक्रवार सुबह जब अमन देश की सरहद की सुरक्षा के सफर पर निकलने लगा, तो उसके घर पर परिजनों और नाते-रिश्तेदारों का तांता लग गया। वह पल हर किसी को भावुक कर देने वाला था जब ताऊ चंपालाल ने भारतीय रीतियों के अनुसार तिलक लगाकर और आरती उतारकर अपने कलेजे के टुकड़े को देश सेवा के लिए विदा किया। बेटे की इस स्वर्णिम सफलता और विदाई की बेला में मां सुनीता देवी की आंखें खुशी से छलक आईं, तो वहीं पिता अशोक कुमार का सिर गर्व से ऊंचा हो गया। अमन के सेना में चयन की खुशी से पूरा मोहल्ला सराबोर नजर आया। रवानगी के समय कस्बे के बच्चों ने जमकर आतिशबाजी चलाई, तो वहीं मित्रों और स्थानीय युवाओं ने ढोल-नगाड़ों व भांगड़े की धुन पर जोरदार नृत्य कर अपनी खुशी का इजहार किया। पूरा इलाका भारत माता की जयकारों से गूंज उठा।

राष्ट्रीय किसान शक्ति संगठन का खाद की कालाबाजारी और गन्ना बकाया भुगतान को लेकर सत्याग्रह का ऐलान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी- सहकारी गन्ना विकास समिति लि 0 गोला गोकर्णनाथ (खीरी) में हुई राष्ट्रीय किसान शक्ति संगठन की ब्लाक स्तरीय बैठक में बजाज ग्रुप की चीनी मिलों के बकाया गन्ना भुगतान और सहकारी गन्ना विकास समिति लि 0 गोला गोकर्णनाथ की यूरिया खाद की कालाबाजारी को लेकर जुलाई में बड़े सत्याग्रह करने का ऐलान किया है।राष्ट्रीय किसान शक्ति संगठन की ब्लाक स्तरीय बैठक में जिला लखीमपुर खीरी की बजाज ग्रुप की चीनी मिल गोला गोकर्णनाथ का सबसे कम भुगतान किए जाने पर रोष व्यक्त किया गया।संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पटेल श्रीकृष्ण वर्मा ने कहा है कि जिले की बजाज ग्रुप की तीन चीनी मिलों - गोला गोकर्णनाथ , पलिया कला और खम्भार खेड़ा पर पेराई सत्र 2025-26 के खरीदे गन्ने का भुगतान 37319 लाख किसानों का 780.33 करोड़ रूपए बकाया है , जिसमें चीनी मिल गोला इकाई का सबसे कम भुगतान हुआ। गोला गोकर्णनाथ इकाई ने 490.85 लाख रुपए का कुल गन्ना पेराई किया जिसमें अब तक 177.56 लाख रुपए यानी 36.17 प्रतिशत भुगतान किया अभी 313.29 लाख रुपए बकाया है ।पलिया कला की इकाई ने 387.05 लाख रुपए का गन्ना खरीद किया जिसका 143.66 लाख रुपए का 37.12 प्रतिशत भुगतान किया अभी 243.52 लाख रुपए बकाया है। खम्भार खेड़ा इकाई ने 387.84 लाख रुपए का गन्ना खरीद का 164.32 लाख रुपए का 42.37 प्रतिशत भुगतान किया अभी 223.52 लाख रुपए बकाया है । चीनी मिलों के खरीदे गन्ने से चीनी के अतिरिक्त, शीरा , बैगास , प्रेसमड , एथेनॉल आदि सह उत्पादों को तैयार किया जाता है । जिसमें उत्तर प्रदेश गन्ना आपूर्ति एवं खरीद विनियमन अधिनियम एवं शुगर केन कंट्रोल आर्डर के आदेश के तहत चीनी के साथ उत्पादित इन सभी सहउत्पादों के बिक्री का 85 प्रतिशत का भुगतान किए जाने की व्यवस्था है ।

किंतु चीनी मिलें इन सह उत्पादों की बिक्री के धन का भुगतान न कर मात्र चीनी बिक्री का 85 प्रतिशत ही 15 दिन में एक दिन का भुगतान किया जाता है । चीनी मिलों के अन्य सह उत्पादों - शीरा , बैगास , प्रेसमड , एथेनॉल , पोटाश आदि की बिक्री का सम्पूर्ण धन बजाज ग्रुप की चीनी मिलों के चेयरमैन कुशाग्र बजाज द्वारा ललितपुर और महाराष्ट्र में स्थापित किए जा रहे नये पावर प्लांट में खर्च किया जा रहा है । पेराई सत्र 2025-26 के खरीदे गन्ने से चीनी मिल गोला गोकर्णनाथ ने 138.74 लाख लीटर , पलिया कला इकाई ने 105.25 लाख लीटर और खम्भार खेड़ा इकाई ने 106.65 लाख लीटर एथेनॉल का निर्माण किया है किंतु उत्तर प्रदेश गन्ना विभाग के पास चीनी मिल के खरीदे गन्ने से उत्पादित - शीरा , बैगास , प्रेसमड , एथेनॉल , पोटाश आदि की बिक्री के धन का कोई हिसाब नहीं है। जो आरोप है कि इनकी अधिकांश बिक्री का धन ललितपुर और महाराष्ट्र में स्थापित हो रहे नये पावर प्लांट में डाइवर्ट किया जा रहा है। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष पटेल श्री कृष्ण वर्मा ने कहा कि किसानो की गाढी कमाई का गन्ना खरीद कर बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड भुगतान न कर शोषण कर रही है गन्ना आयुक्त के आदेश पर जिले के थानों में एफ आईआर दर्ज की गई वसूली प्रमाण पत्र जारी किए गए लेकिन कार्यवाही शून्य है कहा कि संगठन से संबंधित गन्ना किसानों ने मय अधिनियम के नोटेरियल शपथ पत्र एसपी को भेजे थे लेकिन अब तक चार्ज शीट नहीं लगाई गई सत्ता पक्ष के विधायक और पदाधिकारी भी किसानो की समस्या पर चुप हैं। प्रदेश उपाध्यक्ष शिवदयाल वर्मा ने कहा बजाज चीनी मिलों और गन्ना विभाग के अधिकारियों की मिली भगत है इस कारण प्रदेश और जिले के गन्ना विभाग के कार्यालय में एथेनॉल उत्पादन की तो सूचना है लेकिन कितना एथेनॉल मैली और बैगास बिक्री हुआ है इसके कोई आंकड़े उपलब्ध नहीं है।

जिला अध्यक्ष संतोष सिंह ने कहा कि सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड गोला के ट्रांसपोर्टर के ड्राइवर द्वारा रेलवे स्टेशन से ममरी खाद गोदाम ले जाते समय रास्ते में अवैध रूप से बिक्री की गई? इसमें एक किसान नेता द्वारा एसडीएम को एफ आईआर दर्ज करने के लिए तहरीर दी गई लेकिन वह किसान नेता अब इस मामले में चुप्पी साधे हैं इसी प्रकार नगर के अलीगंज रोड पर एक दुकानदार की एनपी के खाद को नकली बताकर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई थी जिसमें कार्यवाही शून्य है।क्षेत्र में यूरिया और अन्य खादो की कालाबाजारी तेजी पर है लेकिन किसानों को खाद नहीं मिल पा रही है जिससे खेती चौपट हो रही है। बैठक के अंत में बिहार के सामाजिक कार्यकर्ता भरत तिवारी कापुलिस द्वारा एनकाउंटर किए जाने की घोर निंदा की गई और घटना की न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा जांच कराए जाने की मांग की गई है।

नकहा बढ़ईडीह में खाद पर खूनी खेल सचिव विनीत यादव पर कालाबाजारी के गंभीर आरोप

● भड़के किसानों ने समिति पर जड़ा ताला मेंबर को ही खाद मिलेगी कहकर गरीब किसानों को दिनभर लाइन में खड़ा कर लौटाया गैर-क्षेत्र के खास लोगों की पिकअप में भर-भरकर जा रही बोरियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नकहा, लखीमपुर खीरी। बहु उद्देशीय ग्रामीण सहकारी समिति (बी-पैक्स) बढ़ईडीह, नकहा में शुक्रवार को किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। कड़ी धूप में सुबह से शाम तक लाइन में लगने के बाद भी खाद न मिलने से भड़के सैकड़ों किसानों ने समिति का दरवाजा लॉक कर दिया और 112 डायल कर पुलिस बुला ली।

क्या है पूरा मामला?

किसानों का आरोप है कि समिति सचिव विनीत यादव मनमानी कर रहे हैं। सुबह 6 बजे से लाइन में लगे किसानों को शाम को यह कहकर लौटा दिया जाता है कि जिसका खाता-मेंबरशिप है उसी को खाद मिलेगी।

किसानों का दर्द:

हम सम्मान निधि पाते हैं खतौनी दिखाते हैं फिर भी खाद नहीं मिलती। हमारे बच्चे भूखे मर जाएंगे फसल कैसे बोएंगे - एक बुजुर्ग किसान रोते हुए बोला।

सबसे बड़ा आरोप: कालाबाजारी का खेल

किसानों ने आरोप लगाया कि एक तरफ लोकल किसानों को मेंबर नहीं हो कहकर भगाया जा रहा है वहीं दूसरी तरफ बेल्हौरा गांव के राजेश कुमार पुत्र मिश्री लाल की टाटा पिकअप UP 31 CT 2124 में धड़ल्ले से खाद की बोरियां लोड की जा रही थीं।

किसानों का सवाल: ये राजेश न तो यहां का मेंबर है न इस समिति क्षेत्र का किसान। फिर भी इसे खाद कैसे मिल गई? क्या ये सचिव का रिश्तेदार है? या किसी नेता का फोन आया था? या फिर प्रति बोरी मोटी कमाई का खेल है?

मीडिया के पहुंचते ही खुली पोल

किसानों की सूचना पर जब मीडिया मौके पर पहुंची तो पिकअप में बोरियां लोड होते कैमरे में कैद हो गई। यह देखकर किसानों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया और उन्होंने समिति गेट पर ताला जड़ दिया।

सचिव की सफाई VS किसानों का सच

मीडिया के सवाल पर सचिव विनीत यादव ने कहा खाद बच गई थी मैंने कहा किसी को लेना है तो ले लो किसानों ने मना किया तो बेल्हौरा के एक व्यक्ति को दे दी। वहीं किसान

चिल्ला-चिल्ला कर बोले, *सचिव सरासर झूठ बोल रहे हैं। हम सुबह से लाइन में हैं हमें मना कर दिया और चोरी-छिपे दूसरे को बेच रहे हैं। ये कालाबाजारी है। यहां रोज यही होता है पहले भी मामला उजागर हो चुका है। मामला तूल पकड़ते ही उच्च अधिकारियों को सूचना दी गई। आधे घंटे के अंदर ही जिला कृषि अधिकारी की टीम मौके पर पहुंची और पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी।

3 बड़े सवाल जो योगी सरकार से हैं:

1. क्या सरकार का आदेश है कि नॉन-मेंबर किसान को खाद नहीं मिलेगी अगर नहीं, तो सचिव किस नियम से गरीब किसानों को लौटा रहा है?
2. जब लोकल किसान तरस रहे हैं तो दूसरे क्षेत्र के लोगों को खाद कैसे जा रही इसकी CBI जांच हो।
3. समिति अध्यक्ष-उपाध्यक्ष कहां गायब हैं इतने बड़े बवाल पर एक भी पदाधिकारी मौके पर क्यों नहीं आयाक्या सबकी मिलीभगत है?

गोला रेंज के तुसौरा गांव में शातिर लकडकट्टों ने सागौन व शीशम के प्रतिबंधित पेड़ काट डाले

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। खीरी जनपद की गोला वन रेंज की पूर्वी वन चौकी क्षेत्र में शातिर लकडकट्टों ने वन विभाग की मिलीभगत से सागौन व शीशम के प्रतिबंधित पेड़ों पर आरा चला दिया। सूचना के बावजूद वन विभाग के अफसर शातिर लकडकट्टों के खिलाफ कार्रवाई करने से कतरा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक खीरी जनपद की गोला रेंज के तुसौरा गांव पश्चिम तालाब के किनारे ग्राम समाज के शीशम व सागौन के चार हरे भरे पेड़ खड़े थे। आरोप है कि शातिर लकडकट्टों ने वन विभाग की मिलीभगत से रात के अंधेरे में शीशम व सागौन के चारों पेड़ों को काट दिया और लकड़ी लेकर मौके से फरार हो गए। सुबह जब ग्रामीणों की नजर पड़ी तो ग्रामीणों ने वन विभाग के अफसरों को सूचना दी। लेकिन सांठगांठ होने के चलते वन विभाग ने लकडकट्टों के खिलाफ कार्रवाई करना तो दूर की बात, मौके पर जाकर मुआयना करना भी मुनासिब नहीं समझा। इस मामले को लेकर गोला रेंजर से बात करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन स्विच्ड आफ आ रहा था। फिलहाल अब देखना यह है कि दक्षिण खीरी वन प्रभाग के डीएफओ तापस मिहिर इस मामले को स्वतः संज्ञान में लेते हुए क्या एक्शन लेते हैं।

खनन के खूनी खेल ने ली एक और जान

लखीमपुर-खीरी। कोतवाली सदर क्षेत्र के रामापुर में अवैध खनन का खूनी खेल एक और युवक की बलि ले गया। सलेमपुर कोन निवासी मन्नू का 25 वर्षीय बेटा पंकज कुमार मिट्टी के अवैध ढेर के नीचे दबकर तड़प-तड़प कर मर गया।परिजनों का आरोप है कि गांव के ही मनोज ने पंकज को काम के बहाने घर से बुलाकर मौत के मुंह में धकेल दिया। रामापुर में बेखौफ चल रहे अवैध खनन के दौरान मिट्टी का पहाड़ अचानक धंस गया और पंकज जिंदा दफन हो गया। हादसे के बाद पूरे गांव में चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। उनका कहना है कि प्रशासन की नाक के नीचे खुलेआम अवैध खनन का गोरखधंधा चल रहा है और गरीबों की लाशें बिछ रही हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बिलखते परिजनों ने मनोज समेत खनन माफियाओं पर हत्या का केस दर्ज करने की मांग की है।

हक के लिए शहादत की याद: नम आंखों से विदा हुए ताजिए, रिठौरा क्षेत्र के कर्बला में उमड़ा अकीदतमंदों का हुजूम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत की याद में मोहर्रम की दसवीं तारीख (आशूरा) को रिठौरा सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में अकीदत, गम और एहतराम के साथ मनाई गई। कर्बला के शहीदों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करने के लिए शुक्रवार को विभिन्न स्थानों से पारंपरिक ताजिए निकाले गए, जो बाद में पूरे अदब के साथ कर्बला में दफन किए गए। इस दौरान अकीदतमंदों की आंखें नम रहीं और फिजा में कर्बला के दर्द की गूंज सुनाई दी। कर्बला के मैदान में शुक्रवार को भारी मेला लगा। अकीदतमंदों ने इमाम हुसैन की याद में न्याज (लंगर) का आयोजन किया। कर्बला की उस ऐतिहासिक प्यास को याद करते हुए रिठौरा, भंडसर, बंजरिया, सावरखेड़ा, मुल्लापुर, दियोरिया जागीर, लभेड़ा उर्फ बुलंद नगर और मुंडिया अहमदनगर सहित कई गांवों में जगह-जगह सबील (प्याऊ) लगाकर राहगीरों को ठंडा पानी और शरबत पिलाया गया। इंसानियत की इस खिदमत ने कौमी एकता की अनूठी मिसाल पेश की। आयोजन की संवेदनशीलता को देखते हुए स्थानीय प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। थानाध्यक्ष संतोष कुमार, चौकी प्रभारी राजीव कुमार शर्मा और एसआई आकाश चौधरी के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस बल पूरे रूट पर तैनात रहा। पुलिस अधिकारियों ने स्वयं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में सहयोग प्रदान किया। इस दौरान मोहम्मद उवैस, अब्दुल हलीम उर्फ गरीब अहमद, जाकिर मंसूरी, नरेंद्र राठौर, अब्दुल वहीद, आशिक मंसूरी, खालिद खान, राजा खान, डॉ. माजिद अंसारी, नाजिम अंसारी, मंजूर अहमद, मजहर अली, इमरान खान, ताबिश, इदरीश सैफी, अब्बास अली, उस्मान उस्मानी, इरफान उस्मानी और फुरकान अंसारी सहित अन्य कई लोग सक्रिय रहे। इस्लामिक इतिहास में 10 मुहर्रम का दिन 'आशूरा' के नाम से जाना जाता है। यह दिन केवल मातम का दिन नहीं, बल्कि हक और बातिल (सत्य और असत्य) के बीच के संघर्ष का प्रतीक है। सन् 61 हिजरी को कर्बला के मैदान में इमाम हुसैन ने अपने परिवार और साथियों के साथ हक की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। उनकी शहादत आज भी संपूर्ण

मानवता के लिए जुल्म के खिलाफ आवाज उठाने का सबसे बड़ा सबब है। पैगंबर मोहम्मद साहब ने इस दिन रोजा रखने की विशेष फजीलत बताई है। यह दिन सब्र, धैर्य और खुदा की इबादत में गुजारने का दिन है। कर्बला में इमाम हुसैन और उनके साथियों के लिए पानी बंद कर दिया गया था। उसी प्यास की याद में आज भी दुनिया भर में जगह-जगह सबील लगाकर राहगीरों को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य माना जाता है।

जिला अस्पताल मोतीपुर ओयल में स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल

● मरीजों और पत्रकारों से अभद्रता, बाहर की महंगी दवाएं लिखने का खेल जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जनपद के मोतीपुर ओयल स्थित जिला अस्पताल इस समय खुद 'बीमार' चल रहा है। अस्पताल प्रशासन की लापरवाही और मनमानी के कारण दूर-दराज से आने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालात इतने खराब हैं कि स्वास्थ्य कर्मी और तैनात सुरक्षा गार्ड न तो वरिष्ठ नागरिकों की सुन रहे हैं, न दिव्यांगों की और न ही पत्रकारों की।अस्पताल के कमरा नंबर 4 में संचालित एनसीडी क्लीनिक के बाहर तैनात सुरक्षा गार्डों का व्यवहार मरीजों के प्रति बेहद अमानवीय और अभद्र है। इलाज के लिए कतार में खड़े लाचार मरीजों और उनके परिजनों के साथ आए दिन धक्का-मुक्की और बदतमीजी की जा रही है। हद तो तब हो गई जब अपने बीमार परिजनों का इलाज कराने पहुंचे पत्रकारों के साथ भी स्टाफ और गार्डों ने दुर्व्यवहार किया। अस्पताल का कोई भी कर्मचारी शासन या उच्चाधिकारियों के निर्देशों को मानने को तैयार

संक्षिप्त खबरें

अनामिका सेठ बनीं चार्टर्ड अकाउंटेंट

चुनार, मीरजापुर। नगर निवासिनी अनामिका सेठ ने चार्टर्ड एकाउंटेंट की परीक्षा उत्तीर्ण कर परिवार एवं नगर का मान बढ़ाया है। नगर के मोचीटोला, चौक बाजार निवासी श्याम सेठ की पुत्री अनामिका सेठ की शिक्षा सूरत में हुई है। इस उपलब्धि पर बचाऊ लाल सेठ,विवेक सिंह,आलोक जौहरी, धीरज जायसवाल, संजय साहनी, किशन मोदनवाल,अमित कुमार ,महेंद्र सेठ,संदीप गुप्ता,राकेश श्रीवास्तव,अनिल मिश्रा सहित नगर के लोगों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

अकीदत और अमन के साथ मनाया गया मोहरज़्म, ताजिया जुलूसों में उमड़ा जनसैलाब

ज्ञानपुर। जनपद के ज्ञानपुर, खमरिया, घोसिया, माधव सिंह, महाराजगंज मोढ़, कस्तूरीपुर, भदोही नगर, जंगीगंज, कोइरौना तथा सीतामढ़ी कटरा सेमधराध सहित विभिन्न क्षेत्रों में मोहर्रम का पर्व शुक्रवार को पूरी अकीदत, श्रद्धा और गमगीन माहौल में मनाया गया। विभिन्न इमामबाड़ों से पारंपरिक ताजिया जुलूस निकाले गए, जिनमें बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने भाग लिया। जुलूस निर्धारित मार्गों से होकर गुजरे, जहां लोगों ने हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की कुर्बानी को याद करते हुए मातम किया। कई स्थानों पर पारंपरिक करतब और अखाड़ों ने अपनी कला का प्रदर्शन कर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। जगह-जगह शर्बत और पेयजल की व्यवस्था भी की गई। मोहर्रम के दौरान प्रशासन और पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई तथा ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी रखी गई। इस अवसर पर सभी समुदायों के लोगों ने आपसी भाईचारे और गंगा-जमुनी तहजीब का परिचय देते हुए मोहर्रम के आयोजन को सफल बनाया।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व पॉलिथीन प्रतिबंध पर डीएम सख्त

ज्ञानपुर। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण समिति, जिला गंगा समिति एवं जिला पर्यावरण समिति की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, पॉलिथीन प्रतिबंध, ई-वेस्ट निस्तारण तथा स्व'छता अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने नगर पालिका, नगर पंचायतों और संबंधित विभागों को निर्धारित एसओपी के अनुसार कूड़ा निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर पालिका परिषद भदोही को कूड़ा संग्रहण व्यवस्था मजबूत करने तथा सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंकने वालों के विरुद्ध अभियान चलाकर जुमार्ना लगाने को कहा। डीएम ने प्रतिबंधित पॉलिथीन के उपयोग, भंडारण और बिक्री पर नियमित कार्रवाई तथा खाली प्लॉटों में जमा कचरे का समयबद्ध निस्तारण कराने के निर्देश दिए। ई-वेस्ट के वैज्ञानिक निस्तारण और जनजागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) शुभांगी शुक्ला सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने ईवीएम-वीवीपैट स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

ज्ञानपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट स्ट्रांग रूम का मासिक निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, मशीनों के रखरखाव, अभिलेखों, सील लॉकर तथा सीसीटीवी निगरानी प्रणाली का गहन निरीक्षण किया। सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता और रिकॉर्डिंग की समीक्षा के साथ फायर सेफ्टी उपकरणों की वैधता भी जांची गई। जिलाधिकारी ने ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मियों की उपस्थिति पंजिका का निरीक्षण कर उन्हें पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ दायित्व निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ईवीएम एवं वीवीपैट स्ट्रांग रूम की सुरक्षा निर्वाचन प्रक्रिया की विश्वसनीयता से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील विषय है, इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा, निगरानी और रखरखाव की व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा तथा किसी भी तकनीकी समस्या का तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) शुभांगी शुक्ला सहित संबंधित अधिकारी और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ने मां विन्ध्यवासिनी देवी का दर्शन पूजन कर प्रदेशवासियो के लिए मांगी खुशहाली

● मुजेहरा में एक निजी अस्पताल के कार्यक्रम में प्रबुद्धजनो से की वार्ता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक ने आज जनपद भ्रमण के दौरान सिटी विकास खण्ड के ग्राम मुजेहरा चेकसारी में हेलीकाप्टर से उतरने के पश्चात सीधे विन्ध्याचल धाम पहुंचकर मां विन्ध्यवासिनी देवी का विधिवत मंत्रोच्चार के साथ दर्शन कर पूजा अर्चना की तथा प्रदेशवासियो स्वस्थ्य रहने व सुख समृद्धि की कामना की। विन्ध्याचल पहुंचने पर उप मुख्यमंत्री का स्वागत शंखनाद व डमरू आदि बजाकर उनका तीर्थ पुरोहितो के द्वारा स्वागत व अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर प्रेस प्रतिनिधियो से वार्ता के दौरान उप मुख्यमंत्री मां विन्ध्यवासिनी देवी के धाम भव्य कारीडोर के निर्माण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विन्ध्याचल धाम चहुमुखी विकास से श्रद्धालुओ की संख्या में बढ़ोतरी हुई है और इस कारीडोर के निर्माण से श्रद्धलुओ को बेहतर सुविधा भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि विन्ध्याचल विकास के लिए जो भी आवश्यकता होगी उसे प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाएगा। दर्शन पूजन प्रधान श्रंगारिया शिव जी महराज ने कराया। इस अवसर पर विधायक नगर रत्नाकर मिश्र भी उपस्थित रहें। इसके पूर्व हेलीपैड मुजेहरा में उतरने पर जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक, जिला अधक्ष भारतीय जनता पार्टी लाल बहादुर सरोज, विधायक नगर रत्नाकर मिश्र, विधायक मझवां सुचिस्मिता मौर्या, ब्लाक प्रमुख पहाड़ी इन्द्रमणि पाण्डेय के अलावा जिला महामंत्री रवि शंकर पाण्डेय, जिला मंत्री वीरेन्द्र प्रताप यादव, भाजपा नेता नितिन विश्वकर्मा, पूनम चैरसिया, मण्डल अध्यक्ष उमेश कुमार तिवारी के अलावा अन्य पदाधिकारियो के द्वारा उप मुख्यमंत्री को हेलीपैड अंगवस्त्रम व पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत व अभिनन्दन किया। विन्ध्याचल दर्शन पूजन के पश्चात उप मुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक ने मुजेहरा/चेकसारी स्थित टमटम अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचकर प्रबुद्धजनो से वार्ता कर आशीर्वाद लिया तथा कहा कि प्रदेश सरकार प्रदेश के चतुमुर्खी विकास के लिए कटिबद्ध है, प्रत्येक अस्पतालो में स्वास्थ्य सुविधाए मुहैया कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत सभी पात्र को लाभ मुहैया कराया जा रहा है। वयो योजना के तहत 70 वर्ष आयु से अधिक के लोगो को प्राथमिकता के आधार पर आयुष्मान कार्ड मुहैया कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाएं, जीरो टालरेंस की नीति और सनातन संस्कृति को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के द्वारा उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार व माफिया राज को समाप्त करने की दिशा में कार्य कर रही है किसी भी दोषी को बक्शा नही जाएगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 विनोद कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी गुलाब चन्द्र, संतोष ओझा, नगर मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक नितेश सिंह, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ कीर्ति कुमार मिश्र सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

मुहर्रम पर भदोही पुलिस अलर्ट, ड्रोन से संवेदनशील इलाकों की निगरानी

ज्ञानपुर। मुहर्रम के अवसर पर जनपद में शांति, सुरक्षा और सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए भदोही पुलिस पूरी तरह सतर्क है। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में पूरे जिले में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। पुलिस द्वारा सभी थाना क्षेत्रों में ड्रोन कैमरों के माध्यम से संवेदनशील स्थानों, ताजिया जुलूस के निर्धारित मार्गों, ऊंची इमारतों और छतों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। ड्रोन के जरिए संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने या आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों पर भी विशेष तकनीकी टीम की नजर है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि कानून-व्यवस्था बिगाडने़ की कोशिश करने वाले शरारती तत्वों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। भदोही पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें तथा किसी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की जानकारी तत्काल स्थानीय पुलिस को दें। साथ ही ताजियादारों, जुलूस आयोजकों और पीस कमेटी के सदस्यों से समन्वय बनाकर मुहर्रम का पर्व आपसी भाईचारे और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने का आग्रह किया गया है।

इमाम हुसैन की शहादत में निकाले तजिए हुए कर्बला में हुए दफन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। तहसील क्षेत्र के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मोहर्रम की दसवीं तारीख पर शुक्रवार को गम के माहौल में ताजिया निकाली गई। इमाम हुसैन की शहादत की याद में निकालें गये जुलूस निर्धारित मार्गों से होते हुए दरगाह शरीफ स्थित कर्बला पहुंच कर ताजियों को सुपुर्द ए खाक किया गया। तहसील क्षेत्र मे शुकुलपुरा, मानिकपुर ,ममोलापुर दयालपुर, कैलहट, पचेवरा, रामपुर, महमदपुर आदि गांवों में ताजिया निकाली गई ।इस दौरान अकीदतमंदों ने नौहा और मातम करते हुए या हुसैन के नारे लगाए और कर्बला में शहीदों को याद किया गया।वहीं जुलूस की सुरक्षा व्यवस्था के लिए विभिन्न स्थानों पर पुलिस बल तैनात किया गया। वहीं उपजिलधिकरी राजेश कुमार वर्मा क्षेत्राधिकारी मंजरी राव कोतवाल विजय शंकर सिंह स्वयं जुलूस की निगरानी करते रहे। मुहर्रम के त्योहार का गंगा जमुनी तहजीब की झलक देखने को मिलीं मुस्लिम समुदाय के साथ बड़ी संख्या में हिन्दू समाज के लोग भी ताजिया जुलूस में शामिल हुए और जगह जगह नगर के व्यापारियों ने जुलूस का स्वागत किया। और विभिन्न स्थानों पर सबीर लगाकर जुलूस में शामिल हुए लोगों को और राहगीरों को शरबत एवं पेयजल वितरण किया गया और देर शाम तक दरगाह शरीफ के कर्बला में फूल माला के साथ मिट्टी दिया गया। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष मंसूर अहमद वकील अहमद तारिक़ अहमद उर्फ बाबू सत्तार अहमद शिबू नियाज़ भाई सहित मुस्लिम समुदाय के लोग रहें।

भीषण गर्मी के चलते कक्षा 1 से 8 तक के स्कूलों का समय बदला

भदोही। भीषण गर्मी, बढ़ते तापमान और उमस को देखते हुए जिला प्रशासन ने जनपद के कक्षा 1 से 8 तक संचालित सभी विद्यालयों के समय में परिवर्तन किया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवम पाण्डेय ने बताया कि जिलाधिकारी के 25 जून 2026 के निर्देश के अनुपालन में जनपद के सभी परिषदीय, सहायता प्राप्त, सीबीएसई, आईसीएसई, मदरसा तथा अन्य सभी बोर्डों से संचालित कक्षा 1 से 8 तक के विद्यालय अब प्रातः 7:30 बजे से अपराह्न 12:30 बजे तक संचालित होंगे। यह निर्णय छात्र-छात्राओं को भीषण गर्मी और उमस के दुष्प्रभाव से बचाने के उद्देश्य से लिया गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सभी विद्यालय प्रबंधकों एवं प्रधानाचार्यों को निर्देश दिया है कि आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर भ्रम न फैलाएं, सरकार के अंतिम निर्णय की करें प्रतीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। ग्रामीण सत्ता पंचायतीराज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक चन्द्र अवस्थी एवं सुरियावां विकासखंड के महजूदा गाँव के प्रशासक व संगठन के राष्ट्रीय महासचिव राजमणि पाण्डेय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा पंचायत चुनाव संबंधी पारित आदेश को लेकर फैल रही भ्रामक जानकारियों पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि न्यायालय ने अभी पंचायत चुनाव कराने अथवा वर्तमान ग्राम प्रधानों के कार्यकाल को समाप्त करने संबंधी कोई अंतिम निर्णय नहीं दिया है। दोनों पदाधिकारियों ने संयुक्त बयान में कहा कि माननीय न्यायालय ने राज्य सरकार से ओबीसी आरक्षण, चुनाव कार्यक्रम तथा अन्य आवश्यक बिंदुओं पर विस्तृत हलफनामा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 13 जुलाई 2026 को निर्धारित की गई है। उन्होंने समस्त ग्राम प्रधानों, क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत प्रतिनिधियों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना पर ध्यान न दें तथा शासन और न्यायालय के अंतिम निर्णय की प्रतीक्षा करें। राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक चन्द्र अवस्थी ने कहा कि पंचायतों की संवैधानिक व्यवस्था, लोकतांत्रिक प्रक्रिया एवं जनहित सर्वोपरि हैं। उन्हें विश्वास है कि शासन एवं राज्य निर्वाचन आयोग आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर समयानुसार उचित निर्णय लेंगे। राष्ट्रीय महासचिव राजमणि पाण्डेय ने भी सभी जनप्रतिनिधियों से संयम बनाए रखने और किसी भी अपुष्ट सूचना पर विश्वास न करने की अपील करते हुए कहा कि अंतिम निर्णय आने तक अफवाहों से बचना ही सभी के हित में है।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने किए मां पीतांबरा देवी के दर्शन

● पुजारी रंगभूमि तिवारी ने कराया हवन-पूजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

विंध्याचल। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने शुक्रवार दोपहर मां विंध्यवासिनी देवी का दर्शन-पूजन करने के बाद मां पीतांबरा देवी मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की। शुक्रवार दोपहर करीब 12:30 बजे डिप्टी सीएम का काफिला विंध्य पर्वत पर स्थित डाक बंगला के समीप मां पीतांबरा देवी मंदिर पहुंचा। यहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने माता के दरबार में शीश नवाया और विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। मां पीतांबरा देवी मंदिर के पुजारी रंगभूमि तिवारी महाराज ने दर्शन-पूजन के पश्चात डिप्टी सीएम से विशेष हवन-पूजन भी संपन्न कराया। इस दौरान डिप्टी सीएम ने प्रदेश की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। इस अवसर पर नगर विधायक पंडित रत्नाकर मिश्र, मझवां विधायक सुचिश्मिता मौर्य, नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर केसरी, भाजपा के वरिष्ठ नेता महेंद्र जायसवाल और जिला मीडिया प्रभारी भावेश शर्मा सहित कई भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। दर्शन के बाद डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कहा कि मां पीतांबरा और मां विंध्यवासिनी की कृपा से उत्तर प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने मंदिर की व्यवस्थाओं को लेकर पुजारी और स्थानीय लोगों से जानकारी ली। मंदिर परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। डिप्टी सीएम के आगमन को लेकर श्रद्धालुओं में भी खासा उत्साह देखा गया। वहीं मंदिर के पुजारी रंगभूमि तिवारी ने कहा कि यह मंदिर 4 वर्ष पूर्व से ही स्थापित किया जा चुका है।

माता पीतांबरा देवी जी का दर्शन पूजन करने से सभी प्रकार की मनोकामना पूर्ण होता है। इससे पूर्व में ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने भी माता पीतांबरा देवी जी के चरणों में शीश झुकाने के लिए पहुंचे थे।

या हुसैन' की सदाओं के बीच निकला यौम-ए-आशूरा का जुलूस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपीगंज। यौम-ए-आशूरा के अवसर पर शुक्रवार को गोपीगंज नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में दसवीं मुहर्रम का जुलूस अकीदत, एहतराम और गमगीन माहौल में निकाला गया। 'या हुसैन... या हुसैन' की सदाओं से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। नगर और गांवों से निकले ताजिए करबला पहुंचने के बाद धार्मिक परंपरा के अनुसार सुपुर्द-ए-खाक किए गए। पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। नौवीं मुहर्रम की शाम नगर के इमाम चौक पर ताजिए रखे गए थे, जहां देर रात तक नजर-ओ-नियाज का सिलसिला चलता रहा। शुक्रवार सुबह दसवीं मुहर्रम पर विभिन्न अखाड़ों के नेतृत्व में जुलूस निकाले गए। पहला जुलूस चुड़िहारी मोहाल से शेख सलामत अखाड़े की अगुवाई में निकला, जिसमें मेवड़ापुर, सोनिया तालाब नई बस्ती, बज्मे सुन्नत कमेटी, अमवा, अमानाबाद और गोपपुर के ताजियादार अपने-अपने ताजियों के साथ शामिल हुए। दूसरा जुलूस धूम खां अखाड़ा पश्चिम मोहाल से निकला, जिसमें भगवतपुर, गिराई, गहरपुर, कौलापुर, डेरवा, बरजी और मूलापुर सहित कई गांवों के ताजियादार शामिल हुए। ढोल-ताशों की गूंज और मातमी नारों के बीच निकले जुलूस में अलम, दुलदुल और ताजिए आकर्षण का केंद्र रहे। जुलूस के दौरान विभिन्न अखाड़ों के खिलाड़ियों ने पारंपरिक शस्त्र कला (फन-ए-सिपहगिरी) का प्रदर्शन कर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। शेख सलामत अखाड़े के जुलूस में 21 ताजिए शामिल रहे, जो दोपहर तक करबला पहुंच गए, जबकि धूम खां अखाड़े के जुलूस में करीब दो दर्जन ताजिए शामिल हुए, जो देर शाम करबला पहुंचे और धार्मिक रीति-रिवाज के साथ सुपुर्द-ए-खाक किए गए। जुलूस में नगर और ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिलाओं, पुरुषों और युवाओं ने भाग लिया। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन के अधिकारी पूरे समय मुस्तैद रहे। नगर पालिका परिषद की ओर से जुलूस मार्ग पर सफाई, पेयजल और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। शेख सलामत अखाड़े के जुलूस में अखाड़ेदार अच्छू खान, हाजी लाल मोहम्मद, मुमताज बल्ला, एनुलहक, आशू खान, गुलाम मुस्तफा और अफरोज अली पप्पू सहित अनेक लोग मौजूद रहे। वहीं धूम खां अखाड़े के जुलूस में अखाड़ेदार मोहम्मद हनीफ, भरतलाल, हैदर अली, रिजवान, सैफ और अल्तास के साथ नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के ताजियादार शामिल रहे।

जिला स्थापना दिवस पर कस्तूरीपुर में होगा बिरहा मुकाबला

कस्तूरीपुर। जनपद के जिला स्थापना दिवस के अवसर पर ×0 जून को कस्तूरीपुर स्थित हनुमान मंदिर के पास मैदान में सायं 4 बजे से भव्य बिरहा मुकाबले का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में बिरहा सम्राट एवं समाजवादी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सोलंकी तथा बिरहा जगत की चर्चित गायिका उजाला यादव अपनी प्रस्तुतियां देंगी। आयोजकों का दावा है कि इस सांस्कृतिक आयोजन में जनपद सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है। समाजवादी पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष संतोष यादव ने बताया कि जिला स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस बिरहा मुकाबले की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम का आनंद लेने की अपील की।

सुरियावां में अकीदत के साथ निकला मोहर्रम का ताजिया जुलूस, कुंदीपुरा का ताजिया रहा आकर्षण का केंद्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुरियावां। नगर पंचायत सुरियावां सहित भटेवरा, तुलापुर, गहरपुर फाटक गली, नेहरू नगर वार्ड नं. 9, पुरानी बाजार, बरकत अली मोहल्ला और कुंदीपुरा के ताजिए मोहर्रम के अवसर पर शनिवार को पूरे अकीदत, गम और अनुशासन के साथ निकाले गए। जुलूस में कुंदीपुरा का ताजिया विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस ताजिए में अजमेर शरीफ, कलियर शरीफ, बरेली शरीफ तथा आगा शाह के रोजे की झांकी को सुंदर ढंग से दशार्या गया। शासन की गाइडलाइन के अनुसार ताजिए की ऊंचाई को निर्धारित सीमा में रखने के लिए उसके गुंबद को छोटा किया गया। इसके बावजूद ताजिए की भव्यता और सुंदरता ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। वहीं भटेवरा का ताजिया भी लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना रहा। मोहर्रम के जुलूस को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने में कोतवाली सुरियावां पुलिस ने पूरी मुस्तैदी और जिम्मेदारी के साथ व्यवस्था संभाली। पुलिस प्रशासन ने आपसी सहयोग और शासन की गाइडलाइन का पालन कराते हुए सभी ताजियों को सुरक्षित कर्बला तक पहुंचाया, जहां उन्हें विधि-विधान के अनुसार दफन कराया गया।

जुलूस के शांतिपूर्ण आयोजन पर नगर के संभ्रांत नागरिकों ने कोतवाल सुरियावां एवं उनकी पूरी पुलिस टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। आभार प्रकट करने वालों में पूर्व सभासद शफीक अंसारी, अब्दुल रऊफ, मोहम्मद इसराइल, रईस अहमद, भुट्टो अली, मकसूद अली, अब्दुल गनी, अहमद अली, मोहम्मद फारूक, हकीक, मुमताज, मुस्तफा, इकबाल, नसीम सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत भदोही पुलिस ने महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस टीमों ने गांवों, कस्बों, मोहल्लों और शिक्षण संस्थानों में चौपाल एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, आत्मरक्षा तथा सरकारी हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं एवं छात्राओं को गुड टच-बैड टच की पहचान, साइबर अपराधों से बचाव, सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग तथा सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ या उत्पीड़न की स्थिति में बिना भय के तत्काल शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया। साथ ही यातायात नियमों का पालन करने और परिवार व समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की गई। अभियान के दौरान महिलाओं को वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930, एम्बुलेंस सेवा 108 एवं 102 तथा अग्निशमन सेवा 101 सहित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी दी गई। पुलिस ने कहा कि महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए ऐसे जागरूकता अभियान आगे भी लगातार चलाए जाते रहेंगे।

राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज की जयंती पर सपा कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित

ज्ञानपुर। समाजवादी पार्टी की ओर से कंसापुर स्थित पार्टी कार्यालय पर राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओ ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सपा जिलाध्यक्ष प्रदीप यादव एवं हसनैन अंसारी ने कहा कि राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज कोल्हापुर रियासत के प्रगतिशील शासक थे। उन्होंने शिक्षा और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए। उन्होंने कहा कि नौकरी और शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की व्यवस्था सबसे पहले लागू करने का श्रेय शाहूजी महाराज को जाता है, इसलिए उन्हें सामाजिक न्याय और आरक्षण व्यवस्था का जनक भी माना जाता है। वक्ताओं ने कहा कि शाहूजी महाराज का जीवन समाज के वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित रहा। उनके विचार आज भी सामाजिक समानता और न्याय की दिशा में प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

पैतृक संपत्ति के विवाद में छोटे भाई की हत्या, पति-पत्नी गिरफ्तार

● मुंबई से घर लौटे युवक की धारदार हथियार से हत्या, गोपीगंज पुलिस ने 24 घंटे में किया खुलासा; हत्या में प्रयुक्त हिकनी और हंसिया बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपीगंज। कोतवाली गोपीगंज क्षेत्र के कसीदहा चौकी अंतर्गत संसारापुर गांव में पैतृक संपत्ति के बंटवारे को लेकर हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया। गुरुवार की देर रात हुए हमले में ×5 वर्षीय संजय सरोज की मौत हो गई। मामले में गोपीगंज पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति-पत्नी को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त लोहे की हिकनी (नुकीली रॉड) और हंसिया बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार, संसारापुर निवासी संजय सरोज चार भाइयों में सबसे छोटे थे और रोजी-रोटी के लिए मुंबई में रहते थे। वह 24 जून को ही घर लौटे थे। गुरुवार रात पैतृक मकान के कमरों के बंटवारे को लेकर परिवार में विवाद हुआ, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि बड़े भाई ललऊ सरोज और उसकी पत्नी चंदा सरोज ने सूकर मारने में प्रयुक्त लोहे की हिकनी से संजय के सीने पर वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल संजय को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पत्नी सावित्री देवी की तहरीर पर थाना गोपीगंज में मुकदमा अपराध संख्या 258/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105, ×51(×) एवं ×52 में मामला दर्ज किया गया। तहरीर में राजेंद्र उर्फ गोली सरोज, ललऊ सरोज तथा चंदा देवी को नामजद किया गया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण में गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए फरार आरोपी ललऊ सरोज (45 वर्ष) और उसकी पत्नी चंदा सरोज (4× वर्ष) को संसारापुर मेन रोड से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लोहे की हिकनी और हंसिया भी बरामद कर लिया गया। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। घटना की सूचना पर पहुंची पीआरबी टीम पर भी हमले की चर्चा है। बताया गया कि इस दौरान पीआरबी के कर्मचारी वीरेंद्र कुमार द्विवेदी को हल्की चोटें आई तथा उनका सरकारी मोबाइल भी क्षतिग्रस्त हो गया। मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी चमन सिंह चावड़ा ने स्थिति को नियंत्रित किया। हालांकि पुलिस की ओर से इस संबंध में अलग से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। संजय सरोज अपने पीछे पत्नी सावित्री देवी, 10 वर्षीय पुत्र दीपक, 8 वर्षीय पुत्री राखी तथा 5-6 वर्षीय पुत्र सूरज को छोड़ गए हैं। परिजनों के अनुसार संजय ही परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनकी मौत के बाद परिवार के सामने भरण-पोषण का संकट खड़ा हो गया है। परिजनों ने शासन से आर्थिक सहायता और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में निरीक्षक विजय प्रताप सिंह, उपनिरीक्षक विनोद तिवारी, आरक्षी सोनू तथा महिला आरक्षी 'योति राम शामिल रहीं। पुलिस मामले के अन्य नामजद आरोपियों की तलाश में जुटी है।

संक्षिप्त खबरें

एक करोड़ से अधिक का गांजा बरामद, अंतर्राज्यीय तस्कर 'पहलवान' गिरफ्तार

एसटीएफ प्रयागराज की बड़ी कार्रवाई

प्रयागराज। नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एसटीएफ प्रयागराज यूनिट को बड़ी सफलता मिली है। टीम ने अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी गिरोह के सक्रिय सदस्य अमरजीत यादव उर्फ 'पहलवान' को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 439 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। बरामद गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग एक करोड़ दस लाख रुपये बताई जा रही है। एसटीएफ को गोपनीय सूचना मिली थी कि उड़ीसा के रायगढ़ क्षेत्र से भारी मात्रा में गांजा एक डीसीएम टाटा ट्रक में लोड कर उत्तर प्रदेश की ओर भेजा जा रहा है। यह खेप सोनभद्र के रास्ते मीरजापुर पहुंचने वाली थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एसटीएफ प्रयागराज की टीम ने संभावित मार्गों पर निगरानी बढ़ाई और घेराबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोक लिया। वाहन की गहन तलाशी लेने पर उसमें बड़ी मात्रा में छिपाकर रखा गया गांजा बरामद हुआ। मौके से वाहन चालक एवं तस्कर अमरजीत यादव उर्फ पहलवान को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी से तस्करी के नेटवर्क, आपूर्ति श्रृंखला तथा गिरोह से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की बात सामने आई है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी उड़ीसा से गांजा लाकर उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में उसकी आपूर्ति करता था। पुलिस अब इस पूरे अंतर्राज्यीय नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है और यह पता लगाया जा रहा है कि इस खेप को किन लोगों तक पहुंचाया जाना था।

शाइन सिटी कंपनी का असिस्टेंट डायरेक्टर गिरफ्तार

प्रयागराज। सस्ते आवास और आकर्षक निवेश योजनाओं का झांसा देकर लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी करने के चर्चित शाइन सिटी कंपनी प्रकरण में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) को बड़ी सफलता मिली है। एसटीएफ ने कंपनी के असिस्टेंट डायरेक्टर मो. शमशाद अंसारी को प्रयागराज के उतरांव क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और उसके विरुद्ध विभिन्न जनपदों में दर्ज धोखाधड़ी के मामलों में कार्रवाई की जा रही थी। जानकारी के अनुसार, मो. शमशाद अंसारी प्रयागराज के शिवकुटी थाना क्षेत्र स्थित नया पुरवा कमला नगर का निवासी है। उसके खिलाफ सुल्तानपुर में दर्ज एक ठगी के मुकदमे में एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। एसटीएफ को उसकी लंबे समय से तलाश थी और लगातार निगरानी के बाद उसे उतरांव क्षेत्र से दबोच लिया गया। पुलिस के अनुसार, शाइन सिटी कंपनी ने लोगों को कम कीमत पर प्लॉट, मकान और निवेश पर अधिक लाभ का लालच देकर बड़ी संख्या में निवेश कराया था। बाद में कंपनी के जिम्मेदार पदाधिकारी धनराशि लेकर फरार हो गए, जिससे हजारों निवेशकों की मेहनत की कमाई फंस गई। इस मामले में प्रदेश के विभिन्न जिलों में कई मुकदमे दर्ज हैं और कंपनी के अन्य पदाधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई जारी है।

प्रयागराज के फाफामऊ में रेलवे लाइन दोहरीकरण को हरी झंडी, अब आउटर पर नहीं रुकेंगी ट्रेनें व स्पीड भी बढ़ेगी

प्रयागराज। गंगापार के फाफामऊ में रेलवे लाइन डबल होते ही प्रतापगढ़, कानपुर, लखनऊ और जौनपुर की तरफ आने-जाने वाली ट्रेनों की रफ्तार बढ़ जाएगी और यात्रियों को अब आउटर पर घंटों खड़े होकर इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इस बड़ी राहत को जमीन पर उतारने की कवायद शुरू हो गई है। इसी क्रम में गुरुवार को एनआइसी सभागार में एक बैठक हुई। डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में नार्दन रेलवे लखनऊ डिवीजन, राजस्व व अन्य संबंधित विभागों के अफसर भी शामिल रहे। इस दौरान फाफामऊ-बाईपास रेलवे लाइन के दोहरीकरण की प्रस्तावित परियोजना के एलाइनमेंट यानी नक्शे को अंतिम रूप देने पर विस्तार से चर्चा की गई। यह पूरी परियोजना फाफामऊ बाईपास ए-केबिन से लेकर फाफामऊ बाईपास बी-केबिन तक कुल 2.736 किलोमीटर लंबी है। इसे पूरा करने के लिए फाफामऊ, बहमलपुर, कोरसंद और रंगपुरा जैसे इलाकों में लगभग 10,225 वर्ग मीटर भूमि का अधिग्रहण किया जाना है। बैठक में डीएम ने परियोजना से जुड़े तमाम तकनीकी और प्रशासनिक बिंदुओं की गहन समीक्षा की। अधिकारियों से कहा कि एलाइनमेंट को फाइनल करने की प्रक्रिया में जो भी जरूरी सूचनाएं चाहिए, उन्हें समय पर उपलब्ध कराया जाए। काम में आने वाली किसी भी बाधा का तुरंत समाधान निकाला जाए। बैठक में रेलवे के अधिकारियों ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से इस पूरी योजना की वर्तमान स्थिति और डीपीआर की जानकारी दी।

वाराणसी में चिकन-शराब पार्टी के आरोपियों को 24 घंटे में जमानत, इफ्तार मामले में 2 महीने जेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। गंगा नदी में नाव पर पार्टी करने के दो अलग-अलग मामलों में आरोपियों को जमानत देने के अलग-अलग मानदंड पर बहस तेज है। कथित तौर पर बीजेपी पार्षद की नाव पर चिकन और शराब की पार्टी करने वाले पांच आरोपियों को महज 24 घंटे के अंदर जमानत मिल गई। वहीं, मार्च 2026 में नाव पर इफ्तार पार्टी और बिरयानी खाने के मामले में 14 मुस्लिम युवकों को दो महीने जेल में रहना पड़ा था। उनकी जमानत निचली अदालतों ने पहले खारिज कर दी थी, बाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जमानत दी। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें गंगा नदी में नाव पर कुछ लोग चिकन बना रहे थे और शराब पी रहे थे। आजतक की रिपोर्ट के अनुसार वीडियो के साथ वायरल संदेश में दावा किया गया कि बीजेपी के मनोनित पार्षद अगस्तकुंडा क्षेत्र के सत्यनारायण साहनी उर्फ तन्ना की नाव पर पवित्र गंगा की लहरों पर न केवल मांस पकाया जा रहा है, बल्कि शराब पार्टी चल रही है। हालाँकि, पार्षद की नाव होने की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि पार्षद खुद नाव पर मौजूद नहीं थे और नाव किसकी है, इसको पुष्ट करने के लिए जांच चल रही है। इस वीडियो के आधार पर वाराणसी के दशाश्वमेध थाने में धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने का मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने दीपक कुमार, अजय साहनी, अरुण कुमार साहनी, अनुराग निषाद और राहुल साहनी नाम के पांच लोगों को गिरफ्तार किया। रिपोर्टों में कहा गया कि ये सभी रामनगर क्षेत्र के रहने वाले हैं और नाव चलाकर अपना गुजारा करते हैं। गिरफ्तारी के अगले दिन बुधवार को इन्हें कार्यपालक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया। अदालत ने सभी को 20-20 हजार रुपये की दो जमानतें और मुचलका भरने पर रिहा कर दिया। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार वाराणसी की एसीजेएम अदालत ने जमानत देते हुए कहा कि आरोपियों का आपराधिक इतिहास नहीं है, वे जांच में सहयोग कर रहे हैं और जमानत पर रिहा होने से साक्ष्यों से छेड़छाड़ या फरार होने की आशंका नहीं है। पुलिस ने उनकी नाव भी जब्त कर ली है। ईटीवी की रिपोर्ट के अनुसार एसीपी दशाश्वमेध अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि वीडियो लगभग 6 महीने पुराना है। आरोपी खुद वीडियो बना रहे थे और एक-दूसरे का परिचय भी दे रहे थे। सोशल मीडिया पर इस मामले की तुलना तीन महीने पहले आए इफ्तार पार्टी के मामले से की जा रही है। मार्च 2026 में गंगा नदी में नाव पर इफ्तार पार्टी करने और बिरयानी खाने के आरोप में 14 मुस्लिम युवकों को 17 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। 23 मार्च को वाराणसी की अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। तब न्यायालय ने अभियोजन और अभियुक्त पक्ष की दलील सुनने के बाद अपने आदेश में उल्लेख किया कि अभियुक्तों के ख़िलाफ़ प्रथम दृष्टया गंभीर आरोप स्थापित होते हैं और विवेचना की वर्तमान स्थिति को देखते हुए ज़मानत का कोई पर्याप्त आधार नहीं बनता। इसके बाद 1 अप्रैल को सेशन कोर्ट ने भी जमानत देने से मना कर दिया था। लगभग दो महीने जेल में रहने के बाद मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुँचा था। 15 मई 2026 को हाईकोर्ट ने 8 आरोपियों को जमानत दी। 19 मई को बाकी 6 को भी जमानत मिल गई। तब कोर्ट ने कहा कि जब पहले 8 लोगों को जमानत मिल चुकी है तो बाकी को भी समान आधार पर राहत मिलनी चाहिए। इस मामले में कोतवाली थाने में बीजेपी युवा मोर्चा के नगर अध्यक्ष रजत जायसवाल की शिकायत पर FIR दर्ज की गई थी।

'लड़के रिजेक्शन बर्दाश्त नहीं कर पाते': क्लासरूम मर्डर केस पर कोर्ट ने 'भारी मन' से फैसला सुनाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। कुछ पुरुषों द्वारा रिजेक्शन बर्दाश्त न कर पाने की परेशान करने वाली सोच के कारण एक होनहार युवा महिला की जान चली गई, इस बात पर हैरानी जताते हुए मद्रास हाई कोर्ट ने 2016 में क्लासरूम के अंदर अपनी क्लासमेट की हत्या करने वाले इंजीनियरिंग छात्र की सज़ा और उम्रकैद को बरकरार रखा है। 'भारी मन' से फैसला लिखते हुए, कोर्ट ने उन स्टूडेंट गवाहों की भी आलोचना की जो ट्रायल के दौरान अपने बयान से मुकर गए थे; कोर्ट ने कहा कि उन्होंने पीड़िता को 'निराश' किया। जस्टिस एन आनंद वेंकटेश और के के रामकृष्णन की बेंच ने कहा कि आरोपी की बेरहम और लापरवाह हरकत ने महिला के बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने की उम्मीद को 'छीन लिया '। साथ ही, कोर्ट ने कड़े शब्दों में कहा कि शिक्षा उन साथी छात्रों का चरित्र बनाने में नाकाम रही जो गवाही से मुकर गए थे और इस घटना ने उनकी 'कायरता' को उजागर कर दिया। 15 जून के आदेश में कहा गया, 'इस कोर्ट को यह बात कड़े शब्दों में कहनी पड़ रही है क्योंकि यह बहुत निराशाजनक है कि जिन छात्रों ने घटना को अपनी आँखों के सामने होते देखा था, उन्होंने कोर्ट में अलग कहानी बताई। भारी मन से, कोर्ट को यह कहना पड़ रहा है कि छात्रों ने सच का साथ देने के अपने कर्तव्य को निभाने में नाकाम रहे। ' प्रॉसिक्यूशन का आरोप था कि तीसरे साल की BE सिविल इंजीनियरिंग की छात्रा और उसी ब्रांच में पढ़ने वाला आरोपी एक-दूसरे के करीब थे, लेकिन जब छात्रा ने दूरी बनानी शुरू की, तो आरोपी नाराज़ और परेशान हो गया। जस्टिस एन आनंद वेंकटेश और के के रामकृष्णन ने कहा कि स्टूडेंट गवाह कम से कम कोर्ट के सामने सच तो बोल ही सकते थे। खराब रिश्ते का दुखद अंतः बेरहमी से हत्या। 30 अगस्त 2016 को महिला एक क्लास में मौजूद थी, तभी आरोपी कथित तौर पर क्लासरूम में घुसा, उसके साथ बदसलूकी की और लकड़ी के लट्ठे से उसके सिर पर कई बार वार किया। बीच-बचाव करने की कोशिश करने वाले एक असिस्टेंट प्रोफेसर को भी चोटें आईं। इस बीच, आरोपी ने क्लास को धमकाया और वहां से भाग गया। इसके बाद महिला को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। उसकी मौत के बाद, पुलिस ने मामले को हत्या की कोशिश से बदलकर हत्या का मामला बना दिया और उसी दिन आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। हत्या में इस्तेमाल हथियार बरामद कर लिया गया और मेडिकल सबूतों से पता चला कि महिला के सिर की हड्डी कई जगहों से टूट गई थी और उसे गंभीर चोटें आई थीं। आखिरकार पुलिस ने हत्या, बिना इजाज़त घुसने, चोट पहुंचाने, आपराधिक धमकी देने और अश्लील भाषा का इस्तेमाल करने जैसे अपराधों के लिए चार्जशीट दाखिल की।

कमर्शियल LPG ग्राहकों को राहतः केंद्र ने हटाई पाबंदियां; दाम घटाने पर फ़ैसला नहीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम कम होकर ईरान युद्ध के पूर्व स्तर तक आने पर डीजल-पेट्रोल-गैस के दाम करने का दबाव झेल रही केंद्र सरकार ने होटल, रेस्तरां, छोटे कारोबार और उद्योगों के लिए बड़ी राहत का ऐलान किया है। सरकार ने गैर-घरेलू एलपीजी की आपूर्ति पर लगाई गई सभी क्षेत्रीय पाबंदियां हटा दी हैं। अब कमर्शियल उपभोक्ताओं को मध्य पूर्व संकट से पहले की तरह सामान्य गैस सप्लाई मिल सकेगी। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब होर्मुज से आवाजाही बहाल हो गई है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें ईरान युद्ध से पहले के स्तर के करीब लौट आई हैं। इंटरनेशनल ऑयल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स गिरकर 73.75 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। युद्ध शुरू होने से पहले ब्रेंट 72 डॉलर प्रति बैरल था। ग्लोबल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड ईरान युद्ध के दौरान 120 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया था। मई में इसकी औसत कीमत क़रीब 106 डॉलर प्रति बैरल और अप्रैल में 114 डॉलर प्रति बैरल थी। ईरान युद्ध के दौरान होर्मुज में आवाजाही रुकने के बाद भारत में डीजल-पेट्रोल और गैस की क़ीमतें बढ़ाई गई थीं और कमर्शियल एलपीजी गैस पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए थे। अब जब क्रूड ऑयल यानी कच्चे तेल के दाम युद्ध से पहले के स्तर के क़रीब आ गये हैं तो सरकार पर पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में राहत देने का दबाव भी बढ़ रहा है। हालांकि सरकार ने फिलहाल केवल आपूर्ति सामान्य करने का फैसला किया है, गैस की कीमतों में कटौती को लेकर कोई घोषणा नहीं की है।

पुरानी नियमावली से टीजीटी भर्ती की मांग पर सोमवार को वार्ता, तब तक धरना स्थगित

प्रयागराज। अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक विद्यालयों में टीजीटी-पीजीटी के 23,775 से अधिक पदों पर पुरानी नियमावली से विज्ञापन जारी कराने की मांग को लेकर युवा मंच के नेतृत्व में चल रहा धरना रविवार तक स्थगित कर दिया गया। यह निर्णय सोमवार को जिलाधिकारी, अपर शिक्षा निदेशक (माध्यमिक), सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद एवं सिटी मजिस्ट्रेट के साथ युवा मंच से जुड़े प्रतियोगियों के प्रतिनिधिमंडल की होने वाली बैठक में समस्या के समाधान के आश्वासन के बाद लिया गया है। युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह ने बताया कि सोमवार की बैठक में यदि पुरानी नियमावली से विज्ञापन जारी कराने पर सहमति बन जाती है तो आंदोलन को लेकर सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। यदि अभ्यर्थियों के हितों की अनदेखी की गई, तो मंगलवार से धरना स्थल पर वृहद आंदोलन शुरू किया जाएगा।

उन्होंने कहा है कि वर्षों से पुरानी नियमावली के अनुसार तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के साथ बीच प्रक्रिया में नियम बदलना उनके साथ अन्याय है।

पी डब्लू डी की सड़क बनने के दूसरे दिन ही उढ़ने लगी- ग्रामीणों में आक्रोश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। वाराणसी जिलें का गाव पचायत बबतपुर नियार विकास खण्ड चोला पुर में सार्वजनिक निर्माण विभाग वाराणसी द्वारा एक साल से टूटी खराब जर्जर सड़क के मरम्मत के लिए काफी जाद्दोजहाद के बाद सार्वजनिक निर्माण विभाग ने काम शुरू किया। परन्तु सड़क बनने के दूसरे दिन ही सड़क उखड़ने लगी। गांव के विरोध और शिकायत के वाद कुछ मरम्मत का कार्य कियागया।सड़क के मरम्मत केलिए सरकार से छमाही तक आग्रह होता रहा तब कहीं काम शुरू हुआ। बताते चलें की गिव बाबतपुर गोमती नदी के किनारे बसा गांव है गोमती नदी पर सार्वजनिक निर्माण विभाग ने पुल भी बनाया है । जो गाजीपुर और बनारस को जोडता है। इतने महत्व की सड़क को सार्वजनिक निर्माण विभाग ने मात्र तीन मीटर चौहत्तर सेमी चौडा ही बनाया तथा पटरी सड़क की नही बनाया है जिसके कारण हर वारिस में सड़क टूट जाती है। सड़क पर चौबीस घन्टें गाड़ियों का आना जाना बनारस से गाजीपुर और गाजीपुर से बनारस लगा रहताहै हर रोज हजार की संख्या में वाहन चलते हैं इसी सड़क से गाव के लोग भी नियार बाजार और बनारस जाते हैं ।लड़के स्कूल भी जाते हैं वाहनों की भीड़ से पैदल चलना मुश्किल होगया है पटरी नहीं होने से कोई न कोई दूर्घटना आये दिन होती रहती है। गांव के लोगों की मांग है कि सड़क पर स्पीड ब्रेकर लगाया जाये परन्तु वह माना नहीं जा रहा है स्पीड ब्रेकर भी नहीं लगा साथ में पुल पर सीसीटी वी कैमरा और मास्क लाईट भी लगाया जाये जिससे अपराधी किस्म के लोगों की पहचान हो सके।गांव की महिलाओं लड़कियों के साथ रआये दिन सडक पर मोटर साइकिल सवार युवा छेड़छाड़ करके गाजीपुर भाग जाते है। बैरियर नहीं लगा होने से पुलिस केन रहने से गांव की महिलाओं लड़कियों से लूट छेडछड बढ़ने लगी है। पुल पर बैरियर कैमरा लाईट सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा लगाया जाये।तभी हर तरह की लूट बन्द हो सकतीं हैं यहां यह भीबतना जरूरी है कि सडका का टेन्डर पूरी सड़क बनाने के लिए हुआ था पटरी भी बननी थी परन्तु सौ मीटर सड़क बनी नहीं। पटरी दो

फीट दोनों तरफ बनी नहीं।आखिर पैसा कहां गया। यह दो जिलों को जोड़ने वाली सड़क की चौड़ाई कम कैसे कियागया। सार्वजनिक निर्माण मंत्री के हस्तक्षेप से सड़क का मरम्मत हुआ वह भी आधाअधूरा ही। लोगों की मांग है कि सार्वजनिक निर्माण विभाग सड़क पर वाहनों की संख्या के अनुसार चौड़ी करें?। साथ में पटरी का निर्माण बारिश होने से पहले किया जाये। तथा जो सौ मीटर सड़क नहीं बनाया है उसको पूरा किया जाये। सड़क की गुणवत्ता की भी जाच विशेषज्ञों की समिति करें।जिससे भविष्य में किसी तरह की कोई लापरवाही दो जिलों को जोड़ने वाली सड़क पर न हो।

पासपोर्ट, आधार, वोटर द्वष्ट नहीं...फिर कौन सा डॉक्यूमेंट भारतीय नागरिकता का असली सबूत?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर यह बात कही कि भारतीय पासपोर्ट एक यात्रा दस्तावेज है नागरिकता का सबूत नहीं. इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर खूब बहस छिड़ गई और लोग पूछने लगे कि अगर पासपोर्ट, आधार कार्ड और वोटर आईडी नागरिकता का सबूत नहीं हैं तो फिर असली सबूत क्या है। पासपोर्ट का नागरिकता का सबूत न होना कोई नई बात नहीं है. . पासपोर्ट को लेकर एक बात बार-बार कही जाती है कि यह किसी व्यक्ति की भारतीय नागरिकता का सबूत है, लेकिन कानूनी तौर पर यह बात सही नहीं है. पासपोर्ट सिर्फ एक यात्रा दस्तावेज है नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं. यह कोई नई बात नहीं है यह बात सालों से कानून में लिखी हुई है। पासपोर्ट एक्ट 1967 की धारा 20 में साफ लिखा है कि केंद्र सरकार चाहे तो किसी ऐसे व्यक्ति को भी पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज दे सकती है जो भारत का नागरिक नहीं है. शर्त सिर्फ यह है कि सरकार को लगे कि यह जनहित में जरूरी है. यानी कानून खुद मानता है कि पासपोर्ट और नागरिकता दो अलग अलग चीजें हैं. आम तौर पर भारतीय पासपोर्ट भारतीय नागरिकों को ही मिलता है, लेकिन यह कोई पूरी तरह से बंधा हुआ नियम नहीं है. धारा 20 के तहत इसमें छूट का प्रावधान है। साल 2013 में बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी अपने एक फैसले में यही बात साफ कही थी कि पासपोर्ट होने का मतलब यह नहीं है कि वह व्यक्ति भारत का नागरिक ही है. कोर्ट ने कहा था कि पासपोर्ट को नागरिकता के अंतिम सबूत के तौर पर नहीं देखा जा सकता। 26 जनवरी 1950 से 1 जुलाई 1987 के बीच भारत में जन्मे हर व्यक्ति को नागरिकता मिली. 1987-2003 के बीच माता या पिता में से एक के भारतीय नागरिक होने पर भी नागरिकता मिलती थी. 2003 के बाद दोनों माता-पिता भारतीय नागरिक हों या एक नागरिक हो और दूसरा अवैध प्रवासी न हो. विदेश में जन्मे बच्चे को भारतीय माता-पिता के आधार पर वंश से नागरिकता मिल सकती है, बशर्ते उसका जन्म एक वर्ष के भीतर भारतीय दूतावास में पंजीकृत कराया जाए। भारतीय मूल के लोगों के लिए या कुछ खास स्थितियों में आवेदन करके रजिस्ट्रेशन के जरिए नागरिकता मिल सकती है. कोई विदेशी नागरिक जो गैर कानूनी प्रवासी न हो, अगर भारत में लगातार बारह साल रहता

है तो केंद्र सरकार उसे नेचुरलाइजेशन सर्टिफिकेट दे सकती है. शपथ लेने के बाद वह व्यक्ति भारत का नागरिक बन जाता है। अगर कोई नया क्षेत्र भारत में शामिल होता है तो वहां के लोगों को भी सरकार आदेश के जरिए नागरिकता दे सकती है। भारतीय नागरिकता का कानूनी आधार नागरिकता अधिनियम, 1955 है, जो तय करता है कि कौन भारत का नागरिक है और नागरिकता पांच तरीकों से कैसे मिलती है. इन प्रक्रियाओं के बाद जारी सिटिजनशिप सर्टिफिकेट (नागरिकता प्रमाण पत्र) ही नागरिकता का औपचारिक प्रमाण होता है. पासपोर्ट, आधार, वोटर आईडी और पैन कार्ड केवल पहचान के दस्तावेज हैं. पासपोर्ट एक्ट, 1967 की धारा 20 के तहत विशेष परिस्थितियों में गैर-नागरिक को भी पासपोर्ट जारी किया जा सकता है, इसलिए पासपोर्ट नागरिकता का अंतिम कानूनी प्रमाण नहीं माना जाता।

भाजपा नेता संजय श्रीवास्तव को देखने पहुंचे महापौर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। प्रयागराज महापौर गणेश केसरवानी वरिष्ठ भाजपा नेता संजय श्रीवास्तव कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख जिला उपाध्यक्ष किसान मोर्चा के निवास पर पहुंचे।पिछले दिनों दुर्घटनाग्रस्त से घायल हुए संजय श्रीवास्तव का प्रयागराज महापौर गणेश केसरवानी सहित कई अतिविशिष्ट गणमान्य कार्यकर्ताओं के साथ नंदन तालाब निवास स्थल पहुंचकर संजय श्रीवास्तव का हाल-चाल लिया। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता,भाजपा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, भाजपा अल्पसंख्यक वरिष्ठ नेता काशी क्षेत्र,क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविन्दर सिंह,वरिष्ठ पार्षद वार्ड नंबर 81 मयंक यादव, सेक्टर प्रभारी प्रदीप तिवारी, पूर्व मंडल अध्यक्ष दिलीप केसरवानी,ई.सी.सी छात्रसंघ अध्यक्ष शिव शंकर दीक्षित, बेनी माधव मंदिर महंत पं. दामोदर प्रसाद तिवारी, महामंत्री पूर्व राम जी श्रीवास्तव, मंडल अध्यक्ष किसान मोर्चा नीरज शर्मा,महामंत्री सोमेश्वर नाथ, कृष्ण कुमार शुक्ला, जिला संयोजक बबलू तिवारी हरि कृष्णा तिवारी,हरमन जी सिंह आदि नेताओं ने स्वस्थ लाभ की कामना करते हुए संजय श्रीवास्तव के निवास स्थान पर आकर उनका हाल-चाल लिया।

वज्रपात की चपेट में आकर प्रयागराज में युवक की चली गई जान, कौशांबी में तीन गाय व मोर की मौत

शुक्रवार सुबह आसमान में छाए बादलों ने प्रयागराज और कौशांबी में बारिश शुरू कर दी। इसी दौरान वज्रपात भी हुआ। वज्रपात की चपेट में आने से प्रयागराज के उतरांव क्षेत्र में एक युवक की मौत हो गई। वहीं कौशांबी के कोखराज इलाके में तीन गाय और एक मोर की जान चली गई। उतरांव थाना क्षेत्र के रसूलपुर बारो गांव निवासी 22 वर्षीय धीरज भारतीया पुत्र स्वर्गीय दूधनाथ भारतीया शुक्रवार सुबह बारिश के बीच जानवरों को चारा डालने के लिए घर से बाहर निकला था। इसी दौरान वज्रपात की जद में आने से वह गंभीर रूप से गंभीर रूप से झुलस गया। परिवार के लोग उसे तत्काल शहर के निजी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। धीरज भारतीया चार भाइयों और तीन बहनों में चौथे नंबर पर था। वह मेहनत-मजदूरी करके परिवार का खर्च चलाने में सहयोग करता था। उसकी मौत से मां सुशीला देवी सहित पूरा परिवार गमगीन है। घटना के बाद गांव में भी शोक का माहौल है। धीरज भारतीया चार भाइयों और तीन बहनों में चौथे नंबर पर ?था। वह मेहनत-मजदूरी करके परिवार का खर्च चलाने में सहयोग करता था। उसकी मौत से मां सुशीला देवी सहित पूरा परिवार गमगीन है। घटना के बाद गांव में भी शोक का माहौल है।

बहरिया में शांतिपूर्ण माहौल में निकला मुहर्रम का ताजिया जुलूस

बहरिया (प्रयागराज)। मुहर्रम के अवसर पर बहरिया थाना क्षेत्र में ताजिया जुलूस शुक्रवार को पूरी श्रद्धा, अकीदत और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। क्षेत्र के विभिन्न गांवों और कस्बों से निकले ताजिए निर्धारित मार्गों से होते हुए अपने गंतव्य तक पहुंचे। जुलूस के दौरान बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए और पारंपरिक मातमी रस्में अदा की गईं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच के बीच चंपत राय और अनिल मिश्रा ने दिया इस्तीफा, ट्रस्ट छोड़ा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। अयोध्या के राम मंदिर दान चोरी मामले में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य चंपत राय और अनिल मिश्रा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। खबरों के अनुसार, एसआईटी (SIT) की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के बाद यह फैसला लिया गया। इस घटनाक्रम को जांच में हुई कार्रवाई से जोड़कर देखा जा रहा है। इससे पहले एसआईटी की सिफारिश पर इस मामले में पहली एफआईआर भी दर्ज की जा चुकी है। एसआईटी आरोपियों के बैंक खातों, संपत्तियों, मोबाइल रिकॉर्ड और कथित वित्तीय लेन-देन की जांच में जुटी हुई है। खबरों के मुताबिक, प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर जांच का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है। इसी बीच चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफों ने पूरे मामले को नई दिशा दे दी है और इसे जांच से जोड़कर देखा जा रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार का कहना है कि जांच में अगर किसी भी स्तर पर अनियमितता या जिम्मेदारी तय होती है, तो संबंधित लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार, कार्रवाई की जाएगी। अब निगाहें एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट पर टिकी हैं, जिससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि जांच का दायरा और बढ़ेगा या नहीं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद में 8 के ख़िलाफ़ FIR; आरोपियों में चंपत राय का सहयोगी भी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। राम मंदिर चढ़ावा चोरी में में कथित गबन के मामले में चौतरफा दबाव के बीच आख़िरकार गुरुवार को एफ़आईआर दर्ज हो गई। राम जन्मभूमि पुलिस स्टेशन में 8 नामजद आरोपियों और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की गई है। आरोपियों में चंपत राय का ड्राइवर रहे रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू भी शामिल हैं। यह FIR श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य श्री कृष्ण मोहन की शिकायत पर दर्ज हुई। ट्रस्ट ने स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम यानी एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की मांग की थी। इस कार्रवाई के बाद अखिलेश यादव ने बड़े लोगों को बचाए जाने का आरोप लगाया है। अखिलेश ने क्या आरोप लगाया है, ये जानने से पहले यह जान लें कि आख़िरि एफ़आईआर में क्या आरोप लगाए गए हैं और किनको आरोपी बनाया गया है। FIR में भारतीय न्याय संहिता की धारा 306 यानी आपराधिक विश्वास भंग करना, धारा 316(5), 317(4), 317(5) यानी धोखाधड़ी, धारा 61 और 3(5) यानी आपराधिक साजिश के आरोप लगाए गए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर यह मुकदमा दर्ज किया गया है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार नामजद आरोपियों में रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू, अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, मनीष यादव, रामशंकर मिश्रा, सुभाष और करुणेश हैं। एक आरोपी का नाम अभी तक पता नहीं चल सका है।

द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार एक अधिकारी ने बताया कि रामशंकर यादव ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के ड्राइवर हुआ करते थे और 2022 में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद से ही मंदिर के मैनेजमेंट से जुड़े हुए थे। मंदिर के चढ़ावे और चंदे में गड़बड़ी के आरोपों पर एफ़आईआर दर्ज किए जाने के बाद अखिलेश यादव ने बड़े लोगों के बचाए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'भाजपा राज में नाइंसाफ़ी की दिखेगी ये झांकी- फुनगी को फाँसी, शाखाओं को मिलेगी माफ़ी!' उन्होंने आगे कहा, 'जनता कह रही है कि पहले SIT के बहाने सारे सबूत साफ़ कर दिये गये होंगे और ये निश्चित कर लिया गया होगा कि कि

संक्षिप्त खबरें

रिमझिम बारिश से भीषण गर्मी से मिली राहत, किसानों के चेहरे खिले; पाकुड़िया बाजार में जलजमाव से बढ़ी

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंडः- 25 जून की संध्या को हुई रिमझिम बारिश ने पिछले कई दिनों से पड़ रही कड़ी धूप और भीषण गर्मी से लोगों को बड़ी राहत दी। हवा के साथ हुई झमाझम वर्षा से मौसम सुहाना हो गया, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। वहीं, इस बारिश से प्रखंड मुख्यालय पाकुड़िया सहित शहरपुर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में लगाए गए धान के बीजड़ों को भी काफी लाभ पहुंचा है। किसानों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। किसानों का कहना है कि समय पर हुई इस वर्षा से बीजड़ों को पर्याप्त नमी मिली है। उनका मानना है कि यदि आने वाले दिनों में भी समय-समय पर अच्छी वर्षा होती रही, तो इस वर्ष धान की बेहतर पैदावार की उम्मीद है। फिलहाल हल्की और नियमित बारिश धान के पौधों के लिए अत्यंत लाभदायक होगी। हालांकि, बारिश के बाद पाकुड़िया के सिद्धो-कान्हू चौक एवं बाजार के कई स्थानों पर जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। सड़कों पर पानी भर जाने से राहगीरों और दुकानदारों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने की मांग की है, ताकि बरसात के दिनों में इस समस्या से निजात मिल सके।

हजरत इमाम हुसैन की याद में मुस्लिम समुदाय ने निकाला ताजिया, बुधवाचक कर्बला मैदान में दिखी अकीदत

मंडरो, झारखंडः- मुहर्रम के अवसर पर हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की याद में मुस्लिम समुदाय ने पूरे एहतराम और अकीदत के साथ ताजिया निकाला। क्षेत्र के बुधवाचक, बडखोरी, फूलोलक्मी एवं मंडरो गांव में पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार ताजिया तैयार किया गया। शाम करीब 4:30 बजे सभी गांवों के ताजिया बुधवाचक स्थित कर्बला मैदान में एकत्र हुए, जहां बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग मौजूद रहे। इस दौरान अखाड़ा के युवाओं ने पारंपरिक खेल-करतब का शानदार प्रदर्शन किया, जिसे देखने के लिए दूर-दराज के गांवों से हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। मुहर्रम के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में पूरे क्षेत्र में गम और अकीदत का माहौल देखने को मिला। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हजरत इमाम हुसैन की कुर्बानी को याद करते हुए उन्हें खिराज-ए-अकीदत पेश की। आयोजन शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ और लोगों ने आपसी भाईचारे एवं अमन-चैन की दुआ की।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के 75 लाख आवेदन पूरे, 31 मार्च 2027 तक करें आवेदनः राहिनी सोलर

● एमएसएमई के लिए एलएंडटी सुफिन के साथ साझेदारी

जौनपुर, प्रतापगढ़ व गोहनिया में खुलेंगे नए सोलर आउटलेट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी,प्रयागराज। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। योजना के प्रति लोगों की बढ़ती जागरूकता के चलते आवेदनकर्ताओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। सरकार द्वारा निर्धारित एक करोड़ आवेदन के लक्ष्य के मुकाबले अब तक 75 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। योजना के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च 2027 निर्धारित की गई है। ऐसे में पात्र नागरिकों से समय रहते आवेदन कर योजना का लाभ उठाने की अपील की गई है।इसी क्रम में राहिनी सोलर ने उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले सोलर उत्पाद, विश्वसनीय सेवाएं और पारदर्शी प्रक्रिया उपलब्ध कराने का भरोसा जताया है। कंपनी का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ते हुए बिजली बिल में बचत और ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है।उत्तर प्रदेश के छोटे एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए भी एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए एलएंडटी सुफिन और राहिनी सोलर ने साझेदारी की है। इस सहयोग के तहत राहिनी इंटरप्राइजेज से जुड़े व्यवसायों को 20 लाख रुपये से अधिक तक की चैनल फाइनेंस सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।इससे व्यापारियों को कार्यशील पूंजी, स्टॉक प्रबंधन और कारोबार विस्तार में सहायता मिलेगी। इसके अलावा, राहिनी सोलर ने अपने 'गुड फील फैक्टर' अभियान के तहत जौनपुर, प्रतापगढ़ और गोहनिया में तीन नए सोलर आउटलेट

खोलने की घोषणा की है। इन आउटलेट्स पर ग्राहकों को टाटा पावर सोलर एवं हावेल्स के सोलर उत्पादों की जानकारी, तकनीकी परामर्श, गुणवत्तापूर्ण सेवाएं तथा उनकी आवश्यकता के अनुरूप उपयुक्त समाधान उपलब्ध कराए जाएंगे। राहिनी सोलर ने नागरिकों से अपील की है कि वे 31 मार्च 2027 से पहले प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना के लिए आवेदन कर स्वच्छ ऊर्जा अपनाएं तथा बिजली बिल में बचत का लाभ प्राप्त करें।

बेऊर जेल का बड़ा खुलासा! हर वार्ड में चल रहा था निजी मेस का खेल, बंदियों से होती थी हजारों की अवैध वसूली

पटना। पटना के केंद्रीय कारा बेऊर में हुई जांच में जेल के भीतर लंबे समय से चल रही गंभीर अनियमितताओं और अवैध वसूली के नेटवर्क का खुलासा हुआ है। गृह विभाग (कारा) की जांच रिपोर्ट के मुताबिक जेल के लगभग हर वार्ड में बंदियों द्वारा निजी मेस संचालित किए जा रहे थे। यह पूरा सिस्टम लंबे समय से जेल प्रशासन की जानकारी में चल रहा था। रिपोर्ट के अनुसार निजी मेस में अवैध रूप से हीटर लगाकर खाना बनाया जाता था। इसके बदले प्रत्येक बंदी से हर महीने 6 से 7 हजार रुपये तक वसूले जाते थे। जांच में यह भी सामने आया कि सरकारी व्यवस्था के समानांतर निजी भोजन व्यवस्था का पूरा नेटवर्क सक्रिय था। जांच टीम ने पाया कि निजी मेस को बढ़ावा देने के लिए सरकारी कैंटीन के भोजन की गुणवत्ता जानबूझकर खराब रखी गई थी। इतना ही नहीं, कैंटीन में रोजमर्रा की वस्तुएं अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से ज्यादा कीमत पर बेची जा रही थीं। खाद्य सामग्री और अन्य सामान से जुड़े ऑडिट रजिस्टर भी अपडेट नहीं मिले। जांच रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि कारा सेवा के कुछ अधिकारियों के अलावा संविदा पर कार्यरत दो आईटी प्रोग्रामर भी अवैध वसूली के नेटवर्क में शामिल थे। कार्रवाई करते हुए दोनों की सेवाएं समाप्त कर उन्हें बेल्ट्रान वापस भेज दिया गया है।

मुहर्रम के जुलूस में दर्दनाक हादसाः करंट लगने से 17 वर्षीय किशोर की मौत, परिवार में मचा कोहराम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। मुहर्रम की नौवीं के जुलूस के दौरान शुक्रवार सुबह प्रयागराज के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित सेवई मंडी इलाके में एक दर्दनाक हादसा हो गया। बारिश के बीच निकल रहे जुलूस के दौरान सड़क किनारे लगे बिजली के पोल में अचानक करंट उतर आने से 17 वर्षीय किशोर उसकी चपेट में आ गया। गंभीर रूप से झुलसे किशोर को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद जुलूस में अफरा-तफरी मच गई और पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, बहादुरगंज निवासी मोहम्मद हमजा (17 वर्ष) पुत्र काशिम मुहर्रम के जुलूस में शामिल था। सुबह से हो रही बारिश के कारण सड़कें और बिजली के खंभे भीग गए थे। इसी दौरान सेवई मंडी क्षेत्र में सड़क किनारे लगे एक बिजली के पोल में अचानक करंट प्रवाहित हो गया। अनजाने में पोल के संपर्क में आने से हमजा तेज करंट की चपेट में आ गया और मौके पर ही गंभीर रूप से झुलस गया। घटना होते ही जुलूस में शामिल लोगों और स्थानीय नागरिकों ने तुरंत उसे बचाने का प्रयास किया और आनन-फानन में कॉल्विन अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए स्वरूप रानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल रेफर कर दिया। एसआरएन अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। किशोर की मौत की खबर मिलते ही उसके परिवार में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

शहीद-ए-कर्बला हज़रत इमाम हुसैन की याद में पाकुड़िया में सामाजिक सौहार्द के साथ मनाया गया मुहर्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंडः- शहीद-ए-कर्बला हज़रत इमाम हुसैन और उनके साथियों की कुर्बानी की याद में शुक्रवार, 26 जून को पाकुड़िया प्रखंड सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में मुहर्रम का पर्व श्रद्धा, आस्था और सामाजिक सौहार्द के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मोमिन समाज के लोगों ने मर्सिया गाते हुए ताज़ियों के साथ जुलूस निकाला और कर्बला की शहादत को याद किया। मुहर्रम के अवसर पर पाकुड़िया, मोंगलाबांध, ढेकीडूबा, लकड़ापहाड़ी, सुंदरपुर, रापोखर, बागजोबरा, पलियादह, डोमनगढ़िया, मलिकपुर, फुलझिंझरी, धोबाना तथा गोपालनगर सहित कई गांवों में आकर्षक ताज़िए तैयार किए गए। पर्व को लेकर मुस्लिम समाज, विशेषकर बच्चों और युवाओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। विभिन्न गांवों से ताज़िए मर्सिया गाते हुए ग्राम भ्रमण के बाद पाकुड़िया स्थित कर्बला मैदान पहुंचे। इस दौरान युवाओं ने पारंपरिक लाठी एवं तलवारबाजी की कला

का प्रदर्शन कर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। ताज़ियों का पाकुड़िया बाजार में भी भ्रमण कराया गया। मुहर्रम के अवसर पर कर्बला मैदान में आयोजित मेले में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों के साथ बच्चे-बच्चियों ने भी भाग लिया। संध्या बेला में ताज़ियों को पुनः इमामबाड़ा लाकर धार्मिक परंपरा के अनुसार सुपुर्द-ए-खाक (दफन) किया गया। त्योहार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। थाना प्रभारी मनोज महतो के नेतृत्व में पुलिस बल ने फ्लैग मार्च निकाला तथा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए, जिससे पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

सिर्फ 1 रुपये में 15 एकड़ जमीन!

पटना। बिहार सरकार ने मुंगेर जिले के तारापुर में स्थित 15 एकड़ एक डिसमिल सरकारी जमीन ईशा फाउंडेशन को मात्र 1 रुपये के टोकन मूल्य पर लीज पर देने का फैसला किया है। यह जमीन किसी निजी व्यावसायिक परियोजना के लिए नहीं, बल्कि धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन केंद्र विकसित करने के उद्देश्य से दी गई है। सरकार के अनुसार इस जमीन पर आधुनिक सुविधाओं से लैस समेकित सांस्कृतिक, धार्मिक और पर्यटन केंद्र विकसित किया जाएगा। परियोजना के पूरा होने के बाद यह केंद्र श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए नया आकर्षण बनेगा। सरकार का लक्ष्य मुंगेर को बिहार के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थलों में शामिल करना है। तारापुर प्राचीन अंग क्षेत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा होने के साथ शिव परिपथ का प्रमुख पड़ाव भी है। सुल्तानगंज से देवघर तक जाने वाली विश्व प्रसिद्ध कांवर यात्रा का मार्ग भी यहीं से होकर गुजरता है। हर साल श्रावण महीने में लाखों श्रद्धालु इस मार्ग से यात्रा करते हैं। ऐसे में इस परियोजना से धार्मिक पर्यटन को नई पहचान मिलने की उम्मीद है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रथम दृष्टया व्यवस्था को असंवैधानिक माना

● 13 जुलाई को होगी अगली सुनवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी

ब्यूरो प्रयागराज- उत्तर प्रदेश की हजारों ग्राम पंचायतों को प्रभावित करने वाले एक महत्वपूर्ण मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को बड़ा झटका देते हुए ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त किए जाने के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। न्यायालय ने प्रथम दृष्टया इस व्यवस्था को संविधान और पंचायत राज अधिनियम की भावना के विपरीत माना है तथा आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाने का निर्देश दिया है।

मामला ग्राम पंचायतों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद मौजूदा ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त किए जाने से जुड़ा है। राज्य सरकार ने पंचायत चुनाव समय पर न होने के कारण 26 मई को ग्राम पंचायतों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद वर्तमान ग्राम प्रधानों को ही प्रशासक नियुक्त करने का आदेश जारी किया था, ताकि पंचायतों के दैनिक कार्य प्रभावित न हों। इसी आदेश को चुनौती देते हुए अरविंद राठौर ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता इम्तियाज़ हुसैन ने न्यायालय में पक्ष रखते हुए तर्क दिया कि पंचायत राज अधिनियम में इस प्रकार ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाए जाने का कोई प्रावधान नहीं है। उनका कहना था कि सरकार ने कानून के विपरीत जाकर आदेश जारी किया है, जो संविधान के विकेंद्रीकरण और पंचायत व्यवस्था के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने प्रथम दृष्टया याचिकाकर्ता के तर्कों को गंभीर मानते हुए राज्य सरकार के आदेश के अमल पर अंतरिम रोक लगा दी। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई 13 जुलाई को निर्धारित की है। उस दिन राज्य सरकार अपना पक्ष रखेगी और मामले में आगे की सुनवाई होगी। इस अंतरिम आदेश का प्रभाव प्रदेश की हजारों ग्राम पंचायतों पर पड़ सकता है, क्योंकि राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किए गए प्रशासकों की व्यवस्था फिलहाल न्यायिक परीक्षण के दायरे में आ गई है। अब सभी की निगाहें 13 जुलाई को होने वाली अगली सुनवाई पर टिकी हैं, जहां इस मामले में आगे की कानूनी दिशा तय होगी।

इलाहाबाद में मुहर्रम का उठा ऐतिहासिक 'बुड्ढा ताजिया', चौक से कर्बला तक उमड़ा जनसैलाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। मुहर्रम की दसवीं (यौम-ए-आशूरा) पर इलाहाबाद शहर का ऐतिहासिक 'बुड्ढा ताजिया' पूरे अकीदत और पारंपरिक शान के साथ निकाला गया। चौक क्षेत्र से शुरू हुआ यह जुलूस निर्धारित मार्गों से होता हुआ कर्बला पहुंचा, जहां धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार ताजिए को सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इस दौरान पूरे मार्ग पर हजारों की संख्या में अकीदतमंदों और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। जुलूस में या हुसैन की सदाओं के बीच मातम और नौहाख्वानी का सिलसिला चलता रहा। विभिन्न अंजुमनों ने अपने-अपने अंदाज में मातमी प्रदर्शन कर कर्बला के शहीदों, विशेषकर हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत को याद किया। जगह-जगह लोगों ने जुलूस का स्वागत किया और फूल बरसाकर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। चौक से लेकर कर्बला तक पूरे मार्ग पर सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों की ओर से लंगर और

सबील का व्यापक प्रबंध किया गया। अकीदतमंदों और राहगीरों को शरबत, ठंडा पानी, दूध, चाय तथा अन्य खाद्य सामग्री वितरित की गई। बड़ी संख्या में लोगों ने लंगर में शामिल होकर सेवा कार्य में योगदान दिया, जिससे आपसी भाईचारे और गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरत मिसाल देखने को मिली। जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद रही। पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी लगातार भ्रमण कर स्थिति पर नजर बनाए रहे। प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल, पीएसी तथा अन्य सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई थी। सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के माध्यम से भी निगरानी की गई, जिससे पूरा आयोजन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। मुहर्रम की दसवीं पर निकले इस ऐतिहासिक बुड्ढा ताजिया के जुलूस ने एक बार फिर प्रयागराज की सदियों पुरानी धार्मिक परंपरा, सांप्रदायिक सौहार्द और गंगा-जमुनी संस्कृति को जीवंत कर दिया। श्रद्धा, अनुशासन और सेवा भाव के साथ संपन्न हुआ यह आयोजन शहरवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा।

जिला वृक्षारोपण समिति, जिला गंगा समिति, जिला पर्यावरण समिति की बैठक सम्पन्न

● जिलाधिकारी ने वृक्षारोपण हेतु स्थल चयन, गड्ढ़े की खुदाई व अन्य सम्बंधित कार्य योजना की सूचना तत्काल उपलब्ध कराने केदिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में गुरुवार को संगम सभागार में जिला वृक्षारोपण समिति, जिला गंगा समिति, जिला पर्यावरण समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी के द्वारा वर्ष 2026 में आयोजित होने वाले वृक्षारोपण अभियान की तैयारियों एवं विभागों को आवंटित लक्ष्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों से उनके द्वारा वृक्षारोपण हेतु चिन्हित स्थलों, चिन्हित स्थल का क्षेत्रफल, वृक्षारोपण हेतु लक्ष्य के सापेक्ष खोदे गये गड्ढ़ो की संख्या तथा चिन्हित स्थल पर किस विधि से व कितने पौधों का रोपण किया जायेगा, की जानकारी लेते हुए उन्होंने सभी अधिकारियों को वृक्षारोपण कराये जाने हेतु लक्ष्य के अनुसार स्थल चयन, गड्ढ़ें की खुदाई एवं अन्य आवश्यक तैयारियां कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह के बाद पुनः तैयारियों की समीक्षा की जायेगी। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण करने के साथ-साथ उनके संरक्षण व संवर्धन की व्यवस्था भी की जाये, जिससे उनको सूखने से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि इस कार्य को सिर्फ विभागीय जिम्मेदारी के रूप में नहीं, बल्कि प्रकृति के संरक्षण हेतु अपनी नैतिक जिम्मेदारी के रूप में लें तथा ज्यादा से ज्यादा लोगो को भी वृक्षारोपण कराये जाने के लिए प्रेरित करने के लिए कहा है। सभी सम्बंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि जिन विभागों के द्वारा ज्यादा पौधरोपण किया जाना है, वे पहले से ही उसकी मांग वन विभाग को प्रेषित कर दें। उन्होंने रोपित किए जाने वाले पौधों की सिंचाई की व्यवस्था। अधिकारियों को स्थानीय नर्सरी से समन्वय कर अच्छे गुणवत्ता के बड़े पौधों की उठान कराये जाने के लिए कहा है। गंगा नदी एवं उनकी सहायक नदियों पर कोई भी स्थायी या अस्थायी कार्य किए जाने के पूर्व ही राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) से अनुमति लिया जाना आवश्यक है, इसलिए कोई भी विभाग जैसे-पीडब्लूडी, सेतु निगम, एनएचआई व अन्य विभाग यदि कोई भी निर्माण कार्य गंगा नदी या उनकी सहायक नदियों पर या बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में करवाते है, तो कार्य के निर्माण से पूर्व ही इस सम्बंध में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन से अनुमति प्राप्त करने हेतु जिला गंगा समिति के माध्यम से अनिवार्य रूप से प्रस्ताव प्रेषित करायें। बैठक में जिलाधिकारी ने प्रभागीय वनाधिकारी को इको सेंसिटव जोन बनाये जाने हेतु स्थल का चयन सुनिश्चित कराते हुए इस सम्बंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी अरविंद कुमार यादव सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे जिला पर्यावरण समिति की बैठक में सिंगल यूज प्लास्टिक के विरूद्ध 05 जून से 21 जून, 2026 तक चलाये गये विशेष अभियान में नगर निगम व अन्य सम्बंधित विभागों के द्वारा की गयी कार्यवाही की जानकारी लेते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक के विरूद्ध लगातार कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। चाइनिज मांझे के भण्डारण, परिवहन व बिक्री पर रोक लगाये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के लिए कहा है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी अरविंद कुमार यादव सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मंडलायुक्त ने निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति प्रतापगढ़ में तीन सीएचसी के निर्माण कार्यों की प्रगति की कि समीक्षा

● प्रयागराज मेडिकल कॉलेज की परियोजनाओं में विलंब पर कार्यदायी संस्थाओं को लगाई फटकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता में प्रयागराज मंडल के चारों जनपदों में निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं द्वारा कराए जा रहे कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विस्तृत परीक्षण किया गया। नेहरू मेडिकल कॉलेज, प्रयागराज के अंतर्गत लगभग 181.60 करोड़ रुपये लागत की 17 निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान पाया गया कि कई परियोजनाओं की प्रगति अपेक्षित स्तर से कम है तथा कार्य निर्धारित समय-सीमा से पीछे चल रहे हैं। इस पर मंडलायुक्त ने उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल), यूपी सिडको तथा राष्ट्रीय निर्माण निगम के अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाकर उन्हें निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण कराने के निर्देश दिए। प्रतापगढ़ जनपद में राजकीय निर्माण निगम द्वारा कराए जा रहे तीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) के निर्माण कार्यों तथा मोतीलाल

नेहरू मेडिकल कॉलेज, प्रयागराज में क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल, 50 यूजी सीटों की वृद्धि हेतु भवन निर्माण, 49 पीजी सीटों की वृद्धि के सापेक्ष भवन निर्माण एवं कार्डियोलॉजी विभाग के द्वितीय तल के निर्माण कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति अत्यंत धीमी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि परियोजनाओं में शीघ्र अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित न होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी। बैठक में उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम द्वारा कराई जा रही लगभग 1710.90 करोड़ रुपये लागत की 18 निर्माणाधीन परियोजनाओं की। चारों जनपदों में इन औसत वित्तीय प्रगति मात्र 61 प्रतिशत पाए जाने पर असंतोष व्यक्त करते हुए लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग द्वारा कराए जा रहे कार्यों की समीक्षा के दौरान अवगत कराया गया कि मंडल की कुल 248 परियोजनाओं में से 183 पूर्ण हो चुकी हैं, जबकि 65 परियोजनाएं अभी लंबित हैं। लंबित परियोजनाओं में प्रतापगढ़ की 33, प्रयागराज की 16, कौशाम्बी की 14 तथा फतेहपुर की 2 परियोजनाएं शामिल हैं। प्रयागराज जनपद की 16 लंबित परियोजनाओं में से 15 परियोजनाएं निर्माण खंड-3 द्वारा कराई जा रही हैं, जिनकी प्रगति अपेक्षाकृत धीमी पाई गई। एक ही निर्माण खंड के अंतर्गत बड़ी संख्या में कार्यों की प्रगति संतोषजनक न होने पर मंडलायुक्त ने नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग को व्यक्तिगत स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने तथा सभी परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। निर्माण खंड-3 द्वारा कराए जा रहे सबसे धीमी प्रगति वाले कार्यों में प्रयागराज-बीमा प्रयागराज-लालापुर-इमलिया-कंजासा-भीटी मार्ग के किलोमीटर-1 पर सिंचाई विभाग की क्षतिग्रस्त पुलिया के स्थान पर आरसीसी बॉक्स कलवर्ट निर्माण तथा ग्राम सभा खखैंचा, बजती एवं कटेहरी के मध्य वरुणा नदी पर लघु सेतु, पहुंच मार्ग एवं अतिरिक्त पहुंच मार्ग का निर्माण शामिल है। इन कार्यों की प्रगति अत्यंत धीमी पाए जाने पर मंडलायुक्त ने विशेष नाराजगी व्यक्त की। बैठक में ईपीसी मॉडल के अंतर्गत लोक सेवा आयोग परिसर में निर्माणाधीन बहुमंजिला भवन, प्रयाग विधि विश्वविद्यालय में प्रस्तावित 12 भवनों, क्लाइव द्यश मंडलायुक्त ने निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्यों से संबंधित आवश्यक अनुमतियां, अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) एवं तकनीकी स्वीकृतियां समय रहते प्राप्त कर ली जाएं, ताकि कार्यों में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न न हो। मंडलायुक्त ने निर्देशित किया कि अधिकांश निर्माणाधीन परियोजनाओं को अगस्त से अक्टूबर, 2026 के मध्य पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी परियोजना के क्रियान्वयन में भूमि, अनुमति, समन्वय अथवा अन्य प्रशासनिक बाधाएं उत्पन्न होती हैं, तो संबंधित जिलाधिकारियों के माध्यम से उनका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया जाएगा।

साथ ही उन्होंने विभिन्न जनपदों में निर्माणाधीन एवं नव-निर्मित सड़कों के किनारे समुचित ट्री-गार्ड के साथ व्यापक वृक्षारोपण, हरित पट्टियों के वैज्ञानिक विकास तथा पर्यावरणीय सौंदर्यीकरण को भी प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

पटना मेट्रो एलिवेटेड कॉरिडोरः खेमनीचक-मीठापुर के बीच स्लैब का काम पूरा, ट्रैक बिछाने की तैयारी

पटना। राजधानी में निर्माणाधीन पटना मेट्रो परियोजना के पहले कॉरिडोर पर एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। खेमनीचक से मीठापुर के बीच एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए स्लैब रखने का कार्य पूरा कर लिया गया है। इसके साथ ही इस हिस्से में अब मेट्रो ट्रैक बिछाने की प्रक्रिया शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है। पटना मेट्रो के पहले कॉरिडोर पर एलिवेटेड सेक्शन का निर्माण तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिलर, यू-गर्डर और स्टेशन संरचनाओं के निर्माण के बाद अब परियोजना ट्रैक बिछाने जैसे महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर रही है। खेमनीचक से मीठापुर तक एलिवेटेड कॉरिडोर तैयार होने के बाद रेल पटरियां बिछाने, फास्टनिंग सिस्टम लगाने और अन्य तकनीकी कार्य शुरू किए जाएंगे। इसके बाद ओवरहेड इलेक्ट्रिफिकेशन, सिग्नलिंग, टेलीकम्युनिकेशन और ट्रायल रन की दिशा में काम आगे बढ़ेगा। परियोजना से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, ट्रैक बिछाने का कार्य चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा, ताकि निर्धारित समयसीमा के भीतर एलिवेटेड कॉरिडोर को परिचालन के लिए तैयार किया जा सके। निर्माण एजेंसियां स्टेशन भवनों के फिनिशिंग कार्य, विद्युत एवं यांत्रिक प्रणालियों की स्थापना और अन्य संबंधित कार्यों को भी समानांतर रूप से आगे बढ़ा रही हैं। पटना मेट्रो परियोजना के पूरा होने के बाद राजधानी के पूर्वी और मध्य हिस्सों के बीच आवागमन अधिक तेज, सुरक्षित और सुगम होगा। इससे सड़क यातायात पर दबाव कम होने के साथ प्रदूषण में भी कमी आने की उम्मीद है। खासकर खेमनीचक, मलाही पकड़ी, भूतनाथ रोड, जीरो माइल, न्यू बाइपास और मीठापुर जैसे क्षेत्रों के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

सफाई कर्मचारी संघ की ब्लॉक कार्यकारिणी हुई गठित

कोंच (जालौन)- उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ ब्लॉक कोंच की कार्यकारिणी का निर्वाचन निर्विरोध रूप से संपन्न हुआ। शुक्रवार को ब्लॉक कार्यालय में संपन्न निर्वाचन प्रक्रिया में अध्यक्ष संजय वाल्मीकि पड़री, मंत्री छुटई बाल्मीकि और कोषाध्यक्ष धीरेन्द्र वाल्मीकि भडारी को निर्विरोध रूप से चुन लिया गया। इस मौके पर मौजूद राजकुमार वाल्मीकि ,पंकज चौरसिया, रामबाबू वाल्मीकि, दीपू पेंटर कोंच, राजू अंडा, अशोक अंडा, रामजी गोरा, भईयन, गोपी चौधरी आदि ने नव नियुक्त पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया और मुंह मीठा कराया। नव नियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन से जुड़े सभी सदस्यों का हर स्तर पर सहयोग करने की बात कही। आभार दीपू पेंटर ने व्यक्त किया।

बद्री प्रसाद कॉलेज में नशा मुक्ति की ली शपथ

कोच (जालौन)- नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत सेठ बद्रीप्रसाद स्मृति महाविद्यालय में शुक्रवार को आयोजित गोष्ठी में महाविद्यालय स्टॉफ सदस्यों सहित छात्र छात्राओं ने नशा मुक्ति की शपथ ली। कॉर्डिनेटर कन्हैया नीखर ने दीप प्रज्वलन कर गोष्ठी की शुरुआत की। प्रभारी प्राचार्य डॉ बृजेंद्र सिंह ने उपस्थित छात्र छात्राओं को जागरूक करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार का नशा समूल नाश की जड़ है। तंबाकू, शराब सहित अन्य सभी प्रकार के नशे से संबंधित व्यक्ति के साथ ही घर, परिवार, रिश्तेदार को संकट और परेशानी से दो-चार होना पड़ता है। नशे के सेवन से देश में मृत्यु दर में बढ़ोत्तरी होना चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि हम सभी को स्वयं नशे से दूर रहकर औरों को नशे से दूर रखने के लिए प्रयास करना चाहिए। गोष्ठी के अंत में महाविद्यालय स्टॉफ सदस्यों सहित छात्र छात्राओं ने नशा मुक्ति की शपथ ली। इस मौके पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ हरिशंकर निरंजन, मनोज पटेल, राघवेंद्र, राधेश्याम, पूनम, मनोज श्रीवास्तव, जया सरोज, संतोष रायकवार, विवेक श्रीवास्तव, डॉ रामदेव, डॉ शिवम, कल्लू, संदीप, संजय, नन्हेराजा आदि उपस्थित रहे।

कोंच- एट शटल ट्रेन अब रोज लगाएगी पांच फेरा, इंटरसिटी से होगा मिलान

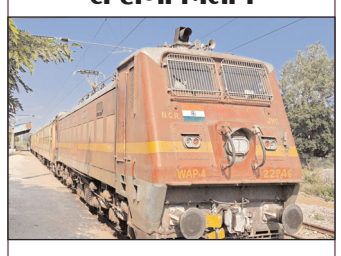

कोंच (जालौन)- सरसोकी तक संचालित हो रही कोंच शटल ट्रेन अब एक बार फिर अपनी पुरानी व्यवस्था में लौटने जा रही है। रेलवे ने शटल ट्रेन की समय सारणी में बदलाव करते हुए 29 जून से इसका संचालन फिर से एट-कोंच के बीच करने का निर्णय लिया है। अब शटल प्रतिदिन एट और कोंच के बीच पांच फेरे लगाएगी। रेलवे के इस निर्णय से यात्रियों को एट जंक्शन पर लंबी दूरी की ट्रेनों से बेहतर कनेक्टिविटी मिलने की उम्मीद है। उरई, कानपुर, झांसी, ग्वालियर, दिल्ली सहित अन्य स्थानों की यात्रा करने वाले यात्रियों को शटल ट्रेन के नए समय से सुविधा मिलेगी। कोंच-एट रेलखंड पर चलने वाली यह शटल ट्रेन ऐतिहासिक रेल सेवाओं में शामिल है। इसकी शुरुआत वर्ष 1902 में हुई थी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यात्रियों की सुविधा और एट जंक्शन पर अन्य ट्रेनों के संचालन को देखते हुए शटल ट्रेन की समय सारणी में बदलाव किया गया है। अब इसका संचालन इस तरह किया गया है कि यात्री अन्य प्रमुख ट्रेनों से आसानी से जुड़ सकें। गौरतलब है कि मार्च 2024 में कोंच शटल ट्रेन का संचालन एट से आगे बढ़ाकर सरसोकी तक कर दिया गया था। सरसोकी तक संचालन शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को जिला मुख्यालय तक रेल सुविधा मिलने लगी थी, लेकिन एट जंक्शन पर लंबी दूरी की ट्रेनों से शटल का समय मिलान प्रभावित हो रहा था। इसके चलते यात्रियों को कई बार परेशानी उठानी पड़ रही थी।

लखनऊ अग्निकांड के दिवंगत छात्रों को दुद्धी में दी गई भावभीनी श्रद्धांजलिः मासूम छात्रों की याद में उमड़ा जनसैलाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश- जनपद के दुद्धी क्षेत्र में शोक संवेदना और सामाजिक एकजुटता का भावुक दृश्य उस समय देखने को मिला जब लखनऊ के अलीगंज स्थित एक कोचिंग सेंटर में हुए दर्दनाक अग्निकांड में जान गंवाने वाले मासूम छात्रों की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा एवं कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। विश्व हिंदू महासंघ के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का नेतृत्व विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश किन्नर प्रकोष्ठ प्रयाग एवं काशी की क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर माँ किरन नंदगिरी ने किया। श्रद्धांजलि सभा महा मंडलेश्वर माँ किरन नंदगिरी के निवास स्थान पर आयोजित हुई, जहां बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं तथा किन्नर समाज के लोगों ने पहुंचकर दिवंगत छात्रों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। सभा के उपरांत निकाले गए कैंडल मार्च में सैकड़ों लोग हाथों में मोमबत्तियां लेकर मौन भाव से आगे बढ़ते रहे। पूरे क्षेत्र में शोक और संवेदना का माहौल बना रहा। मोमबत्तियों की रोशनी के बीच हर चेहरा इस दर्दनाक हादसे की पीड़ा को महसूस करता दिखाई दिया। कई लोगों की आंखें नम थीं और सभी ने एक स्वर में दिवंगत छात्रों के अधूरे सपनों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने संबोधन में महामंडलेश्वर माँ किरन नंदगिरी ने कहा कि लखनऊ की यह घटना अत्यंत दुखद और हृदय विदारक है। जिन बच्चों ने अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए सपने संजोए थे, उनका इस तरह असमय चले जाना पूरे समाज कीअपूरणीय क्षति है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा शोकाकुल परिवारों को इस कठिन समय में धैर्य और शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि यह हादसा केवल कुछ परिवारों का दुख नहीं बल्कि पूरे समाज की पीड़ा बन गया है। बेहतर शिक्षा और भविष्य की उम्मीद लेकर पढ़ाई कर रहे छात्रों की असामयिक मृत्यु ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर दिया है। ऐसे समय में समाज का एकजुट होकर पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा होना ही सच्ची मानवता है। रामभजन यादव ने कहा कि शिक्षा संस्थानों में सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने श्रद्धांजलि सभा में शामिल सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दुद्धी और रामनगर क्षेत्र के लोगों ने अपनी संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया है। कार्यक्रम में महंत लाडो नंदगिरी सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज को ऐसी घटनाओं से सीख लेते हुए सुरक्षा मानकों के प्रति अधिक जागरूक होना होगा। उन्होंने दिवंगत छात्रों के अधूरे सपनों को याद करते हुए उनके परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

श्रद्धांजलि सभा एवं कैंडल मार्च में मीरा नंदगिरी, सरस्वती नंदगिरी, चमेली नंदगिरी, सोनी नंदगिरी, सपना नंदगिरी, लक्ष्मी नंदगिरी सहित विश्व हिंदू महासंघ के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत छात्रों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए इस दुखद घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ अपनी संवेदनाएं साझा कीं।

एनटीपीसी धन्वन्तरि अस्पताल में रक्तदान शिविर आयोजित, केऔसुब जवानों ने किया रक्तदान

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश- बीजपुर स्थित एनटीपीसी धन्वन्तरि अस्पताल में शुक्रवार को आयोजित रक्तदान शिविर में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उप कमांडेंट प्रकाश के नेतृत्व में केऔसुब बल सदस्यों ने रक्तदान कर रक्तदान-महादान का संदेश दिया। इस अवसर पर उप कमांडेंट ने जवानों को रक्तदान के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि आपके द्वारा दिया गया रक्त किसी जरूरतमंद का जीवन बचा सकता है। उन्होंने सभी को नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित किया। शिविर में सहायक कमांडेंट पी. शिवा राव, अ.रक्षित निरीक्षक एम.पी. यादव, निरीक्षक पी.के. गोराई, निरीक्षक अग्नि रामाज्ञा मौर्या, आसूचना प्रभारी उप निरीक्षक दीपक कुमार पांडेय सहित कुल 18 बल सदस्यों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। एनटीपीसी प्रबंधन व अस्पताल प्रशासन ने केऔसुब के इस सराहनीय योगदान के लिए सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।

नम आँखों के साथ कर्बला में सुपुर्द-ए-खाक हुए ताजिये

● मोहर्रम की नौवीं और दसवीं पर पर ताजियों के साथ निकला मातमी जुलूस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच (जालौन): मैदान-ए-कर्बला में इंसानियत की रक्षा करते हुए शहीद हुए हजरत इमाम हुसैन और उनके अनुयायियों की याद में मुहर्रम जुलूस में शामिल लोगों की आंखें नम रहीं। नगर में ताजियों के साथ मातमी धुन पर ढोल बजाकर जुलूस निकाला गया। तमाम चौकों पर फातिहा के साथ मजलिस की गई। जुलूस में शामिल लोगों के लिए लंगर के इंतजाम भी किये गये थे।

मुहर्रम की नौंवी तारीख गुरुवार की रात मुहर्रम जुलूस चंदकुआ चौराहे से उठा जो सागर तालाब, मानिक चौक बाजार, लवली चौराहा, स्टेट बैंक होता हुआ अपने अपने चौकों पर पहुंचा। दसवीं तारीख शुक्रवार की सुबह जुलूस अपने अपने चौकों से उठकर बजरिया पावर हाउस पहुंचा जहां जुलूस ने मेले का रूप ले लिया। यहां पर मीर साहब अखाड़ा के सदर अनवार खलीफा व अन्य खिलाड़ियों ने करतब दिखाए। वहीं इसके बाद देर शाम मुहर्रम जुलूस मातमी धुन के साथ चलकर सागर तालाब पर पहुंचा जहां विशाल मेले के बाद देर रात नम आंखों से ताजियों को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। शहर काजी बशीरुद्दीन सहित सैंकड़ों लोग जुलूस के साथ साथ चल रहे थे। सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से सीओ परमेश्वर प्रसाद के निर्देशन में कोतवाल बृजेश बहादुर सिंह समस्त चौकी प्रभारियों सहित महिला व पुरुष सिपाहियों के साथ जुलूस में साथ रहे। आवारा जानवरों को रोकने के लिए पालिका के सफाई कर्मी भी जुलूस में मुस्तैद रहे।

48 घंटे बाद सोन नदी से तीसरे युवक का शव बरामद, तीन मौतों से मीतापुर क्षेत्र में पसरा मातम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चोपन/ सोनभद्र। स्थानीय थाना क्षेत्र के मीतापुर स्थित सोन नदी में डूबे तीसरे युवक का शव 48 घंटे से अधिक समय बाद बरामद कर लिया गया। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा लगातार आला अधिकारियो की देखरेख में चलाए जा रहे रेस्क्यू अभियान के बाद शुक्रवार को घटनास्थल से करीब 100 मीटर दूर गोठानी मंदिर के समीप नदी से शव बरामद किया गया। शव देखते ही परिजनों और ग्रामीणों में कोहराम मच गया। पुलिस ने परिजनों से पहचान कराने के बाद शव को तुरंत पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लोढ़ी भेज दिया। मृतक की पहचान 16 वर्षीय बोल बम केवट पुत्र लोधी निवासी मीतापुर के रूप में हुई है। इस हादसे में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। अन्य मृतकों की पहचान 18 वर्षीय संदीप निषाद पुत्र रविंद्र तथा 10 वर्षीय दीपक केवट पुत्र भगवान दास, दोनों निवासी मीतापुर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार मीतापुर निवासी रतन केवट की पुत्री के चौथी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए परिजन नदी किनारे पहुंचे थे। कार्यक्रम के दौरान दीपक और बोल बम सोन नदी में नहाने के लिए उतरे, लेकिन गहरे पानी में चले जाने से दोनों डूब गए। इसी दौरान संदीप निषाद की भी नदी में डूबने से मौत हो गई। संदीप की मौत को लेकर ग्रामीणों और प्रशासन के अलग-अलग दावे सामने आए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस के दौड़ाने से घबराकर संदीप ने नदी में छलांग लगा दी, जिससे उसकी डूबने से मौत हुई। हालांकि प्रशासन ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि संदीप की मौत भी नदी में नहाने के दौरान डूबने से हुई है। पुलिस का कहना है कि पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। उनका आरोप है कि निर्धारित क्षेत्र से बाहर लंबे समय से हो रहे अवैध बालू खनन के कारण सोन नदी कई स्थानों पर अत्यधिक गहरी और दलदली हो गई है, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। ग्रामीणों ने अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाने, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई में जुटी हुई है।

डाला में 20 लाख के जेवरात पार, चोरी और छिनैती की घटनाओं से लोगों में दहशत

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश- चोपन थाना क्षेत्र के डाला पुलिस चौकी अंतर्गत बाड़ी में बीती रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाया। चोर लाखों रुपये के जेवरात लेकर फरार हो गए। डाला बाड़ी निवासी मनोज चौबे के घर में यह वारदात हुई। चोरों ने घर के पीछे का दरवाजा तोड़कर प्रवेश किया और अलमारी में रखे लगभग 20 लाख रुपये मूल्य के जेवरात चुरा लिए। परिवार को शुक्रवार सुबह चोरी का पता चला, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। डाला पुलिस चौकी प्रभारी तत्काल मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और साक्ष्य जुटा रही है। चोरी हुए जेवरात में एक हार सेट, चार कंगन, चेन, मांगटीका, करधनी, पैजनिया, बिछिया, पायल, चांदी की थाली, पान, सुपारी और नारियल शामिल हैं। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है और चोरों की तलाश जारी है। डाला क्षेत्र में हाल के दिनों में चोरी और छिनैती की कई घटनाएं हुई हैं। स्थानीय लोगों ने इन घटनाओं पर चिंता व्यक्त की है। इससे पहले क्षेत्र में बाइक चोरी और मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला के गले से चेन छीनने की घटनाएं भी हुई थीं, जिनका अब तक खुलासा नहीं हो सका है।

महिला सुरक्षा और शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर जोर

● एसपी ने महिला थाने का किया औचक निरीक्षण

● मिशन शक्ति केन्द्र, साइबर हेल्प डेस्क और महिला हेल्प डेस्क की व्यवस्थाएं परखी

● लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक ने शुक्रवार को महिला थाना का आकस्मिक निरीक्षण कर थाना परिसर, कार्यालय, मिशन शक्ति केन्द्र, साइबर हेल्प डेस्क तथा महिला हेल्प डेस्क की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों की रोकथाम तथा शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना कार्यालय के अभिलेखों का अवलोकन किया। अभिलेख व्यवस्थित एवं अद्यतन पाए जाने पर संतोष व्यक्त करते हुए उनके नियमित रखरखाव के निर्देश दिए। इसके बाद थाना परिसर का भ्रमण कर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था तथा आगंतुकों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया और परिसर को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने पर बल दिया। एसपी ने मिशन शक्ति केन्द्र का निरीक्षण कर महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सहायता और शिकायत निस्तारण से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को महिला संबंधी मामलों में संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साइबर हेल्प डेस्क के निरीक्षण के दौरान अभिलेखों का रखरखाव व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही थाना क्षेत्र में बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान चलाने पर जोर दिया गया।

महिला थाना का निरीक्षण करते एसपी

उन्होंने आईजीआरएस पोर्टल पर लंबित शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने तथा शिकायतकर्ताओं से फीडबैक प्राप्त करने के निर्देश दिए। इसके अलावा लंबित विवेचनाओं का गुण-दोष के आधार पर शीघ्र निस्तारण करने और वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के अंत में पुलिस अधीक्षक ने महिला हेल्प डेस्क के अभिलेखों का निरीक्षण किया तथा उनके सुव्यवस्थित रखरखाव के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिला संबंधी शिकायतों का त्वरित, संवेदनशील एवं प्रभावी निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही महिलाओं की सुरक्षा और जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर जनसंपर्क एवं जागरूकता कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश भी दिए।

रेलवे स्टेशन पर भीषण गर्मी में राहगीरों को पिलाया गया शीतल शरबत

चोपन/सोनभद्र- भीषण गर्मी को देखते हुए C&W रेलवे चोपन की ओर से चोपन रेलवे स्टेशन परिसर में राहगीरों एवं आमजन के लिए शीतल शरबत वितरण का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य का उद्देश्य तेज गर्मी से राहत पहुंचाना और मानव सेवा की भावना को बढ़ावा देना था। इस पुनीत कार्य में ADME/C&W/CPU, CWS/ C&W/ CPU, COS/ C&W/CPU तथा TL&AC/CPU के कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से सहयोग करते हुए बड़ी संख्या में यात्रियों और राहगीरों को शीतल शरबत वितरित किया। कार्यक्रम में राधानंद गिरी भी अपनी पूरी टीम के साथ उपस्थित रहीं। उन्होंने इस सेवा अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाई और आयोजन से जुड़े सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे जनसेवा के कार्य समाज में मानवता और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। आयोजकों ने कहा कि 'मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।' इसी संकल्प के साथ भविष्य में भी जनहित एवं सेवा से जुड़े ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे। इस मौक़े पर एस एस विश्वकर्मा, सुधीर कुमार, अजित, राम गुलाम, शशिकांत, अजीत वर्मा, मनोज पासवान, राहुल शर्मा एवं विश्व हिन्दू संघ किन्नर सभा के जिलाध्यक्ष राधा नंद गिरी और उनके सहयोगी सहित मौजूद रहे।

एड. हृदेश यादव बने अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के जिलाध्यक्ष

● प्रदेशाध्यक्ष कप्तान सिंह यादव ने सौंपा दायित्व

● संगठन को मजबूत करने और समाज हित में कार्य करने की जताई उम्मीद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा उत्तर प्रदेश के संगठनात्मक विस्तार एवं सामाजिक गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से एड. हृदेश यादव को ललितपुर जिले का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन महासभा के प्रदेश अध्यक्ष कप्तान सिंह यादव द्वारा जारी पत्र के माध्यम से तत्काल प्रभाव से किया गया। जारी मनोनयन पत्र में प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि एड. हृदेश यादव की संगठन के प्रति सक्रियता, निष्ठा एवं समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवनियुक्त जिलाध्यक्ष संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने, समाज को संगठित करने तथा सामाजिक एवं जनहित के कार्यों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मनोनयन की सूचना मिलते ही यादव समाज एवं महासभा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। समर्थकों ने एड. हृदेश यादव को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष एड. हृदेश यादव ने प्रदेश अध्यक्ष कप्तान सिंह यादव सहित संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य जिले में संगठन को और अधिक मजबूत करना, समाज के सभी वर्गों को एकजुट करना, युवाओं को संगठन से जोड़ना तथा शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और समाजहित के कार्यों को प्राथमिकता देना होगा। उन्होंने कहा कि संगठन के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के सहयोग से ललितपुर में महासभा को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाया जाएगा, जिससे समाज के हितों की प्रभावी ढंग से रक्षा की जा सके।

या हुसैन या हुसैन की सदाओं से गूंजा शहर

● ताजिए कर्बला में सुपुर्दे खाक किए

● मोहर्रम में अजादारों ने निकाला जुलूस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुहर्रम के दौरान ताजिया निकालते ताजियादार

ललितपुर। दसवीं मोहर्रम शुक्रवार को शहर में यौम-ए-आशूरा का जुलूस निकाला गया। इस जुलूस में हजारों लोग शामिल हुए और अजाददारों का गम बांटा। शहर में यौम ए आशूरा का जुलूस कस्साब मंडी, घुसयाना, नेहरूनगर, सदनशाह, गोविंदनगर, नदीपुरा से सारे ताजियेदार अपने अपने ताजिये लेकर घंटाघर पहुंचे। यहां पर हजरत इमाम हुसैन की सदाओं की गूंज के साथ नदीपुरा इमामबाड़ा अखाड़ा व गोविंद नगर अखाड़ा, कसाई मंडी अखाड़ा के लोंगों ने हैरतअंगेज करतब भी दिखाए। इसके बाद जुलूस सावरकर चौक पहुंचा। देर रात कर्बला पहुंच कर ताजियों को सुपुर्द ए खाक किया। जिलाधिकारी सत्यप्रकाश व पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक जुलूस निगरानी करते रहे। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह, उप जिलाधिकारी सदर मनीष कुमार, क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार भारद्वाज सहित अन्य विभागों के अधिकारी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

घरों में रहकर की इबादत

मुस्लिम समुदाय के लोग घर पर ही रहकर इवादत कर रहे हैं। महिलाएं और बच्चियां भी शहादत नामा और मलशिये पड़ रहीं हैं। रोजे रखकर भी खुदा की इवादत की जा रही है। यह रोजे अनिवार्य यानी जरूरी नहीं हैं, लेकिन मुहर्रम के रोजों का बहुत सवाब है।

कर्बला में बहत्तर हुए थे शहीद

इस्लामी कैलेंडर के अनुसार मुहर्रम की 10 तारीख लोकतांत्रिक विश्व और आलमे-इस्लाम का अत्यंत दुखदायी और शोकपूर्ण दिन। इसी दिन आज से लगभग 1400 वर्ष पहले 680 ईसवी में इराक के करबला नामक स्थान पर पैगंबर-ए-इस्लाम के नवासे हजरत हुसैन (र.अ.) और उनके परिवार के कई अन्य सदस्यों को शहीद किया गया। 72 लोगों के हुसैनी काफिले में कुछ महिलाएं और हजरत हुसैन के बीमार बेटे हजरत जैनुल आबेदीन (र.अ.) ही बचे।

लंगर का किया एहतमाम

10 वीं मोहर्रम पर इमाम चौक नदीपुरा में सातवें मोहर्रम से खिचड़ा व शरबत का इमाम चौक नदीपुरा में एहतमाम किया जा रहा था। सदनशाह, कसाब मंडी, अजीतपुरा, गोविंद नगर, घंटाघर पर भी लंगर बंटवाया गया। लंगर की मान्यता है कि इसमें लंगर बांटने वाले को बहुत सवाब मिलता है। यह लंगर का एहतमाम सभी मुस्लिम समाज ने किया।

कंपनी परिसर से मशीनरी पार्ट्स चोरी करते युवक रंगे हाथ पकड़ा गया

ललितपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के चंदेरा बाईपास स्थित एक निजी कंपनी परिसर में चोरी की वारदात को अंजाम देने पहुंचे एक युवक को चौकीदार और कर्मचारियों ने रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी कंपनी के मशीनरी पार्ट्स दो बोरियों में भरकर ले जाने की कोशिश कर रहा था। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस आरोपी को चोरी के सामान सहित थाने ले आई और उसके खिलाफ बीएनएस की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नारायण सिंह बुंदेला एंड कंपनी झांसी के मैनेजर आजादपुरा निवासी रामप्रकाश राठौर ने बताया कि कंपनी की शाखा चंदेरा बाईपास स्थित है। शुक्रवार की रात करीब 12.30 बजे शाखा पर तैनात चौकीदार थाना पाली के बगरिया निवासी करन कुशवाहा कुछ देर के लिए चाय पीने बाहर गया था। वापस लौटने पर उसने देखा कि एक युवक परिसर के अंदर से दो बोरियों में मशीनरी के पार्ट्स भरकर भागने का प्रयास कर रहा है। चौकीदार ने तत्काल शोर मचाया, जिस पर कंपनी में मौजूद कर्मचारी रविंद्र प्रताप सहित अन्य लोग मौके पर पहुंचे और घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया।

एएलएस एंबुलेंस की तत्परता से गंभीर घायल मरीज समय पर मेडिकल कॉलेज झांसी पहुंचा

सड़क हादसे में घायल बाबूलाल को जिला अस्पताल से रेफर होने के बाद निःशुल्क मिली जीवनरक्षक एंबुलेंस सेवा

ललितपुर। जिला अस्पताल में संचालित एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एंबुलेंस सेवा ने एक बार फिर अपनी तत्परता का परिचय देते हुए सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल मरीज को समय रहते मेडिकल कॉलेज झांसी पहुंचाकर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए 60 वर्षीय बाबूलाल के सिर में गंभीर चोट लगने पर जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज झांसी रेफर कर दिया। इसके बाद एएलएस एंबुलेंस ने बिना विलंब मरीज को सुरक्षित एवं समय पर मेडिकल कॉलेज झांसी पहुंचाया, जिससे उसे शीघ्र उपचार मिल सका। एएलएस एंबुलेंस में तैनात ईएमटी धीरज शर्मा ने पूरे रास्ते मरीज की चिकित्सकीय निगरानी करते हुए मेडिकल कॉलेज झांसी में भर्ती कराने की प्रक्रिया भी पूरी कराई। इस दौरान एंबुलेंस के पायलट सुरेंद्र सिंह ने सुरक्षित एवं त्वरित परिवहन सुनिश्चित किया।

संक्षिप्त खबरें

चोरी की चार बाईक के साथ चार चोर गिरफ्तार

प्रतापगढ़। दिलीपपुर थानाध्यक्ष बलराम सिंह मय विशेष टीम प्रभारी एसआई विजेंद्र सिंह आदि ने मोटर साइकिल चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चोरी की चार मोटर साइकिल के साथ चार आरोपियों को दबोच लिया।पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर खीरी बीर बाबा मन्दिर के पास से आरोपी प्रियांशु वर्मा उर्फ कल्लू 19 पुत्र मूलचंद्र वर्मा निवासी गौसपुर थाना आसपुर देवसरा, नितिन यादव उर्फ रितिक यादव 19 पुत्र विजय बहादुर यादव निवासी नारायनपुर थाना लंभुआ सुल्तानपुर,सूरज मौर्या 20 पुत्र माता प्रसाद मौर्या निवासी भूसाहर थाना पट्टी, सत्यम उर्फ बच्चा वर्मा 19 पुत्र सालिक राम वर्मा निवासी रामपुर बेला थाना पट्टी को चोरी की चार मोटर साइकिल व एक तमंचा एक जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। इन नवयुवकों ने मौज मस्ती एवं अनर्गल पैसा की लालच में फंस कर सभी जुर्म जरायम की दुनिया मे कदम रख दिया है।पुलिस ने बरामदगी के आधार पर इन्हें सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर जिला कारागार भेज दिया गया है।

वीएन आईटीआई पहाड़पुर में सम्पन्न कैम्पस इंटरव्यू में 19 छात्रों को मिली नौकरी

प्रतापगढ़। वीएन आईटीआई कालेज, पहाड़पुर लालगंज में आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता प्राप्त की। संस्थान में प्रतिष्ठित कंपनियों हीरो मोटोकॉर्प एवं स्वराज इंजन्स लिमिटेड द्वारा रोजगार हेतु चयन प्रक्रिया आयोजित की गई।कंपनी की ओर से आए अनिल नेगी ने अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया। चयन प्रक्रिया में कुल 21 छात्रों ने भाग लिया, जिनमें से 19 छात्रों का चयन विभिन्न पदों के लिए किया गया। चयनित छात्रों में 12 छात्रों का चयन हीरो मोटोकॉर्प तथा 7 छात्रों का चयन स्वराज इंजन्स लिमिटेड में हुआ।इस अवसर पर संस्थान के प्रधानाचार्य आनंद गिरि ने चयनित छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता छात्रों की मेहनत, अनुशासन एवं तकनीकी दक्षता का परिणाम है। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी इसी प्रकार अपने कौशल को विकसित करने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के दौरान शिवम त्रिपाठी, अनुज मिश्रा, रवि वर्मा, मोहित वर्मा एवं अमर त्रिपाठी सहित संस्थान के अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। वीएन आईटीआई कालेज प्रबंधन ने बताया कि संस्थान का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है तथा भविष्य में भी इसी प्रकार प्रत्येक माह कैंपस प्लेसमेंट गतिविधियों का आयोजन किया जाता रहेगा।

सिद्धार्थनगर में छत से पंखा गिरने से ढाई माह के मासूम की मौत

सिद्धार्थनगर। गुरुवार की देर रात हुए एक दर्दनाक हादसे ने एक परिवार की खुशियां पलभर में छीन लीं। मुंडन संस्कार की तैयारियों के बीच छत से कुंडी सहित पंखा टूटकर नीचे गिर गया। उसकी चपेट में आने से ढाई माह के मासूम की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे परिवार में कोहराम मच गया और मांगलिक कार्यक्रम शोक में बदल गया। उसका बाजार थाना क्षेत्र के कर्मा गांव निवासी रमेश पांडेय के घर शुक्रवार को उनके पौत्र अर्श पुत्र अभिषेक पांडेय का मुंडन संस्कार होना था। इस अवसर पर गुरुवार से ही घर में अखंड रामायण का पाठ चल रहा था। रिश्तेदारों और गांव के लोगों का आना शुरू हो चुका था। घर में उत्सव का माहौल था और सभी धार्मिक अनुष्ठान की तैयारियों में जुटे थे। देर रात करीब बारह बजे परिवार के सदस्य विश्राम कर रहे थे। इसी दौरान रमेश पांडेय का दूसरा पौत्र गोलू पुत्र आजाद पांडेय अपनी मां के साथ कमरे में सो रहा था। अचानक छत में लगी कुंडी टूट गई और पंखा सीधे नीचे आ गिरा। पंखे की चपेट में आने से मासूम गंभीर रूप से घायल हो गया। स्वजन आनन-फानन में उसे उपचार के लिए अस्पताल ले गए, चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत की सूचना मिलते ही घर में चीख पुकार मच गई। जिस आंगन में कुछ देर पहले मंगल गीत और रामायण पाठ की गूंज थी, वहां मातम पसर गया। महिलाओं का रो रोकर बुरा हाल हो गया है।

लखनऊ अग्निकांड के बाद कानपुर में संस्थानों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई

● जारी रहेगी कार्रवाई या छै माह बाद सब कुछ भूल जाएंगे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। लखनऊ के अलीगंज में 22 जून 2026 को कोचिंग सेंटर में लगी भीषण आग ने 15 छात्रों की जान ले ली। इस हादसे ने पूरे यूपी में कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए। सीएम योगी के सख्त निर्देश के बाद कानपुर जिला प्रशासन और केडीए 'एक्शन मोड' में आ गया। 3 दिन में 30+ संस्थानों पर ताला लटक चुका है। काकादेव कोचिंग मंडीः 22 बड़े सेंटर सील- कानपुर की सबसे बड़ी कोचिंग हब काकादेव में केडीए ने सबसे बड़ी कार्रवाई की। 24 जून को 4 जोनों में एक साथ छापेमारी हुई। सील हुए संस्थानः फिजिक्स वाला, वर्कस्पेस, महेंद्राज, केमिस्ट्री वाले संजीव राठौर समेत 22 कोचिंग सेंटर। कार्रवाई की वजह- बिना फायर एनओसी के संचालन - अवैध बेसमेंट में क्लास चलाना- नक्शे के विपरीत निर्माण

-आपातकालीन निकास न होना- एक ही एंट्री-एग्जिट गेट। केडीए ने बताया कि जोन-1 में 3, जोन-2B में 5, जोन-3 में 3, जोन-4 में 5 संस्थान सील किए गए। कार्रवाई के दौरान क्लासें चल रही थीं। छात्रों को बाहर निकालकर सीलिंग की गई।

कानपुर देहातः 8 कोचिंग संस्थान बंद- कानपुर देहात में डीएम के निर्देश पर बनी संयुक्त टीम ने 8 कोचिंग संस्थानों को सीज कर दिया। खामियांः किसी भी संस्थान के पास फायर एनओसी नहीं थी। कई बेसमेंट में चल रहे थे जो सुरक्षा मानकों का उल्लंघन है। टीम में एसडीएम, डिप्टी एस पी, अग्निशमन और शिक्षा विभाग के अधिकारी शामिल थे। डीएम ने शाम तक रिपोर्ट मांगी है। आगे और कार्रवाई तय होगी।

कुल कितनी कार्रवाई? -कानपुर शहरः 22 कोचिंग संस्थान सील - कानपुर देहातः 8 कोचिंग संस्थान सीज -कुलः 30 संस्थानों पर कार्रवाई हो चुकी है। एक अन्य रिपोर्ट में काकादेव में 16 अवैध कोचिंग और व्यावसायिक प्रतिष्ठान सील करने की बात भी है। लेकिन 22 की संख्या कई जगह कन्फर्म है। केडीए का कहना है कि ये पहला चरण है। अन्य संस्थानों की जांच जारी है। कार्रवाई का तरीका क्या था? केडीए की टीम पुलिस बल के साथ सुबह-सुबह काकादेव पहुंची। चिन्हित भवनों की जांच की। जहां सुरक्षा मानकों की अनदेखी मिली, अवैध निर्माण मिला, फायर एन ओसी नहीं मिली, वहां तुरंत सील लगा दिया। बेसमेंट में चल रहे संस्थानों को सबसे पहले निशाने पर लिया गया। लखनऊ हादसे में बेसमेंट

और एक ही गेट मौत का कारण बना था। छात्रों-अभिभावकों में दहशत, लेकिन प्रशासन सख्त*

अचानक सीलिंग से छात्र परेशान हैं। आगामी परीक्षाओं को लेकर चिंता है। कई छात्र कैमरे पर बोलने से कतरा रहे हैं। लेकिन प्रशासन का कहना है कि 'छात्रों की सुरक्षा सबसे ऊपर है '। केडीए अफसरों ने साफ किया कि बिना मानकों के चल रहे प्रतिष्ठानों को बख्शा नहीं जाएगा। अवैध बेसमेंट, बिना स्वीकृत नक्शे के भवन, बिना फायर एनओसी के संस्थानों पर लगातार कार्रवाई होगी। ये अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है। पहला, केडीए ने कहा है कि अन्य कोचिंग संस्थानों की भी जांच हो रही है।

मानकों की अनदेखी मिली तो और सीलिंग होगी। दूसरा, सिर्फ कोचिंग नहीं, व्यावसायिक भवनों की भी जांच हो रही है। काकादेव में कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी सील हुए हैं। तीसरा, कानपुर में 110 वार्ड हैं। 10 वार्ड से बसपा के पार्षद जीते थे, 11 मनोनीत हैं। अब सुरक्षा मानकों पर पूरा फोकस है। लखनऊ की आग ने खोली कानपुर की आंखें- लखनऊ हादसे में 15 बच्चों की मौत ने बता दिया कि कोचिंग संस्थान 'मौत का कुआं' बन सकते हैं। बायोमेट्रिक लॉक, एक ही एंट्री गेट, बेसमेंट में क्लास - ये सब लापरवाही की हद थी। कानपुर में हुई 30 संस्थानों की सीलिंग बताती है कि अब प्रशासन जाग गया है। लेकिन सवाल ये है कि क्या ये जागरूकता स्थायी रहेगी? या फिर 6 महीने बाद सब भूलकर फिर से बेसमेंट में क्लासें शुरू हो जाएंगी? लखनऊ की आग बुझ गई, लेकिन उसने जो सवाल छोड़े हैं, उनकी तपिश अभी बाकी है। कानपुर की कार्रवाई उसी तपिश का नतीजा है।

कमिश्नरेट कानपुर नगर में तीन दिवसीय अग्नि सुरक्षा एवं बचाव जागरूकता एवं प्रशिक्षण अभियान का शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कमिश्नरेट कानपुर नगर में जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल एवं अपर पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) संकल्प शर्मा की अध्यक्षता में मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा (फायर सर्विस) के साथ दिनांक 26 जून से 28 जून, 2026 तक तीन दिवसीय 'अग्नि सुरक्षा एवं बचाव जागरूकता एवं प्रशिक्षण अभियान' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के नोडल अधिकारी अपर पुलिस उपायुक्त (अभिसूचना) महेश कुमार द्वारा कोचिंग संचालको, हॉस्टल संचालको तथा कार्यक्रम के प्रशासनिक अधिकारियों(विद्युत,सिविल डिफेन्स व अन्य) से समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम को

सफलतापूर्वक आयोजित कराया गया । कार्यक्रम में पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) दिनेश त्रिपाठी, अपर पुलिस उपायुक्त शिवा सिंह के साथ सिविल डिफेंस एवं विद्युत विभाग (केस्को) के अधिकारी/कर्मचारी भी उपस्थित रहे। अभियान का शुभारंभ करते हुए पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने कहा कि आधुनिक शहरी जीवन, बहुमंजिला भवनों, कोचिंग संस्थानों एवं हॉस्टलों की बढ़ती संख्या के दृष्टिगत अग्नि सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। उन्होंने स्पष्ट किया कि

कमिश्नरेट पुलिस का दायित्व केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि नागरिकों को आपदा प्रबंधन एवं जीवन रक्षा कौशल से सशक्त करना भी है। उन्होंने कहा कि किसी भी अग्निकांड की स्थिति में त्वरित, प्रशिक्षित एवं सतर्क प्रतिक्रिया से जनहानि एवं संपत्ति की क्षति को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

भीमसेन रेलवे स्टेशन के पास मालगाड़ी के दो डिब्बे हुए डीरेल, आठ घंटे रेलवे ट्रैक यातायात बाधित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। कानपुर के भीमसेन के पास प्रयागराज जा रही मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतर गए,, जिससे रात ढाई बजे से रेलवे ट्रैक पर यातायात बाधित है। लोको पायलट ने एमरजेंसी ब्रेक लगाकर बड़ी अनहोनी टाल दी। और कर्मचारी रेलवे ट्रैक को बहाल करने में जुटे हैं। शुक्रवार सुबह 10 बजें तक एक डिब्बे को जैक से उठाकर ट्रैक पर लाने पर कर्मचारी सफल हो पाए। दूसरे डिब्बे में अभी लगे हुए हैं, उत्पन्न हुई समस्या से प्रयागराज की तरफ का ट्रैक पर ट्रैफिक बाधित है,यह मालगाड़ी ईस्टर्न डैडीकैटेड फ्रैट कारिडोर पर मौजूद हैं।

रेलवे कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के अनुसार मालगाड़ी कानपुर सेंट्रल से होकर प्रयागराज की तरफ जा रही थी, इसी दौरान झकरकटी के आगे भीमसेन रेलवे स्टेशन के पास उसके दो डिब्बे पटरी डिरेल से उतर गए,आपात स्थिति में लोको पायलट इंजन इमरजेंसी ब्रेक लगा कर बडी अनहोनी को टालने में सफल रहे, अभी स्थित को देखते हुए लोकों पायलट ने लगातार तीन बार

सायरन बजाया। जिससे आसपास क्षेत्र में लोगों के बीच हड़कंप की स्थिति भी बनी रहीं, बताया जा रहा है कि दोनों डिब्बों के रेलवे ट्रैक से।डीरेल होने के बाद शुक्रवार सुबह 10 बजें तक का समय शुक्रवार बीत गया और मौके पर व्यवस्था को दुरूस्त करने में कर्मचारी जुटें है मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतरने के कारण यातायात बाधित चल रहा है दूसरी तरफ रेलवे अधिकारियों का कहना है कि कानपुर से प्रयागराज के बीच मालगाड़ियों के लिए ईडीएफसी, का स्पेशल रूट हैं, इसलिए इस रूट पर केवल मालगाड़ियां ही संचालित होती है दूसरी ओर भीमसेन क्षेत्र के आरपीएफ इंस्पेक्टर अजय शर्मा ने बताया कि मौके पर काम चल रहा है, उम्मीद जताई जा रही है कि करीब तीन घंटे में रेल्वे ट्रेक बहाल हो जाएगा।

अपहरण के अभियोग में अभियुक्त गिरफ्तार किया गया

प्रतापगढ़। वादी द्वारा अपनी नाबालिग भतीजी के अपहरण और संभावित यौन शोषण की शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसमें अनामिका और उसके परिवार पर बहला-फुसलाकर भगाने व अमित कुमार की संलिप्तता का आरोप है। इस संबंध में थाना पट्टी में धारा 87, 137(2) बीएनएस बनाम 08 नामजद का अभियोग पंजीकृत किया गया था।थाना प्रभारी पट्टी आनन्द पाल सिंह के नेतृत्व में उ0नि0 अनीस कुमार द्वारा मुखबिर की सूचना पर धारा 137(2)/87 बीएनएस थाना पट्टी, जनपद प्रतापगढ़ से संबंधित अभियुक्त अमित कश्यप पुत्र स्व0 सोहनलाल निवासी ग्राम सरदार नगर थाना भमोरा जनपद बरेली उम्र करीब 22 वर्ष को थाना पट्टी क्षेत्रान्तर्गत ढकवा तिराहा मोड़ पट्टी के पास से गिरफ्तार किया गया।

दुष्कर्म प्रयास के खिलाफ रिपोर्ट के लिए मां-बाप और अधिवक्ता के साथ 15 दिनों से भटक रही युवती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। इस महानगर में वासना के दरिंदो की सक्रियता लगातार बढ़ती जा रही है। वह आए दिन किसी न किसी लड़की को अपना शिकार बनाने में सफल हो रहे हैं। ऐसी ही एक और घटना का शिकार एक और युवती हो गई। यह मामला चौबेपुर थाना क्षेत्र का है ,जहां गांव में रहने वाली युवती ने गांव के ही एक युवक पर जबरन पकड़कर अश्लील हरकत करने और दुष्कर्म का प्रयास करने का गंभीर आरोप लगाया है। उसका आरोप यह भी है कि घटना के कई दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस ने न तो प्राथमिकी दर्ज की है और न ही आरोपियों के खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई की है। जिसके खिलाफ हर किसी के सुख-दुख में सदैव खड़े होने वाले समाज सेवा के क्षेत्र में भी अग्रणी और पीड़ितों को हर हाल में न्याय दिलाने के लिए भी चर्चित तेजतर्रार और व्यवहार कुशल अधिवक्ता प्रेम नारायण दुबे ने भी पुलिस के खिलाफ जोरदार मोर्चा खोल दिया है। आयोजित प्रेस वार्ता में अपने अधिवक्ता प्रेम नारायण दुबे के माध्यम से पीड़िता ने बताया कि उसके पिता ई-रिक्शा चालक हैं। आरोप है कि 10 जून की रात वह अपने पिता के ई-रिक्शा का चार्जर निकालकर घर में रखने जा रही थी, तभी गांव निवासी जय तिवारी अपने कुछ साथियों के साथ वहां पहुंचा और उसे जबरन पकड़ लिया। युवती का आरोप है कि आरोपी ने उसके साथ अश्लील हरकतें कीं तथा दुष्कर्म का प्रयास किया। शोर मचाने पर आसपास के लोगों के आने की आहट पाकर आरोपी और उसके साथी मौके से फरार हो गए। घटना के तुरंत बाद पीड़िता ने डायल-112 पर सूचना दी और थाना चौबेपुर में शिकायत दर्ज कराई। इसके बावजूद कई दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने का आरोप पीड़िता ने लगाया है। पीड़िता को हर हाल में न्याय दिलाने के लिए

कटिबद्ध अधिवक्ता प्रेम नारायण दुबे ने बताया कि मामले की शिकायत पुलिस आयुक्त तथा डीसीपी वेस्ट से भी की गई है, लेकिन अब तक आरोपियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने पूरे भा मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई कि किए जाने की जोरदार मांग भी की है। फिलहाल इस मामले की जांच डीसीपी वेस्ट कासिम आबिदी ने एडीसीपी वेस्ट राजेश कुमार पाण्डेय को सौंपी है। जिसकी जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आवश्यक विधिक आ कार्रवाई की जाएगी।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ मुहर्रम पर्व

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को शोहरतगढ़ कस्बा सहित आसपास के क्षेत्रों में मुहर्रम का पर्व पूरी अकीदत के साथ एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। विभिन्न अखाड़ों में मुस्लिम समुदाय के युवाओं ने लाठी, डंडा एवं तलवारबाजी के आकर्षक और हैरतअंगेज करतब प्रस्तुत कर अपने पारंपरिक कौशल का प्रदर्शन किया। मुहर्रम के जुलूस को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरे समय मुस्तैद रहा और सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। शोहरतगढ़ कस्बा एवं नीबी दोहनी के अखाड़ों से निकले जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। अखाड़ों में युवाओं ने पारंपरिक युद्धक कलाओं का प्रदर्शन किया, जिसे देखने के लिए रास्ते भर लोगों की भीड़ उमड़ी रही। जुलूस के दौरान विभिन्न स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहा, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो सका।

इस दौरान एडीएम गौरव श्रीवास्तव, एएसपी प्रशांत कुमार प्रसाद, उपजिलाधिकारी करमेन्द्र कुमार, क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी, प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह, नायब तहसीलदार माधुर्य यादव, सदर लेखपाल सुनील सिंह यादव, इंस्पेक्टर श्याम सुन्दर तिवारी, एलआईयू अधिकारी हरिलाल यादव, निरीक्षक सुभाष यादव, निरीक्षक अवधेश पाण्डेय, उपनिरीक्षक रामबदन यादव, उपनिरीक्षक संतोष यादव, उपनिरीक्षक बलराम यादव, उपनिरीक्षक राजकुमार यादव, अधिशासी अधिकारी अजय कुमार, लिपिक

राजेश कुमार त्रिपाठी, जामा मस्जिद सदर अल्ताफ हुसैन, उस्ताद इंसान अली, गैजू, मुस्ताक अहमद, अब्दुल कलाम, इंजीनियर एजाज अंसारी, डॉ. सरफराज अंसारी, मक्कू अंसारी, नियाज अहमद, हैदर अली, एहसान अली, वकार मोईन खान, शहजाद सिद्दीकी, शहंशाह, शाहरुख, महबूब खान, जफर अंसारी, अब्दुल मोतीन, अरमान अंसारी, सभासद वकील खान, सभासद बाबूजी अंसारी, अफसर अंसारी, शकील खान, शाह आलम अंसारी तथा पुलिस टीम के हेड कांस्टेबल दिनेश कुमार, हेड कांस्टेबल प्रभाकर यादव, हेड कांस्टेबल रामकरन निषाद सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बिस्कोहर। हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत की याद में दसवीं मुहर्रम पर नगर पंचायत बिस्कोहर में शुक्रवार दोपहर चार बजे ताजियों के साथ अकीदतमंदों का हुजूम निकला। नगर के प्रत्येक वार्ड में शांतिपूर्ण माहौल में ताजियों को लेकर लोग कर्बला पहुंचे और वहां उन्हें दफन करने की रस्म पूरी की। इस बीच मझौवा, सिकौथा, बस्ती बरगदवा , नावडीह, बुड्डी, खरीकवा, बड़हरा आदि जगहों के ताजिए गांव स्थित कर्बलो में दफन किए गए। बिस्कोहर नगर के पश्चिम टोला में मोहर्रम के नवीं में रखे ताजिये का जुलूस शुक्रवार दसवीं के दिन दोपहर चार बजे के बाद निकाला गया। जुलूस में पश्चिम टोले के ताजियादार पन्ना, पप्पू, मंजू, पप्पू, आसिफ, राजा, पप्पी, फरीदा, भोला, अनवर, नगीना, रमजानी , माहिल आदि शामिल रहे। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक हरे कृष्ण उपाध्याय, चौकी इंचार्ज अमित कुमार शाही पुलिस टीम के साथ जुलूस मार्ग व कर्बला पर लगे मेले में मौजूद रहे।

उसका बाजार। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उसका कस्बा एवं ग्रामीण क्षेत्र में मोहर्रम का त्यौहार सकुशल व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया।इलाके भर के ताजियों को बाजे एवं नारे के साथ धीरे धीरे लाया गया तथा देर शाम कर्बला पर दफनाया गया। नगर क्षेत्र एवं आसपास गांव उटिया, उसका राजा, फुलवरिया, सोहास, नगवां, मदनपुर आदि के ताजिये निकले।पूरे क्षेत्र में मेला जैसा माहौल रहा। जगह जगह पुलिस बल तैनात रहा। प्रभारी निरीक्षक संतोष तिवारी ने बताया कि शांतिपूर्ण ढंग से मुहर्रम पर्व सम्पन्न हुआ। कही से भी किसी प्रकार की घटना सूचना नही मिली है।

चिलबिला में अखाड़ों को सम्मानित कर किया गया रवाना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। मोहर्रम के जुलूस चिलबिला अखाड़ा,सोनावा अखाड़ा, शाहीन अखाड़ा, शाहीन गोड़े के अखाड़ों ने शुक्रवार को एक से बढ़कर एक हैरतअंगेज करनामें दिखाकर उपस्थित जनमानस को तालियां बजाने के लिए मजबूर कर दिया। चिलबिला के सभी व्यापारियों ने जुलूस का स्वागत किया। प्रतापगढ़ की गंगा जमुनी तहजीब को कायम रखते हुए रामलीला समिति के संरक्षक समाजसेवी रोशनलाल उमरवैश्य, वरिष्ठ व्यवसायी सुनील अग्रवाल ने सम्मानित कर मोहर्रम के जुलूस चिलबिला अखाड़ा, सोनावा अखाड़ा, शाही अखाड़ा गोड़े के जुलूस को रवाना किया। शाहीन अखाड़ा गोड़े के जुलूस को अब्दुल जब्बार की अध्यक्षता में गोड़े से सैकड़ो की संख्या में जुलूस निकाला गया। हैरतअंगेज करनामें दिखाने वाले अखाड़े को शील्ड देकर समाजसेवी रोशनलाल उमरवैश्य, सुनील अग्रवाल ने सम्मानित किया।

रामलीला समिति के संरक्षक रोशनलाल उमरवैश्य ने कहा कि प्रतापगढ़ जिले की गंगा जमुनी तहजीब आज भी कायम है।हम एक दूसरे के त्योहारों में शामिल होते आ रहे हैं। सभी अखाड़ों के अध्यक्षों को सम्मानित किया गया।शाहीन अखाड़ा गोड़े के अध्यक्ष अब्दुल जब्बार ने कहा कि चिलबिला में हर वर्ष हिंदू भाइयों द्वारा जुलूस का स्वागत कर समाजसेवी रोशनलाल उमरवैश्य, सुनील अग्रवाल द्वारा सम्मानित कर रवाना किया जाता है। हम उन सब के प्रति आभार ज्ञापित करते हैं। पुलिस प्रशासन का बहुत ही बड़ा सहयोग रहा। इस मौके पर रविंद्र सिंह, छेदीलाल, संतोष कुमार, मोहम्मद सैफ, रियाज आदि सैकड़ो की संख्या में चिलबिला के व्यापारीगण उपस्थित रहे।

दुष्कर्म व आइटी एक्ट के अभियोग से संबंधित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। थाना प्रभारी पट्टी आनन्द पाल सिंह के नेतृत्व में निरीक्षक शुभनाथ साहनी मय हमराह द्वारा थाना पट्टी में दर्ज मुकदमा से संबंधित अभियुक्त सूरज कुमार चौरसिया पुत्र शिवप्रसाद चौरसिया निवासी ग्राम रेडिगारापुर थाना पट्टी जनपद प्रतापगढ़ उम्र करीब 23 वर्ष को थाना पट्टी क्षेत्रान्तर्गत कलियनापुर नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया।

बढ़नी में निजी अस्पताल के डाक्टर की लापरवाही के चलते नवजात की मौत

● परिजनों का फूटा गुस्सा, अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर आरोप; पुलिस जांच में जुटी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के बढ़नी कस्बे में स्थित एक निजी अस्पताल में कथित चिकित्सीय लापरवाही के चलते नवजात शिशु की मौत का मामला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया। नवजात की मौत से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया और अस्पताल संचालक सहित संबंधित चिकित्सकीय कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। घटना ने क्षेत्र में संचालित निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, ढेकहरी बुजुर्ग गांव निवासी नीरज कुमार मंगलवार देर रात अपनी गर्भवती पत्नी पूजा देवी को प्रसव पीड़ा होने पर बढ़नी कस्बे के समय माता स्थान स्थित अल हयात हेल्थ केयर एंड फ्रैक्चर क्लीनिक लेकर पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल संचालक बिलाल अहमद ने महिला की हालत गंभीर बताते हुए तत्काल ऑपरेशन कराने की सलाह दी तथा ऑपरेशन में करीब 25 हजार रुपये खर्च होने की बात कही। परिजन 10 हजार रुपये अग्रिम जमा किए, जिसके बाद बुधवार भोर लगभग चार बजे ऑपरेशन किया गया और एक पुत्र का जन्म हुआ।

ऑपरेशन के बाद नहीं मिली समुचित देखभाल का आरोप

परिजनों का कहना है कि ऑपरेशन के बाद प्रसूता और नवजात को अस्पताल की दूसरी मंजिल पर बने एक अत्यधिक गर्म एवं उमस भरे कमरे में रखा गया, जहां पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। उनका आरोप है कि नवजात की नियमित स्वास्थ्य जांच नहीं की गई और न ही किसी चिकित्सक अथवा प्रशिक्षित मेडिकल स्टाफ की निरंतर निगरानी रही। इसी लापरवाही के कारण नवजात की हालत धीरे-धीरे बिगड़ती गई और गुरुवार देर शाम लगभग सात बजे उसकी मौत हो गई।

मौत के बाद अस्पताल में हंगामा

नवजात की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। उनका आरोप है कि घटना के समय अस्पताल संचालक बिलाल अहमद अस्पताल में मौजूद नहीं थे। इससे नाराज परिजनों ने अस्पताल परिसर में विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। करीब दो घंटे बाद अस्पताल पहुंचे संचालक बिलाल अहमद तथा उनकी सहयोगी नाजिश उर्फ नाजिया के साथ परिजनों की तीखी बहस हुई। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय उन्हें ही घटना के लिए दोषी ठहराने लगा, जिससे विवाद और बढ़ गया।

प्रसूता की बिगड़ी हालत, पुलिस के हस्तक्षेप से हुआ रेफर

परिजनों के अनुसार, नवजात की मौत के बाद भी प्रसूता पूजा देवी की हालत लगातार गंभीर बनी रही, लेकिन अस्पताल संचालक समय रहते उन्हें किसी बड़े अस्पताल में रेफर

करने के बजाय टालमटोल करता रहा। स्थिति बिगड़ने पर परिजनों ने डायल-112 पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। बढ़नी चौकी प्रभारी वीरेंद्र यादव के हस्तक्षेप के बाद देर रात प्रसूता को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बढ़नी भेजा गया, जहां चिकित्सक डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल सिद्धार्थनगर रेफर कर दिया। बाद में जिला अस्पताल में उनका आवश्यक उपचार किया गया।

समय पर इलाज मिलता तो बच सकती थी जानः परिजन

पीड़ित नीरज कुमार का कहना है कि यदि अस्पताल में नवजात की समय-समय पर चिकित्सकीय निगरानी होती, आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जातीं और गंभीर स्थिति को देखते हुए समय रहते उचित उपचार या रेफर किया जाता, तो उनके नवजात बेटे की जान बचाई जा सकती थी। घटना के संबंध में नीरज कुमार ने ढेबरुआ थाने में लिखित तहरीर देकर अस्पताल प्रबंधन एवं संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

तेजगति के वाहनों पर यातायात पुलिस की कड़ी कार्यवाही, इंटरसेप्टर मोबाइल से हुए चालान

» राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर 162, राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर 105 व गंगा बैराज पर 75 वाहनों के ओवर स्पीड चालान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कानपुर नगर में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-34 (एनएच-34) पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु बनायी गयी कार्ययोजना के तहत एनएच-34 पर 8 स्थानों पर बैरियर स्थापित करते हुए ड्यूटी लगायी गयी है, इसके अतिरिक्त तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर प्रत्येक 20 किमी पर 03 इंटरसेप्टर मोबाइल तैनात की गयी है जिनके माध्यम से तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तनात्मककार्यवाही अमल में लायी जा रही है। आज दिनांक 26.06.2026 में की गयी कार्यवाही के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर 58 ट्रक, 06 बस, 98 चार पहिया/दो पहिया 162 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर 04 ट्रक, 04 बस, 97 चार पहिया/दो पहिया 105 कुल वाहनों का ओवरस्पीड

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में कोचिंग सेंटरों पर कंट्रोल की तैयारी, सरकार 3 महीने में लाएगी नया कानून

नई दिल्ली। राजधानी में संचालित कोचिंग सेंटरों पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली के सभी 924 कोचिंग सेंटरों का निरीक्षण कराया जाएगा। जिन संस्थानों को पहले सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर नोटिस दिया जा चुका है और फिर भी वे नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं, उन्हें सील कर दिया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने बताया कि जिन कोचिंग सेंटरों में पहली बार अनियमितताएं मिलेंगी, उन्हें नोटिस जारी कर एक महीने का समय दिया जाएगा ताकि वे कमियां दूर कर सकें। यदि निर्धारित समय में सुधार नहीं किया गया तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। आशीष सूद ने कहा कि सरकार ने कोचिंग सेंटरों के नियमन को लेकर गठित जस्टिस गौबा समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है। इन सिफारिशों के आधार पर उच्च शिक्षा निदेशक की अध्यक्षता में एक समिति बनाई गई है, जो कोचिंग संस्थानों के संचालन, सुरक्षा और रखरखाव के मानकों का परीक्षण करेगी। सरकार अगले तीन माह के भीतर कोचिंग सेंटरों को विनियमित करने के लिए प्रस्तावित कानून का मसौदा सार्वजनिक करेगी। इस कानून में भवनों की संरचनात्मक सुरक्षा, शिक्षण की गुणवत्ता, शिक्षकों की योग्यता, संचालन संबंधी मानक और भ्रामक विज्ञापनों पर नियंत्रण जैसे प्रधान शामिल होंगे। शिक्षा मंत्री ने बताया कि निरीक्षण अभियान की नोडल एजेंसी दिल्ली नगर निगम होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन स्थानों पर नियमों के तहत कोचिंग सेंटर संचालित करने की अनुमति नहीं है, वहां चल रहे संस्थानों को किसी भी स्थिति में संचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

दिल्लीः डीडीए के खुले नाले में गिरने से युवक की मौत, जांच में जुटी पुलिस

दिल्ली। नरेला इलाके में डीडीए के एक खुले गंदे नाले में गिरने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त 36 साल के सूरज कुमार के रूप में हुई है। पुलिस का कहना है शुक्रवार सुबह में सैर करने वाले लोगों ने नाले में बेसुध व्यक्ति देख पुलिस को घटना की जानकारी दी। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने बेसुध व्यक्ति को नाले से निकाला और उसे पास के अस्पताल लेकर गई, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। फिलहाल पुलिस जांच कर रही है कि युवक नाले तक कैसे पहुंचा और वहां गिरा या गिराया गया। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम से मौत के कारणों का पता चलेगा, उसके बाद ही इस बाबत मामला दर्ज किया जाएगा। पुलिस उपायुक्त शोभित डी सक्सेना ने बताया कि सुबह 6.30 बजे नरेला थाना पुलिस को सेक्टर पांच नरेला के पास नाले में एक युवक के पड़े होने की जानकारी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि सड़क किनारे बने चार से पांच फीट गहरे नाले में एक युवक गिरा हुआ है। नाला गंदगी से अटा-पटा था और बाद में युवक को बाहर निकाला गया। वह अचेत अवस्था में था। पुलिस उसे पास के अस्पताल में लेकर गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके भाई धीरू से हुई पूछताछ में पता चला कि मृतक अविवाहित था और ढोल बजाने का काम करता था। वह नशे का आदी भी था। वह बराबर दो तीन दिन तक घर से बाहर रहता था। बृहस्पतिवार रात में घर से बाहर गया था और वापस नहीं लौटा। बाहर रहने की वजह से उनलोगों ने रात में उसकी तलाश नहीं की। लेकिन सुबह में उन्हें घटना की जानकारी मिली। पुलिस ने बताया जिस नाले में गिरने से युवक की मौत हुई है, वह सड़क से दूर है। सड़क के बगल में फुटपाथ है और नाला से सटी दुकानें हैं। इस नाले को दुकान वालों ने ढक रखा है, हालांकि कई अन्य जगहों पर वह खुला हुआ है। जिस जगह पर युवक नाले में गिरा वहां शहजाद सैलून है। शहजाद ने बताया कि वह रात दस बजे अपनी दुकान बंद कर वहां से गया था। उस समय ऐसा कुछ भी नहीं हुआ था। उसने आशंका जताई कि घटना देर रात की है। आशंका यह भी जताई जा रही है कि युवक नशे में होने की वजह से वहां पहुंचा होगा, या किसी ने उसकी हत्या कर उसे नाले में फेंक दिया होगा। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट अभी नहीं आई है और अब पुलिस टीम मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

ईरान ने सीजफायर का किया उल्लंघन

● ईरान के उप-विदेश मंत्री का कहना है कि होर्मुज से 'समांतर रास्तों' के जरिए सुरक्षित गुजरने की गारंटी नहीं दी जा सकती. ईरानी विदेश मंत्रालय ने US-GCC के बयान की आलोचना की और कहा कि इस क्षेत्र में अमेरिकी सेना की मौजूदगी से असुरक्षा बढ़ती है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आज जानकारी दी कि ईरान ने सीजफायर तोड़ दिया है. उसने होर्मुज से गुजर रहे एक जहाज पर ड्रोन अटैक कर दिया. जवाबी कार्रवाई में अमेरिका सेना ने भी पलटवार किया और ईरान के तीन ड्रोन मार गिराए. ट्रंप ने ईरान की इस कार्रवाई को मूर्खतापूर्ण बताया है।

'सीजफायर समझौते का एक मूर्खतापूर्ण उल्लंघन'

ट्रंप ने अपने ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे जहाजों पर कम से कम चार 'वन-वे अटैक ड्रोन' दागे. इनमें से एक ड्रोन ने सामान ढोने वाले एक बड़े और बहुत महंगे जहाज के ऊपरी डेक पर जोरदार टक्कर मारी. इससे नुकसान तो हुआ, लेकिन जहाज अपना सफर जारी रखने में कामयाब रहा. हमने तीन अन्य ड्रोन मार गिराए. जाहिर है, यह हमारे सीजफायर समझौते का एक मूर्खतापूर्ण उल्लंघन है। सोशल मीडिया पर उनकी पोस्ट में जहाज या हमले के समय की पहचान नहीं बताई गई. साथ ही ट्रंप ने समझौते के खतरे को लेकर कोई बात नहीं कही है, लेकिन बृहस्पतिवार को ब्रिटिश सेना ने कहा कि ओमान के तट पर एक जहाज पर प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ. यह घटनाक्रम अमेरिका और ईरान के लिए एक नाजुक समय पर हुआ है, क्योंकि वे युद्ध को स्थायी रूप से खत्म करने के लिए बातचीत कर रहे हैं. ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपने नियंत्रण को लेकर इस क्षेत्र और अमेरिका को लगातार चुनौती दी है, यहां तक कि पिछले हफ्ते अमेरिका के साथ हुए मौजूदा अंतरिम समझौते के बावजूद भी।

ईरान ने फिर दिखाए तेवर

वहीं अल जजीरा के अनुसार, ईरान के उप-विदेश मंत्री का कहना है कि होर्मुज से 'समांतर रास्तों' के जरिए सुरक्षित गुजरने की गारंटी नहीं दी जा सकती. ईरानी विदेश मंत्रालय ने US-GCC के बयान की आलोचना की और कहा कि इस क्षेत्र में अमेरिकी सेना की मौजूदगी से असुरक्षा बढ़ती है। अमेरिका ईरान अभी भी अंतरिम शांति समझौते की शर्तों पर बातचीत कर रहे हैं, जिसमें मुख्य जलडमरूमध्य से जहाज़ों को गुजारने और ईरान के अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम के भंडार के भविष्य से जुड़े मुद्दे शामिल हैं. अंतरिम समझौते के तहत, दोनों पक्षों के पास विवरण तय करने के लिए 60 दिन का समय है।

दुबई में मिसाइल अलर्ट से हड़कंप

शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात में तकनीकी खराबी के कारण मिसाइल की चेतावनी ने क्षेत्र में जारी तनाव को और उजागर कर दिया, जो पिछले कुछ दिनों में कार्गो जहाज पर हमले और लेबनान में इजरायली हमलों के बाद हुआ था. मोबाइल फोन पर आए इस अलर्ट ने दुबई शहर-राज्य में कई लोगों को चौंका दिया; अंतरिम युद्धविराम के बाद से यह इस तरह का पहला अलर्ट था। अलर्ट के कुछ समय बाद, अमीराती अधिकारियों ने बताया कि विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के बीच फोन पर बातचीत हुई. इसमें शेख अब्दुल्ला के हवाले से कहा गया कि UAE ने ईरान और अमेरिका के बीच अंतरिम समझौते के प्रति 'पूरी प्रतिबद्धता के महत्व पर जोर दिया.' इसमें कहा गया, 'गंभीर कूटनीति और जिम्मेदार बातचीत ही सभी क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संकटों से निपटने का सबसे अच्छा तरीका है। '

दिल्ली कांग्रेस ने की संगठन को मजबूत करने की तैयारी, 70 विधानसभा क्षेत्रों में नियुक्त किए 509 मंडलम अध्यक्ष

● दिल्ली कांग्रेस ने राष्ट्रीय राजधानी के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में 509 मंडलम अध्यक्षों की नियुक्ति की है। यह कदम पार्टी के बूथ स्तरीय नेटवर्क को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर संगठन को सक्रिय करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। पार्टी के बूथ स्तरीय नेटवर्क को मजबूत करने के लिए दिल्ली कांग्रेस ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में 509 मंडलम अध्यक्षों की नियुक्ति की। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि ये नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होती हैं और इनका उद्देश्य जमीनी स्तर पर संगठन को 'मजबूत और सक्रिय' करना है। पार्टी द्वारा जारी सूची के अनुसार 509 मंडल अध्यक्षों को दिल्ली की सभी जिला इकाइयों और विधानसभा क्षेत्रों में तैनात किया गया है। बकौल यादव, नवनियुक्त पदाधिकारियों से कांग्रेस की विचारधारा और संगठनात्मक सिद्धांतों के अनुसार कार्य करने, अपने-अपने मंडलों (इकाइयों) में पार्टी को मजबूत करने, पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बनाए रखने और पार्टी द्वारा समय-समय पर जारी कार्यक्रमों और अभियानों को लागू करने का आग्रह किया गया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि ये नियुक्तियां दिल्ली कांग्रेस द्वारा चुनाव आयोग के मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के मद्देनजर बूथ-स्तरीय तंत्र को मजबूत करने का अभियान शुरू करने के कुछ सप्ताह बाद हुई हैं।

कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाएं भी आयोजित की गई

इस महीने की शुरुआत में, पार्टी ने अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए)-1 कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाएं भी आयोजित की और कहा कि वह यह सुनिश्चित करेगी कि संशोधन प्रक्रिया के दौरान किसी भी योग्य मतदाता, विशेष रूप से दलित, अल्पसंख्यक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से, को मतदाता सूची से न हटाया जाए।

रेलवे स्टेशनों और रेलवे लाइनों से मोबाइल फ़ोन चुराने वाले एक आदतन चोर 07 चोरी के मोबाइल फ़ोन के साथ गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- स्वपन शर्मा IPS, माननीय पुलिस कमिश्नर, लुधियाना, समीर वर्मा PPS. एडिशनल डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस, ज़ोन-1 लुधियाना और अनिल कुमार भनोट PPS, असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ़ पुलिस, सेंट्रल लुधियाना के निर्देशों पर, इंस्पेक्टर परमवीर सिंह, चीफ़ ऑफ़िसर ऑफ़िसर ऑफ़ पुलिस स्टेशन डिवीज़न नंबर-01 लुधियाना की टीम ने इंस्पेक्टर युद्धवीर सिंह (RPF) और उनकी टीम के साथ मिलकर रेलवे स्टेशनों, रेलवे लाइनों और आस-पास के इलाकों में मोबाइल चोरी की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए एक जॉइंट ऑपरेशन चलाया। इसी बीच, 22.06.2026 को, शिव कुमार उर्फ़ शिबू पुत्र मंजीत कुमार, निवासी हाउस नंबर 1101/2, गली नंबर 11, मोहल्ला राम नगर, 33 फुटा रोड, जमालपुर, लुधियाना को 04 चोरी के मोबाइल फ़ोन के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी रेलवे स्टेशन लुधियाना, रेलवे लाइन और घंटा घर इलाके में मोबाइल चोरी की कई वारदातें करता है। इस बारे में थाना डिवीजन नंबर-01 लुधियाना में केस नंबर 97 तारीख 22.06.2026 को दर्ज करके जांच शुरू की गई। जांच के दौरान आरोपी का दो दिन का पुलिस रिमांड लेकर पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर 24.06.2026 को अलग-अलग कंपनियों के 03 और चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए गए।

इस तरह कुल 07 चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। आरोपी के खिलाफ पहले भी अलग-अलग धाराओं के तहत केस दर्ज हैं।

योग व स्वास्थ्य सेवा में उत्कृष्ट योगदान पर दो प्रशिक्षक सम्मानित

देवरिया। योग और स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार उत्कृष्ट कार्य करने पर योग प्रशिक्षक पिंटू लाल यादव और जितेंद्र दीक्षित को जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि समाजहित में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों का सम्मान करना सरकार और प्रशासन की प्राथमिकता है, ताकि अन्य लोग भी प्रेरित होकर जनसेवा से जुड़ें। समारोह में विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी, विधायक सुरेंद्र चौरसिया, मंडल अध्यक्ष दिवाकर चंद यादव, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. जयराम यादव सहित कई जनप्रतिनिधि, अधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने दोनों सम्मानित प्रशिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए उनके कार्यों की सराहना की।

पिछड़े वर्ग के लोगों तक सरकारी भलाई की योजनाओं का पूरा फ़ायदा पहुँचाएँः मलकीत थिंड

● पंजाब स्टेट बैकवर्ड क्लासेस कमीशन के चेयरमैन ने लुधियाना के बचत भवन में अलग-अलग सरकारी विभागों के बड़े अधिकारियों के साथ रिव्यू मीटिंग की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- पंजाब स्टेट बैकवर्ड क्लासेस कमीशन के चेयरमैन श्री मलकीत थिंड ने गुरुवार को लोकल बचत भवन में अलग-अलग सरकारी विभागों के बड़े अधिकारियों के साथ एक डिटेल्ड रिव्यू मीटिंग की। इस मीटिंग का मुख्य मकसद BC (पिछड़े वर्ग) समुदाय के लोगों की सामाजिक और आर्थिक तरक्की के लिए केंद्र और पंजाब सरकार द्वारा चलाई जा रही भलाई की योजनाओं को ज़मीनी स्तर पर असरदार तरीके से लागू करने का रिव्यू करना था। मीटिंग के दौरान, चेयरमैन मलकीत थिंड ने साफ़ शब्दों में कहा कि सरकार की भलाई की योजनाओं का असली मकसद तभी पूरा होता है जब उनका फ़ायदा हर योग्य व्यक्ति तक पहुँचे। उन्होंने अधिकारियों को यह पक्का करने का निर्देश दिया कि BC कैटेगरी के लोगों को सरकारी योजनाओं का सही और समय पर फ़ायदा मिले। चेयरमैन ने अलग-अलग डिपार्टमेंट की तरफ से अब तक सरकारी स्कीमों के तहत दिए गए फायदों के बारे में डिटेल में जानकारी ली और आंकड़ों के आधार पर उनका रिव्यू किया। इस दौरान, उन्होंने कई जगहों पर सामने आई कमियों को तुरंत दूर करने के लिए अधिकारियों को साफ निर्देश दिए। मीटिंग के दौरान, चेयरमैन मलकीत थिंड ने BC समाज के लोगों और समाज सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से सीधी बातचीत भी की। उन्होंने लोगों की समस्याओं, शिकायतों और सुझावों को ध्यान से सुना।

कई मामलों का मौके पर ही हल किया गया, जबकि बाकी मामलों को तय समय में हल करने के लिए संबंधित डिपार्टमेंट के अधिकारियों को जरूरी गाइडलाइंस जारी की गईं। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि वेलफेयर स्कीमों की जानकारी गांवों और शहरी इलाकों में बड़े पैमाने पर फैलाई जानी चाहिए ताकि BC समाज का हर वर्ग इन स्कीमों के बारे में जान सके और बिना किसी सरकारी परेशानी के फायदा उठा सके। इस मौके पर चीफ मिनिस्टर फील्ड ऑफिसर लुधियाना तुशिता गुलाटी ने भरोसा दिलाया कि कमीशन की गाइडलाइंस के मुताबिक जिला प्रशासन की तरफ से सभी वेलफेयर स्कीमों को असरदार तरीके से लागू किया जाएगा। इस मीटिंग में मार्केट कमेटी साहनेवाल के चेयरमैन हेमराज राजी, चीफ मिनिस्टर फील्ड ऑफिसर लुधियाना तुशिता गुलाटी, डिस्ट्रिक्ट रेवेन्यू ऑफिसर प्रदीप कुमार, डिस्ट्रिक्ट सोशल जस्टिस एंड एम्पावरमेंट ऑफिसर हरपाल सिंह गिल के अलावा सिविल और पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन के अलग-अलग डिपार्टमेंट के ऑफिसर, सोशल सर्विस ऑर्गनाइज़ेशन के मेंबर और बड़ी संख्या में BC सोसाइटी के रिप्रेजेंटेटिव शामिल हुए।

क्या गौतम गंभीर की रणनीति हो गई फेल? आयरलैंड के खिलाफ मिली शर्मनाक हार पर श्रेयस अय्यर ने तोड़ी चुप्पी

● भारत को आयरलैंड के खिलाफ 34 रन से हार का सामना करना पड़ा है. हार के बाद भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने चुप्पी तोड़ी है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भारत को आयरलैंड के खिलाफ पहले टी-20 में 34 रन से हार का सामना करना पड़ा. पहली बार आयरलैंड ने भारत को हराया है. भारत को मिली ऐसी शर्मनाक हार के बाद कप्तानी में डेब्यू कर रहे श्रेयस अय्यर ने हार का कारण गेंदबाजों को बताया है, हार के बाद अय्यर ने कहा 'मुझे लगता है कि शुरुआत में गेंदबाज अच्छी बॉलिंग कर रहे थे, उन्हें मूवमेंट मिल रहा था और कुछ विकेट भी मिले. तो हमें शानदार शुरुआत मिली, लेकिन बीच में हम अपनी योजना पर ठीक से अमल नहीं कर पाए. हमने उन्हें सीधे ग्राउंड की तरफ शॉट खेलने दिए, जहां हमें पता है कि बाउंड्री छोटी है. लेकिन फिर, जब हमें ओवर रोकने थे, तब गेंदबाजों ने शानदार काम किया. तो मुझे लगा कि जिस तरह की शुरुआत मिली थी, उसे देखते हुए 140 का स्कोर चेज करने के लिए ज़बरदस्त होता. फिर भी, यहां का अनुभव बहुत अच्छा रहा. हमें इन हालात में खेलने का मौका मिला, पिच के बारे में अच्छी जानकारी मिली, और हां, कप्तान के तौर पर यह एक बढ़िया शुरुआत थी '।

जो हुआ हम उसे भूल जाएंगे

श्रेयस अय्यर ने अपनी बात आगे ले जाते हुए कहा, 'जो हुआ उसे हम भूल जाएंगे, इस मैच से निश्चित रूप से बहुत कुछ सीखने को मिला है और हम कोशिश करेंगे कि अगले मैच में पूरी ताकत के साथ उतरें, शुरुआत में उन्हें मदद मिल रही थी, और शिवम ने पहले भी अहम ओवर डाले हैं. इसलिए मैं हमेशा उन पर भरोसा करता हूं, और मैंने उनके साथ घरेलू क्रिकेट में भी खेला है. मैं उनकी ताकत और कमजोरियों को जानता हूं।. और हर्षित राणा ने जबरदस्त बॉलिंग की. चोट से उबरकर इस स्तर पर खेलना और ऐसा टैलेंट दिखाना, वाकई शानदार है।

अगले मैच का है बेसब्री से इंतजार

भारतीय कप्तान ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि आप किसी भी चीज को हल्के में नहीं ले सकते, आप बस मैदान पर जाकर मैच नहीं जीत सकते. आपको कड़ी मेहनत करनी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि आप उस पल में पूरी तरह मौजूद रहें. जैसा कि मैंने पहले कहा, आपको वर्तमान में रहना होगा और अगर विरोधी टीम पर दबाव बनाने का मौका मिले, तो उसका फायदा उठाना होगा. और हा, किसी भी पल या स्थिति को कभी हल्के में न लें. अगले मैच का बेसब्री से इंतजार है। बता दें कि मैच में आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी की थी और 20 ओवर में 182 रन बनाए थे जिसके बाद भारतीय टीम 18.5 ओवर में 148 पर आउट हो गई. आयरलैंड ने भारत को 34 रन से हराकर इतिहास रच दिया.।

अब जस्टिस स्वर्ण कांता नहीं सुनेंगी सांसद-विधायकों से जुड़े केस

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट के रूटीन रोस्टर बदलाव के बाद अब एक जुलाई से न्यायमूर्ति मनोज कुमार जैन सांसदों और विधायकों से जुड़े आपराधिक मामलों की सुनवाई करेंगे। अब तक ये रोस्टर न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के पास था और एमपी-एमएलए रोस्टर पर न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा का कार्यकाल विवादों से भरा रहा। अब न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा सिविल रिट से जुड़े मामले की सुनवाई करेंगी। उन्होंने आबकारी घोटाला सहित कई हाई-प्रोफाइल मामलों को देखा। हालांकि, इस मामले में ट्रायल कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित अन्य सभी को बरी कर दिया था। ट्रायल कोर्ट के निर्णय को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका पर न्यायमूर्ति शर्मा की पीठ के समक्ष कार्यवाही का अरविंद केजरीवाल ने बहिष्कार कर दिया था।

केजरीवाल के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही

इस प्रक्ररण की काफी चर्चा रही और न्यायमूर्ति शर्मा ने आबकारी घोटाला मामले की सुनवाई से खुद को अलग करते हुए केजरीवाल सहित अन्य के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्यवाही शुरू की। मुख्य न्यायाधीश ने इसके बाद आबकारी घोटाला व केजरीवाल सहित अन्य के खिलाफ अदालत की अवमानना का मामला अन्य पीठ को सौंप दिया था। दिल्ली हाई कोर्ट का रोस्टर आम तौर पर गर्मियों की छुट्टियों के बाद बदला जाता है। निर्वाचित जन प्रतिनिधियों के खिलाफ मामलों की समय पर सुनवाई सुनिश्चित करने व सांसदों और विधायकों से जुड़े आपराधिक मामलों के तेजी से निपटारे के लिए एक विशेष एमपी-एमएलए रोस्टर बनाया गया है। यह रोस्टर हाई कोर्ट को सौंपे गए कई तरह के आपराधिक मामलों की सुनवाई करता है और इनमें मौजूदा और पूर्व सांसद और विधायक शामिल होते हैं।

पुलिस कर्मियों की शिकायतें अब थाने में ही होंगी दूर, शुरू हुई 'डोरस्टेप' व्यवस्था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। पुलिसकर्मियों की सेवा संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए मध्य जिला पुलिस ने नई पहल शुरू की है। अब वेतन, पेंशन, मेडिकल रीइम्बर्समेंट, अवकाश, जांच से जुड़े बिल, अकाउंट्स और अन्य प्रशासनिक मामलों के निपटारे के लिए कर्मचारियों को कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। प्रशासनिक और लेखा शाखा के अधिकारी स्वयं हर पखवाड़े पुलिस थानों और यूनिटों में पहुंचकर शिकायतों का समाधान करेंगे। मध्य जिले के उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह के मुताबिक, जिले में 'डोरस्टेप' (मौके पर जाकर समाधान) शिकायत निवारण प्रणाली लागू की गई है। इसके तहत प्रशासन और अकाउंट्स शाखा के अधिकारी तय रोस्टर के अनुसार जिले के सभी पुलिस स्टेशनों और यूनिटों का नियमित दौरा करेंगे। दौरे के दौरान कर्मचारियों की शिकायतें मौके पर सुनकर उनका जल्द से जल्द निपटारा किया जाएगा।

प्रत्य दौरे का रिकॉर्ड डेली डायरी में दर्ज होगा

इस व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए इंस्पेक्टर (एडमिन) और अकाउंटेंट विस्तृत विजिट रोस्टर तैयार करेंगे, ताकि किसी भी पुलिस स्टेशन या यूनिट का दौरा छूट न जाए। प्रत्येक दौरे का रिकॉर्ड डेली डायरी (डीडी) में दर्ज किया जाएगा। इसमें प्राप्त शिकायतों, उन पर की गई कार्रवाई और उनके निस्तारण का पूरा विवरण रहेगा। शिकायतों के समयबद्ध समाधान की निगरानी के लिए साप्ताहिक और पखवाड़ा समीक्षा प्रणाली भी लागू की गई है। एसीपी/मुख्यालय के माध्यम से हर सप्ताह प्रगति रिपोर्ट अतिरिक्त उपायुक्त-द्वितीय को भेजी जाएगी, जबकि प्रत्येक पखवाड़े की अनुपालन रिपोर्ट उपायुक्त के समक्ष समीक्षा के लिए प्रस्तुत होगी।

उत्तर प्रदेश सरकार के मार्गदर्शन से प्रत्येक नगर पंचायत में की जा रही है जनसुनवाई

बाराबंकी। योगी सरकार के निर्देश तथा नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा के मार्गदर्शन से संभव के तहत प्रत्येक नगर पंचायत में जनसुनवाई की जा रही है ईसी के तहत रामसनेहीं घाट के अधिशासी अभियंता संतोष चौधरी ने दिव्यांग दंपति की मदद की। पत्नी कमला देवी उम्र 62 वर्ष तथा पंछी लक्ष्मी नारायण उम्र 65 वर्ष जो कि बाराबंकी के नगर पंचायत रामसनेहीघाट चंदौली के निवासी हैं इनका वृद्धा पेंशन बनवाने में मदद की। और स्थानीय निवासियों के समस्या को देखते हुए निस्तारण करने का पूरा विश्वास दिलाया।

अलका याग्निक की बेटी हैं पॉवरफुल बिजनेस वुमन, टैलेंट में नहीं मां से कम

● अलका याग्निक की बेटी सायशा कपूर फिल्मी दुनिया से दूर बिजनेस में सफल हैं, जबकि उनके पति और भाई भी हमेशा चर्चा से दूर रहे. आज हम आपको सायशा की फोटो दिखाने जा रहे हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अलका याग्निक भारतीय सिनेमा की सबसे सफल और लोकप्रिय प्लेबैक सिंगर्स में गिनी जाती हैं. उन्होंने अपने करियर में हजारों गानों को अपनी आवाज देकर कई पीढ़ियों की यादों का हिस्सा बनाया है. हाल ही में उन्हें पद्म सम्मान से नवाजा गया, जिसके बाद एक बार फिर उनकी निजी जिंदगी चर्चा में आ गई. इससे पहले उन्होंने यह भी बताया था कि वह पिछले दो वर्षों से एक दुर्लभ सुनने संबंधी बीमारी से जूझ रही थीं, जिसकी वजह से लाइमलाइट से दूर रहीं. अब फैंस उनके परिवार के बारे में जानना चाहते हैं. आइए जानते हैं कि उनके पति कौन हैं, बेटी क्या करती हैं और उनके भाई को इंडस्ट्री में कितनी पहचान मिली.

कौन हैं अलका याग्निक के पति?

अलका याग्निक ने साल 1989 में शिलॉन्ग के बिजनेसमैन नीरज कपूर से शादी की थी. नीरज का फिल्म या म्यूजिक इंडस्ट्री से कोई संबंध नहीं रहा. अलका ने हमेशा अपनी निजी जिंदगी को मीडिया की चकाचौंध से दूर रखा, इसलिए उनके पति भी सार्वजनिक कार्यक्रमों और लाइमलाइट में कम ही नजर आए। बताया जाता है कि शादी के बाद नीरज ने मुंबई में कारोबार जमाने की कोशिश की थी, लेकिन सफलता नहीं मिली. इसके बाद उन्होंने शिलॉन्ग लौटकर अपना बिजनेस संभाला. वहीं अलका ने मुंबई में रहकर अपने सिंगिंग करियर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया. अलग-अलग शहरों में रहने के बावजूद दोनों ने अपने रिश्ते को मजबूती से निभाया।

क्या करती हैं अलका याग्निक की बेटी?

अलका और नीरज की एक बेटी हैं, जिनका नाम सायशा कपूर है. सायशा ने अपनी मां की तरह मनोरंजन जगत में करियर नहीं चुना. वह बिजनेस की दुनिया में सक्रिय हैं और अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं. उन्होंने हॉस्पिटैलिटी मार्केटिंग में एमबीए किया है और रेस्टोरेंट मैनेजमेंट व सेल्स के क्षेत्र में काम किया है। जानकारी के अनुसार, वह 'Raincheck Earth' से जुड़ी रही हैं, जो चेरापूंजी क्राफ्ट जिन के कारोबार से संबंधित है. इसके अलावा वह मुंबई के मशहूर रेस्टोरेंट Boveda Bistro की को-ओनर भी बताई जाती हैं. निजी जीवन में सायशा ने 2017 में बिजनेसमैन अमित देसाई से सगाई की और 2018 में दोनों शादी के बंधन में बंध गए।

भाई भी बने सिंगर, लेकिन नहीं मिली बहन जैसी सफलता

अलका याग्निक को बचपन से ही संगीत का माहौल मिला. उनके पिता धर्मेंद्र शंकर भारतीय नौसेना में अधिकारी थे, जबकि उनकी मां शुभा याग्निक शास्त्रीय गायिका थीं. महज छह साल की उम्र में अलका ने कोलकाता आकाशवाणी के लिए गाना शुरू कर दिया था और 10 साल की उम्र में मुंबई आ गई. इसके बाद उनका करियर लगातार आगे बढ़ता गया।